46th Session of All India Oriental Conference 2012

Department of Sanskrit

University of Kashmir

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

॥ ॐ ॥

आयुर्द्रोणसुते श्रियं दशरथे शत्रुक्षयं राघवे
ऐश्वर्यं नहुषे गतिश्च पवने मानश्च दुर्योधने
दानं सूर्यसुते बलं हलधरे सत्यश्च कुन्तीसुते
विज्ञानं विदुरे भवन्तु भवतां कीर्तिश्च नारायणे

"हरधड्कनमा सुरिलो लय होस,
नवसिर्जनमा मनतन्मय होस्
दिल मा अनुरागकुलो पानी
मृदु ओठभरी मधुसंचय होस्
तन कोमलकान्त रहोस् माथि
मन शीतलशान्त निरामय होस्
घर आँगनमा र खुलापनमा
मन निर्भय होस् सबको जय होस्

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

NAMES OF THE DELEGATES AND TITLES OF THE PAPERS:

Vedic Section—1

S.No Title of Paper	Name of Author
1. कल्पनारम्याः केचिद् वैदिक यज्ञाः,	गणेश उमाकान्त थिटे, पुणे
2. वैदिक–इन्द्रदेवतायाः सामाजिकं स्वरूपम्	डॉ.विजयलक्ष्मीः मुजफ्फरनगर
3. आदर्शपूर्ण वेदकालीनजीवनम्	के.शंकरसाई बाबु, विद्यानगर,गुण्टूर
4. अथर्ववेदे आयुर्वैदिकचिकित्साविज्ञानम्	सन्दीप कुमार गुप्त, कानपुर
5. ऋग्वेदीयस्य यमयमीसंवादस्य कौमार–मनोविज्ञानपरं सांगत्यम्	....
6. अथर्ववेदीय मनोचिकित्सा	डॉ.दीनानाथ आचार्य बैगनी,दरभंगा
7. वेदेषु समुद्राणां स्थानानि	राघव नाथ झा, मधुबनी,बिहार
8. अथर्ववेदीय वास्तुविज्ञानम	डॉ.प्रयागनारायण, लखनऊ वि.वि.
9. अध्वरकाण्डम– तुलनात्मकाध्ययनम्	ओंकार शामसुन्दर जोशी, पुणे
10. वैदिकवाङ्मये धर्मार्थविवेचनम	डॉ. जयनारायण पाण्डेय, रांची वि.वि

CC-0. Jammu Sanskrit Academy, Jammu. Digitized by eGangotri Collection

11.	ऋग्वेदीय आचार मीमांसा	डॉ.योगेश शास्त्री, गुरुकुल कांगड़ी वि.वि.
12.	वेदमन्त्रणामनुवादे संहिताब्राह्मणादि ग्रन्थानां सहाय्यम्	रवीन्द्र अम्बादास मुले, पुणे वि.वि.
13.	प्रणवोच्चारणविमर्शः	डॉ. राजेन्द्रप्रसादमिश्र, जयपुर
14.	वैदिकपदार्थावबोधे स्वराणामुपादेयत्वम्	रवीन्द्र कुमारः, हरिद्वारम्
15.	वेदेषु पर्यावरणसंरक्षणे नारीणां योगदानम	डॉ.विभा, नरनौल
16.	वेदेषु विज्ञानसूत्रानि	प्रों.अजय कुमार, धनबाद,झारखण्ड
17.	ऐतरेयब्राह्मणस्य आख्यानमूल्यायनम	काशीनाथ नन्दी, कोलकाता
18.	श्री गुरुग्रन्थसाहिवधर्मग्रन्थसय वेदैः सह मनवीयमूल्यमनुसृत्य तुलनात्मकमध्ययनम्	डॉ.राम सुमेर यादव, लखनउ वि.वि.
19.	स्थलमण्डलस्य प्र्यावरण सुरक्षायै वैदिकाः उपायाः,	डॉ.शोभा शुक्ला, लखनउ वि.वि.
20.	आदर्शपूर्ण वेदकालीनजीवनम्,	के.संकरसाई बाबू, विद्यानगर गुन्टूर
21.	ऋक्संहितायाः पर्यावरणेष्वाकाशतत्वं,	प्रो.रामाशीष पाण्डेः,
22.	यजुर्वेदे अध्यात्मिक तत्वं,	डॉ.मीना कुमारी,
23.	वैदिवाङ्मय पर्यावरणविज्ञानम्,	सस्मिता दास, उत्कल वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

24. वैदिवाङ्मयस्योपादेयता मानवमौल्य- स्रंचनायाम्	डॉ.सरोज कुमार शुक्लः, लखनउ वि.वि.
25. वेदमन्त्राणामर्थतत्वम्-परिशीलनम्	डॉ.शिव प्रसाद अग्निहोत्री,
27.	प्रो.आर. पी. मिश्रा, कुरुक्षेत्र वि.वि.
28.	प्रो.आर. के. शास्त्री इलाहाबाद
29.	
30. वेदों का महत्व,	दीपा आर्या, नैनीताल उ.ख.
31. वैदिक दृष्टिकोण से पर्यावरण संरक्षण,	सुजीत कुमार त्रिपाठी, ...
32. उत्तरवैदिक काल : ब्राह्मण, संहिता और डपनिषद्कालीन समाज,	डॉ.ज्योति शंकर सिंह, पटना
33. वैदिक पर्यावरण चिन्तन,	डॉ.आशा गुप्ता, अमेठी उ.प्र.
34. वेदों में पर्यावरण चिन्तन,	डॉ.पुरुषोत्तम शर्मा, जम्मू वि.वि.
35. ऋग्वेदीय ब्राह्मण ग्रथ्थों में वर्ण एवं वर्ण व्यवस्था,	जितेश पासवान, रांची
36. वेदों में शासन प्रणाली (जनतंत्र एवं पंचायतराज प्रणाली के विशेष संदर्भ में)	डॉ.नीरज कुमार सिंह, इटावा
37. वेदों में स्त्रियों की संपत्ति संबन्धी अधिकार,	डॉ.बबिता सिंह, इटावा

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

38. यज्ञ की वैज्ञानिकता पारिस्थितिकी संतुलन के संदर्भ में,	डॉ.सुरचना त्रिवेदी, लखीमपुर खीरी
39. वेदों में निहित राष्ट्रीय चेतना की वर्तमान में प्रासंगिकता,	डॉ.प्रदीप कुमार दीक्षित, रमाभाई नगर उ.प्र.
40. वैदिक एवं पौराणिक साहित्य में पर्यावरण	डॉ.शालिनी सिंह, रायबरेली
41. अथर्ववेद में पशुपालन	डॉ.रंजना सिंह, रायबरेली
42. वैदिक मन्त्रो का अध्यात्मिक विवेचन,	डॉ.पुष्पा गुप्ता, नई दिल्ली
43. वेदमंत्रों और पारस्करगृह्यसूत्र का तुलनात्मक अध्ययन,	डॉ.निहारिका के. पटेल, अहमदाबाद
44. वेदों में शरीर रचना विज्ञान एवं चिकित्सा पद्धति,	डॉ.अलका राय, एवं डॉ.पूनम घई, धामपुर उ.प्र.
45. वेदों में समाजशास्त्र का वर्णन	डॉ.पूनम घई, धामपुर उ.प्र.
46. ऋग्वैदिक शकुनि सूक्त : एक विश्लेषण	डॉ.मीना कुमारी, दिल्ली वि.वि.
47. समाज की शान्ति स्थापना में वेदों की भूमिका,	डॉ.सत्यवती, ...
48. अथर्ववेद में शल्यचिकित्सा का विवेचनात्मक अध्ययन	निशा रानी, जे.एन.यू.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

49. वैदिक वाङ्मय में सूर्य तथा उसकी वैज्ञानिक विशेषताएं,	चन्दा कुमारी, जे.एन.यू.
50. वैदिक आख्यानों की अभिव्यंजना,	प्रो.कपिलदेव शुक्ल, गेरखपुर वि.वि.
51. वेद में कन्या, पत्नी तथा माता का भव्य स्वरूप,	वरुण आर्य, ...
52. कम्पयूटर युग में वेद के धर्म की आवश्यकता,	सुमित शर्मा, गाजियाबाद
53. वेद की नारी सुमंगली है, ब्रह्मा है, विराट है,	समता शर्मा, गाजियाबाद
54. ऋग्वेदीय अद्वैतवाद,	डॉ.स्वेजा त्रिपाठी, गेरखपुर वि.वि.
55. वेद में नव्यता एवं नवाचार,	डॉ.प्रवेश सक्सेना, दिल्ली
57. ऋग्वेद में नारी का महत्व,	कु.सुनीता आर्या, नैनीताल
58. अथर्ववेद में आयुर्विज्ञान भैषज्य सूक्तों के संदर्भ में,	डॉ.मनोरमा गुप्ता, कानपुर
59. वेदों में ब्रह्म के विराट रूप को नमन,	प्रो.चन्द्र प्रकाश आर्य, क्रनान
60. वेद एवं मनुस्मृति में गृीस्थाश्रम और नारी,	सरोज गुप्ता, करनान

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

61.	अथर्ववेद में शिक्षा पद्धति,	डॉ.कपिलदेव हरेकृष्ण शास्त्री, भावनगर गुजरात
62.	वैदिक ऋचाओं में वर्णित प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान-सूर्य,जल,अग्नि और वायु चिकित्सा के संदर्भ में,	डॉ.पुष्पा यादव, कानपुर
63.	वेदप्रतिपादित आचार सिद्धान्त : आज के संदभ्र म,	डॉ. श्रीमती विनय शर्मा, चित्तौडगढ़ राज.
64.	वेदों में जल संरक्षण,	श्री प्रकाश पाण्डेय, एवं डॉ.अर्चना दुवे, वनस्थली विद्यापीठ राज.,
65.	ऋग्वेद का वाक्सूक्त एवं आधुनिक भाषाचिन्तन,	प्रो.नीरजा टण्डन, कु.वि.वि. नैनीताल,
66.	वेदों में पय्रावरणविज्ञान,	डॉ.देवेन्द्र जिलाल, कटडा
67.	वेद की उपमा शैली,	उदयन आर्य, पंजाब वि.वि. चण्डीगढ़
68.	अथर्ववेद में आयुर्वेद,	प्रमिला विश्वास कु.वि.वि. नैनीताल,
69.	अथर्ववेदीय प्रायश्चित कर्म,	डॉ.नीलम पाण्डेय, बराबंकी
70.	शोध प्रविधि एवं बृहद्देवता,	डॉ.विनोद कुमार दीक्षित, देवरिया उ.प्र.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

71. जीवन में वेदों की उपादेयता, — डॉ.दयाशंकर विद्यालंकार, हरिद्वार

72. वैदिक मूल्याधारित शिक्षा एवं विचार क्रान्ति, — डॉ.सुनीता जायसवाल, चन्दौली उ.प्र.

73. साम्प्रतिक परिप्रेक्ष्य में पंच महायज्ञ, — ऋचा चौधरी, रांची

74. माण्डूक्योपषिद् का श्रीमद्भगवद्गीता पर प्रभाव, — शिव कुमार त्रिपाठी, रायपुर

75. ऐतरेयोपनिषद् का श्रीमद्भगवद्गीता पर प्रभाव, — राकेश त्रिपाठी, रायपुर

76. कैवल्य उपनिषद्द और उसका ततवचिन्तनात्मक महत्व, — ओझा राजवी दिलीपभाई, अहमदाबाद

77. वैदिककरग्रहणव्यवस्था — संकल्पमिश्र, जयपुर

78. ब्राह्मणग्रन्थ में प्राप्त देवतारक्षको का सूक्ष्म अध्ययन — विजया वाल्हे, पुणे

79. वैदिक यज्ञों का वैज्ञानिक महत्त्व — डॉ.प्रभा किरण, मुजफ्फरपुर,बिहार

80. अथर्ववैदिक विभिन्न औषधियां तथा उनसे संबंधित देव — डॉ.राजवीर शास्त्री, दिल्ली वि.वि.

81. ब्रह्मवादिनी स्त्रियां एवं उनका गृहस्थ जीवन : ऋग्वेद के आलोक में — डॉ.अनीता, दयालबाग,आगरा

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

८२.	सद्विचार – राष्ट्रोन्नयन का आधारः वेद के संदर्भ में	डॉ.निशीथ गौड़, दयालबाग,आगरा
८३.	वैदिक ऋषियों का राष्ट्रीयता संबन्धी चिंतन एवं योगदान	डॉ.सुषमा देवी गुप्ता, जम्मू वि.वि.
८४.	ऋषियों का मन्त्रद्रष्टृत्व या : कर्तृत्व : निरुक्त और वेद की साक्षी	मनोज आर्य, दिल्ली वि.वि.
८५.	वैदिक वाङ्मय में लोकतांत्रिक मूल्ल	डॉ.हरिप्रसाद दीक्षित, भोपाल
८६.	वेदकालीन विवाह संस्कार विविध पक्ष एवं प्रासंगिकता	डॉ. मीना गुप्ता, कानपुर
८७.	वैदिक साहित्य में महर्षि दयानन्द सरस्वती का योगदान	मोहित शुक्ल, लखनऊ वि.वि.
८८.	शुक्लयजुर्वे संहिता एवं पारस्करगृह्यसूत्र में मनुष्य का चर्णित संस्कार	इन्द्रेश कुमार झा, बिरोल,दरभंगा
८९.	वैदिक वाङ्मय में मानवाधिकार	अरुण कुमार गुप्ता, अमेठी
९०.	वैदिक साहित्य में वैदिक देव तत्त्व	बृजेश कुमार, ब्हराइच
९१.	वेद और गोस्वामी तुलसीदास का चिन्तन – स्वरूप	अनुराग आनन्द
९२.	वेदों में कृषि–चिन्तन	चिन्मय आनन्द, बेगुसराय,बिहार
९३.	वैदिक विवाह का आधुनिक पर्यवेक्षण	डॉ.प्रतिभा, जम्मू वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

94. वैदिक वाङ्मय में सैन्य संगठन — कु.स्वयंप्रभा, मेरठ

95. ऋग्वेद एवं कुरान का तुलनात्मक अध्ययन — प्रो.रमेश चन्द वर्मा, गगापुर सिटी

96. पण्डित मधुसूदन ओझा के वेदविज्ञान में पारिभाषिक शब्दावली — डॉ.दीपमाला, जोधपुर

97. वैदिक सूक्तों में सामाजिक संदर्भ — डॉ. सुमन रानी, नई दिल्ली

98. वैदिक चिन्तन : वर्तमान समाज के संदर्भ में — शैलेन्द्र कुमार, अमेठी

99. ऋग्वेद में सूर्याराधन — डॉ.भोलेन्द्र पाण्डेय, जमशेदपुर

100. अथर्ववेद में सूर्या–विवेचन — श्रीमती पूनम पाण्डेय, श्रांची

101. शतपत ब्राह्मण में वर्णित अग्नि के तादात्म्य — डॉ.सुकेशी रानी गुप्ता, मेरठ

102. वैदिक अब्विज्ञान – यजुर्वेद के विशेष संदर्भ में — डॉ. वीरेन्द्र कुमार अलंकार, पंजाब वि.वि. चण्डीगढ़

103. वेदों में आयुर्वेद का महत्त्व और स्थान — डॉ.एन.पाण्डेय, हजारीबाग

104. ऋग्वेदसंहिता में प्राणतत्त्व का स्वरूप — प्रतापचन्द्र राय, दिल्ली वि.वि.

105. वेदों में आचारसिद्धान्त : आज के संदर्भ में प्रासंगिकता — डॉ.विनय वर्मा, चित्तौड़गढ़

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

106.	वैदिक साहित्य में पुरुषार्थ–चतुष्ट्य	....
107.	भ्रष्टाचार के उन्मूलनार्थ वेदों की उपादेयता	डॉ.मीरा वाशी, लखनऊ
108.	वेदों में यमों (योगांगों) का स्वरूप	डॉ.ईश्वर भारद्वाज, गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार
109.	वैदिक साहित्य में बुद्धि का स्वरूप	कु.शालिनी सिडाना, गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार
110.	वेदों में शारीरिक शिक्षा के प्रति चेतना के स्वर	प्रो.मनुदेव बन्धु, गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार
111.	ऋग्वेद के द्वितीय मण्डल में प्राप्त दार्शनिक तत्त्व का विवेचन	डॉ.कौसल्या, जालोन
112.	वैदिक साहित्य में मंगल कामना का स्वरूप	महेश चन्द्र, लखनऊ वि.वि.
113.	वेदों में समाज कल्याण की अवधारणा	डॉ.सविता रस्तोगी, ग्वालियर
114.	वेदों की आधुनिक युग में प्रासंगिकता	डॉ.विजय कुमारी गुप्ता, जालन्धर
115.	अथर्ववेद में शाक्त चिन्तन	डॉ.कैलाश नाथ तिवारी, इटावा
116.	आतंकोन्मूलन और वेद	डॉ.देवेन्द्र सिंह सोलंकी, मेरठ
117.	अथर्ववेद में कृषि	अमल सरकार, दिल्ली वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

118. अथर्ववेद संहिता में अन्न — बाट्टराम सरकार, दिल्ली वि.वि.

119. वैदिक संहिताओं में नारी के विभिन्न रूप — स्नेहलता, नई दिल्ली

120. वैदिक कालीन शिक्षा के उद्देश्यों का बदलता परिदृश्य — डॉ.भीमा मनराल, अल्मोड़ा

121. वर्तमान भारतीय शिक्षा प्रणाली में गुरु-शिष्य परम्परा की प्रासंगिकता — डॉ.मीना मनराल, अल्मोड़ा

122. वेदों में सामाजिक सम्बन्ध — डॉ.देवेन्द्रपाल सिंह तोमर, बडौत,बागपत

123. ऋग्वेदकालीन अर्थव्यवस्था — संदीप कुमार उपाध्याय दिल्ली वि.वि.

124. अथर्वसंहिता में आयुर्वेद विधान — अरुण कुमार दीप, दिल्ली वि.वि.

125. अथर्ववेदीय दृष्टि में ज्योतिष का अवलोकन — डॉ.गीता शुक्ला, लखीमपुर-खीरी

126. ऋग्वैदिक नैतिक मूल्यों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता — डॉ.शिल्पी, बुलन्दशहर

127. अथर्ववेद में काल विचार — प्रो.लक्ष्मी शुक्ला, ...

128. वेदों में विज्ञान — चेतना भण्डारी, नैनीताल

129. वैदिक सूक्तों की वैज्ञानिकता सृष्टि सृजन की प्रक्रिया — डॉ.रीता झिंगरन, लखनऊ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

130.	शथपथब्राह्मणकालीन कृषि व्यवस्था–अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख स्रोत के रूप में	सुमन आर्या, दिल्ली
131.	ऋग्वेदे देवाश्चेत् परोक्षप्रियाः क्लिश्यते तत्र संशयात्मा	ज्योतिष नाथ, त्रिपुरा वि.वि.
132.	श्रौतयज्ञों में पशु–हिंसा–विमर्श	प्रो.ओमप्रकाश पाण्डेय, लखनऊ
133.	अतिथियज्ञ : आपस्तम्ब धर्मसूत्र के सन्दर्भ में	सीमा रानी, दिल्ली वि.वि.
134.	शतपथ ब्राह्मण में अंक–विमर्श : एक विश्लेषण	डॉ.अर्पना धीर, नई दिल्ली
135.	वेदों में मानवाधिकार	ज्योति लता, रोहतक
136.	वैदिक साहित्य में वर्णित राजनीति की आधुनिक युग में प्रासंगिकता –स्मृतियों के सन्दर्भ में	डॉ.जीवन आशा, जालन्दर
137.	अथर्ववेद में आयुर्वेद	डॉ.पुष्पा मलिक, लखीमपुर–खीरी
138.	वेंदों में विज्ञान के विभिन्न रूप	रामेश्वर, दिल्ली वि.वि.
139.	वैदिक वाङ्मय में अर्थव्यवस्था	तरुलता वी पटेल, अहमदाबाद
140.	वेदों में राष्ट्रवन्दना	वेद कुमारी, दिल्ली वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

141.	उपनिषदों में अपरिग्रहविषयक परामर्श	डॉ.इन्दु शर्मा, कुरुक्षेत्र वि.वि.
142.	वेदार्थ में और यौगिक वाद ,	डॉ.सुमन राजन, कुरुक्षेत्र
143.	सायन और दयानन्द की ऋग्वेदभाष्य-भूमिका : एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ.राजेन्द्र विद्यालंकार, भिवानी हरियाना
144.	आर्य पृष्ठ भूमि की इष्टिका स्वरूप वेद कालीन नारीयां,	डॉ.मयूरी भाटिया, वालिया-भरुच गुजरात
145.	शुक्लयजुर्वेदीय माध्यन्दिन संहिता के आख्यात पद : रूप रचना की दृष्टि से एक अध्ययन	विश्व बन्धु, जे.एन.यू.
146.	वैश्विक शांति एवं वेद : एक अनुचिन्तन	डॉ.प्रसून दत्त सिंह, चाडिल
147-	तैत्तिरीयारण्यक में जीवन की शाश्वत विधाएँ	शोध्छात्राा इन्दू सोनी दिल्ली विश्वविद्यालय,
148-	फ्अथर्ववेद में काल विमर्शय	सुनयना भाटी शोध-छात्राा, संस्कृत-विभाग,
149-	फ्अथर्ववेद में नक्षत्राा दर्शनय	प्रियघङ्का जैन शोध-छात्राा, संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

150.	अश्वमेध्यज्ञ में पशुविज्ञान के भेदक तत्त्व	रीतू मिश्रा ;शोध छात्राद्ध दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
151.	वैदिक वाड्मय में सत्य एवं अहिंसा की अवधारणा	श्रष्मि यादव षोधच्छात्रा (जे.आर.एफ) संस्कृत विभाग इलाहाबाद विष्वविद्यालय, इलाहाबाद
152	Basic Concept of Five Elements in Ayurveda and Taoism	Monica K Rathore (New Delhi)
153	Globalisation and Empower of Women: An Observation in the Context of the Rgveda.	Mr. Ranjan Borthakur (Assam)
154	Gratitude and Devotion in the Vedic Tradition	Prof. Shashi Tiwari (New Delhi)
155	Vritvas+tisthatddasangulam : A Critical Analysis	Mrs. Pranati Mishra(Mohapatra) (Bolpur)
156	Visvamitra in Atharvaveda	Indira.k. (Kalady)
157	Vedic Deity *Indra* _ Through Mythological Perspective!	Jai Jayawant Paranjape (Mumbai)
158	The Importance Of The Atharvavedic Laksanagranthas For Textual Critics	Dr. Tarak Nath Adhikari (Kolkata)
159	Arising Out of Varunen Presita In the Atharaveda 3.13	Mr. Rajshree Vijay Shrisagar (Mumbai)
160	The Jyesthabrahman In The Atharvaveda	Goutam Mishra (Sout 24- Paraganas, West Bengal

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

161	Mahabhutas in the RGVEDA : An Environmental Approach	Dr. Niranjan Jena
162	Environmental Ideas As Revealed In The SUKLAYAJURVEDA	Nalini Devi Misra (Guahati)
163	Ecology & Environment in Vedas	PK Mishra and Chandana Mishra (Hazaribagh)
164	A study of Obstratic and Gynecological Problems Dealt in the Vedas	Dr. Shreyasi Sharma (Chandigarh)
165	Upanisadic Thoughts in Tagore's Poems and Songs	Dr.Sanghamitra Bakshi (Mondal) (Kolkata)
166	Paippalada Tradition: A case study of eastern part of India	DR.Harekrushna Mishra
167	The Legend Of URVASI In RGVEDA	Sajitha Ayyappan (Kerala)
168	Pedagogy in the Vedic Literature	Prfo. N.B. Biswas (Assam)
169	RIgvedic Goddesses	Aswathy.G.R (Trivandrum)
170	Significance of Anukrmani texts in Vedic Literature	Kesavan A,M (Kerala)
171	Social Life in Rgveda	Dhanya P (Kalady)
172	Some Observations on MANTRAS of DEVAPATNI in TAITTIRIYA ARANYAKA (III.9)	Didhiti Biswas (Kolkata)
173	A Comparative Analysis of an Atharvanic Stanza: Yaska, Sayana and Others	Archana Barik (West Bengal)
174	The JYESTHABRAHMAN in the ATHARVAVEDA	Goutam Mishra (West Bengal)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

175	Rgveda and the worship of sun	Alphonsa Chacko (Kalady)
176	The Historic in Vedic Age	Dr. Dhananjay Vasudeo Dwivedi (Ranchi)
177	Visamitra in Athervaveda	Indra K (S.S.U.S Kalady)
178	Vedic Education	Dr, Sanjiban Sengupta W.B.E.S (Hoogly, W.B)
179	Social Aspects in Upanshad	Rohini A (Kalady, Ernakulam District, Kerala)
180	Philovedism among the Neo- elites in India and Abroad	Ganesh umakant Thite, Pune
181	Vadula Grhyasutra and the marriage rituals	Prafulla K Mishra
182	Mystical Thought in the Rgveda : A Note	Prajnya Bora (Guwhati)
183	Tree cult in Vedic Literature	Dr. Narasingha ch. Panda (Hoshiarpur
184	Identity and Engagements of Raksases in Rgveda	Vanaja V.S (Kerala)
185	The Maruts in the Rgveda	Miss Chandana Deka (Silchar)
186	Vedic Studies in Relation to Medical Science	Dr. Krishna Chakraborty (Kolkata)
187	Status of the Vratyas Reflected in the Atharvaveda	Dr. Upama Barman Deka (Hauhati University)
188	Mahabhutas in the Rgveda: An Environmental Approach	Dr. Niranjan Jena (Santiniketan-731235)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

189	Animales and their importance in the Rigveda	Srabanti Sarkar
190	Vedananaupassana	
191	Significance of Anukrmani texts in Vedic Literature	Kesavan AM
192	Some Recent Studies on the Origin of Vedic Culture	S.N.Arya Patna

Iranian Section--2

Title of Paper	Name of Delegate
1. ईरान का परमाणु कार्यक्रम	डॉ.मो.मंजर अली, आरा,बिहार

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Classical Sanskrit - Section----3

Title of Paper	Name of Delegate
1. सूर्यस्तुतिरहस्यम्	प्रो.वेदकुमारी घई, जम्मू
2. सूक्ष्मसमाजरूपेण विद्यालयः	सुनील कुमारठाकुरः, तिरुपतिः
3. किम् आश्चर्यम् अतः परम्	डॉ.कृष्ण नारायणम् पाण्डेय, ...
4. समाजे लघुपरिवारस्यावश्यकता	दशरथभरासागरः, तिरुपतिः
5. दत्तकविमर्शः	सरोजकुमारकरः, तिरुपतिः
6. वैश्विक संदर्भे संस्कृतम्	डॉ.वीणा मिश्रा, मुज.बिहार
7. लोकोऽयं कर्म बन्धनः	डॉ.उषा शर्मा उषस् .....
9. श्रीकृष्णे सख्यभावः	मनमोहन कुमार झा, दरभंगा
10. कालिकासकृतिषु सौन्दर्यतत्वं	अजयकुमारनन्दाः, तिरुपतिः
11. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य चरित्र चित्रणम्	दुर्गेश कुमार झा, मधुबनी बिहार
12. मेघदूते प्रकृतिचित्रणम्	अभिप्सा महान्त, पाण्डिच्चेरी वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

13. संस्कृतवाङ्मये प्राणिणामायुष्याधारः पर्यावरणम्	डॉ.अमरेन्द्र ठाकुरः, मुज. बिहारः
14. स्त्रीधनविवेचनम्	डॉ.सिद्धार्थशंकर दाशः, आर.एस.एस.जयपुर
15. कात्यायनं प्रति पतंजलेः दृष्टिः	प्रो.सतीशचन्द्र झा, मुजफ्फरपुरम्
16. वाक्यपदीयस्य परिचयो महत्वंच	डॉ.अवधेश कुमार झा, मुजफ्फरपुर
17. स्तोत्रकाव्येषु श्रीमन्नारायणीयम्	बि.श्रीकण्ठन्, त्रिश्शूर केरला
18. चम्पूभारते राष्ट्रियचेतना	डॉ.प्रदीपकुमारबागः, तिरुपतिः
19. यथोत्तरं मुनीनां प्रामाण्यम्	डॉ.राजवीर आर्यः, आदमपुर,हिसार
20. शान्तिदूतकाव्ये सामाजिकचेजना	डॉ.पार्थसारथि मुख्योपाध्यायः, वर्धमान
21. परवर्तिनिबन्धेषु राजधर्ममार्तण्डस्य प्रभावः	डॉ.पुरेन्द्रवारिकः, दरभंगा
22. स्तोत्रसाहित्ये वामनावतारः	महेश्वर पाढी, पण्डिच्चेरी वि.वि.
23. दानं किमस्ति ?	राजलक्ष्मी, दिल्ली

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

24. एको लोभो महान ग्राहो लोभात्यायं प्रवर्तते	मनोरमा देवी ......
25. षडकर्म निरतो विप्रः श्रोत्रियो नाम धर्मवित	डॉ.हरिहर कृपालु पाण्डेय, रांची
26. वाक्पारुष्यम् : साम्प्रतिकप्रेक्षपटे कौटिल्यमतस्य प्रासंगिकता	देवश्री महापात्र, झाड़ग्राम,प.बं
27. महाकविकालिदासकृतिषु शास्त्रतत्त्वानि	डॉ.दामोदरन उन्नी, कलाड़ी,केरल
28. अभिज्ञानशाकुन्तलनाटके दैवीशक्तेः प्रभावम्	मनोजा त्रिपाठी, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
29. भासरूपकेषु नारीचित्रणे सीताचरित्र-चित्रणम्	पम्पा रानी गिरि, तिरुपति
30. नागानन्दनाटके जीवनस्य पंचावस्था वर्णनम्	अनिल प्रताप गिरिः, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
31. मघदूतस्य मौलिकता	एस.एच.काखण्डकि, बिजापुरम्
32. महर्षेः दयानन्दस्य वेदभाष्यपद्धतिः	डॉ.महावीर अग्रवालः, गु.का.वि.वि. हरिद्वारम्
33. वृद्धेश्वरसडंगीविरचितस्य मर्त्यवैकुण्ठ-महाकाव्यस्य आलंकारिकमध्ययनम्	फाल्गुनी मुखोपाध्याय, ...
34. याज्ञवल्क्यस्मृतौ पशुपक्षिणः	डॉ.मनोजकुमारसाहुः, पुरी
35. भारतीयसंस्कृतेरात्मासंस्कृतमेव	रामसेवक झा, मधुवनी,बिहार

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

36. श्री शम्भु लिंगेश्वर-विजयचम्पू-काव्यस्य रमणीयांशाः	डॉ.वेणीमाधवशास्त्री जोशी, साधनकेरीधार्वाड
37. मेघदूतं प्रति उत्कलसाहित्यस्य योगदानम्	समीरकुमारबेहरा, तिरुपति
38. श्री सूर्य-शार्दूलविकीतकाव्यम्-एकंसमीक्षणम्	डॉ.इन्द्रनाथ झा, मुजफ्फरपुरम्
39. पंचतन्त्रस्य मित्रभेदे नारीचरितम् : समीक्षात्मकमालोचपमेकम्	अनिरुद्ध कर, जे.एन.यू.नई दिल्ली
40. गौड़ीय-वैष्णवसाहित्येषु श्रीकृष्ण चरित्रस्य क्रमविकासः	पापिया पाल, सन्तशपुर
41. भारतीयसंस्कृतौ गुरु	रंजनकुमारदाशः, तरुपति
42. किमाश्चर्यमतः परम् ?	डॉ.कृष्णनारायणपाण्डेय भारद्वाज, ...
43. संस्कृतवाङ्मयसय नैतिकशिक्षयैव भ्रष्टाचारोन्मूलनम्	डॉ.विजय कुम ार मिश्रः, दरभंगाा,बिहार
44. दीक्षाया विविध-आयामः	प्रो.शैलकुमारी मिश्र, इलाहाबाद
45. सामगानस्य लौकिकः प्रयोगः	सौगतमुखर्ज्जी, कोलकाता
46. संस्कृतवाङ्मयसयाभ्युथानाय कश्मीर-देशीयानाम् नृपतिनाम् योगदानम्	राजेश सरकारः, काशी हिन्दू वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

47. कौटिलीयार्थशास्त्रे औद्योगिक-मनोवैज्ञानिकीयाः संदर्भाः	गौरी आराध्ये, पुणे
48. एकाक्षरपादादयः रचनाः- कविनां कल्पनाविष्कारः	डॉ.अनिरुद्ध अशोक मंडलीक, संगमनेरम्
49. मानवीयनन्दनचेतना	श्री सुनीलकुमार जाना, कृष्णनगर,नदीया,पश्चिमवंगः
50. कालिदासस्य नाट्यसौष्ठवम्	डॉ.विश्राम तिवारी, कामेश्वर नगर,दरभंगा
51. श्रीक्षेत्रे श्रीजगन्नाथः एकदृष्टिः	डॉ. मेधाकुमारी, समसि,मालदा, पश्चिमवंग
52. कवितयां वस्तुनिष्ठता	डॉ.कृपाराम त्रिपाठी, बलरामपुर,उ.प्र.
53. कालिदासवाङ्मये मानवाधिकारः	मानवेन्द्र नाथः, मुजफ्फरपुर,बिहार
54. साम्प्रतिककाले धम्रशास्त्रस्य प्रासंगिकता	डॉ.सुधांशुशेखरमहापात्रः, तिरुपतिः
55. स्मृतिप्रामाण्यविचारः	कार्त्तिकचन्द्रदाशः, तिरुपतिः
56. विवाह संस्कार विमर्शः	राघवेन्द्र मिश्रः, दरभंगा
57. उत्तररामचरिते सीतायाः चरित्र-वैशिष्ट्यम्	प्रो.रामाधार द्विवेदी, रीवा,म.प्र.
58. रतिमन्मथनाटकसमीक्षा	डॉ.जयश्रीचट्टोपाध्याय, तारा पार्क,कोलकाता

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

59.	भासकर्णः	डॉ.श्रुतिकीर्ति, शिवोमोगा,कर्नाटक
60.	मेघदूत के एक पद्य जातंवंशे भुवनविदिते... की शैलिवैज्ञानिक विवेचना	रेखा झा, मुम्बई
61.	श्रीविासविलासचम्पू में विवाह संस्कार गृह्यसूत्र के परिप्रेक्ष्य में	डॉ.निल्पाबहन के पटेल, कडी,गुजरात
62.	याज्ञवल्क्यस्मृति– स्त्री आचार विमर्श	कुमकुम श्रीवास्तव, लखनऊ वि.वि.
63.	महाकवि भास के नाटकों में सूभाषित पद्य	अनिल कुमार, लखनऊ वि.वि.
64.	कालिदास के रूपकों में भू–कर्म (भ्रुकूटी अभिनय)	डॉ.भावना श्रीवास्तव, भोपाल
65.	श्रुति प्रोक्त याज्ञवल्क्य–मैत्रैयीसंवाद की दार्शनिकता	डॉ.कृष्णचन्द्र झा मयंक, दरभंगा
66.	कर्म सिद्धान्त के अनुसार वैश्विक व्यवस्था	श्रीमति सुनीति जोशी, मुंबई
67.	मुद्राराक्षस नाटक में नीतिगत तथ्य	रागिनी बरनवाल, लखनऊ वि.वि.
68.	महाकवि कालिदास से प्रभावित महाकवि बुद्धघोष	डॉ.महेशचन्द्र शर्मा, स्मृतिनगर,भिलाई,छ.ग.
69.	संस्कृत वाङ्मय में वर्णित श्रीकृष्ण स्वरूप का वर्णन	हरि नाथ झा, दरभंगा

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

70. कौटिलय अर्थशास्त्र में प्राप्त सप्तांग सिद्धान्त	टी.आर.पार्वती, दिल्ली वि.वि.
71. कालिदास साहित्य में प्रकृति–सौन्दर्य एवं ऋतुवर्णन	पंकज विश्वास भांबुरकर, ...
72. संस्कृत साहित्य के परिप्रेक्ष्य में ग्रामीन जीवन में संस्कार	बृजेश कुमार वर्मा, लखनऊ वि.वि.
73. पाठक की भूमिका एवं ग्रन्थ के साथ उसका सम्बन्ध	मणि शंकर द्विवेदी, जे.एन.यू.नई दिल्ली
74. मैथिल श्रोत्रिय और धर्मशास्त्र	सत्येन्द्र नाथ झा, छपरा,बिहार
75. नीतिशतक में मानवीय शिक्षा	गायत्री देवी, कानपुर
76. मनुस्मृति का मिथिला पर प्रभाव	डॉ. रघुनन्दन यादव; मधुबनी,बिहार
77. अभिज्ञानशाकुन्तल की बंगालीवाचना पर यशोधर–विरचित टीका का पाठसम्पादन एवं आलोचना	भारती ए.पटेल, गुजरात वि.वि.
78. कादम्बरी के स्त्री पात्र : एक अध्ययन	आशा देवी, हमीरपुर,हि.प्र.
79. उरुभंगम्–साम्प्रत संदर्भ में नूतन प्रयोग	डॉ.कलिन्दी हरिकृष्ण पाठक, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
80. स्मृतियों का प्रतिपाद्य एवं नाम संकीर्तन	सुनील दत्त, जम्मू वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

८१. प्रारंभिक संस्कारों की वर्तमान उपादेयता	डॉ.गौरी नाथ राय, पटना
८२. दशकुमारचरितम् में लोकजीवन	डॉ.संजय कुमार, सुल्तानपुर,उ.प्र.
८३. संस्कृत-गीति काव्य की अर्वाचीन परम्परा	डॉ.राजमंगल यादव, दिल्ली वि.वि.
८४. संस्कृतवाङ्मय में ब्रह्माण्ड विमर्श	पुरुषोत्तम, गोमती नगर,लखनऊ
८५. संस्कृतवाङ्मय में महीला सशक्तिकरण	डॉ.प्रतिभा शुक्ला, लखनऊ वि.वि.
८६. भट्टिकाव्य का व्याकरण-वैचित्र्य	अविनाश कुमार, मुज.बिहार
८७. पुरुष कौन है? पुरुष परीक्षा के परिप्रेक्ष्य में	संतोष कुमार मिश्रा, मुज.बिहार
८८. मेघदूत में निसर्ग	योगिता चंद्रकांत पाटिल, संगमनेर,अहमदनगर
८९. आख्यानकर्मणिकोश : एक परिशीलन	डॉ.तारा डागा, जयपुर
९०. संस्कृत साहित्य में औद्यानिकी	डॉ.कमला दुबे, इलाहाबाद
९१. प्रमुख समृतियों में वर्णित राजनीति में उपाय चतुष्ट्य	अमिता सिंह, इलाहाबाद वि.वि.
९२. वृहत्त्रयी में नारी की सामाजिक स्थिति	डॉ.रंगजी दुबे, पटना

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

93. सीता त्याग एक तौलनिक अभ्यास — सौ. शैलजा सराफ, संगमनेर,अहमदनगर

94. स्मृति कालीन आर्थिक व्यवस्था आधुनिक परिप्रेक्ष्य में — उत्तम कुमार, दिल्ली

95. विशाखादत्त कृत मुद्राराक्षस नाटक में श्राजनीति के विविध आयाम् — डॉ.शुचि शुक्ला, लखनऊ

96. ज्ञानार्णव में वर्णित ध्यान — डॉ.कृष्णा जैन, ग्वालियर,म.प्र.

97. मृच्छकटिकम् नाटक में प्रदर्शित समाज — ....

98. मनुसमृति में वर्णित कर व्यवसथ : एक आदर्श — रजनी महीनिया, जम्मू वि.वि.

99. महावीरचरितम् और बेणीसंहार नाटकों की तुलनात्मक समीक्षा — शिशिर कुमार पाण्डेय, ...

100. वेदोक्त ब्रह्मचर्य जीवन की उपादेयता — डॉ.प्रवीणा देवी, औरैया,उ.प्र.

101. कालिदास के रूपकों में विदुषक — स्नेहल प्रितम कुलकर्णी, पुणे

102.कपिलसंहिता में श्रीक्षेत्र का महत्त्व — चक्रधर त्रिपाठी, उत्कल वि.वि.

103. अभिनव पंचतन्त्र की वर्तमान में प्रासंगिकता — मोहन सिंह बेरवा,

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

104. मुद्राराक्षसगत चाणक्यनीतियों की उपादेयता	डॉ.शालिनी मिश्रा, लखनऊ वि.वि.
105. पंचतन्त्र की नीतिशिक्षाएव	रीतेश प्रसाद टम्टा, नैनीताल
106. मनुस्मृति में प्रपादितस्त्रीधन सम्बन्धी विमर्श	सुभाषचन्द्र नौटियाल, जम्मू वि.वि.
107. पंचमरायज्ञों का स्वरूप एवं महात्मय विवरण	सुनीता देवी, जम्मू वि.वि.
108. मनुस्मृति और वर्णव्यवस्था	विजय सिंह, कश्मीर वि.वि.
109. महाकवि भवभूति का स्वात्म प्रक्षेपन	डॉ.आशा शर्मा, ग्वालियर
110. पारलौकिक छाया में लौकिक विलास श्राजशेखर की एक परिकल्पना	शिव विलास, लखनऊ वि.वि.
111. भारतमंजरी में गीतासार	डॉ.मधुबाला सिन्हा, पटना
112. अभिज्ञानशाकुन्तल में जीवनमूल्य	पदम शर्मा, ग्वालियर
113. कालिदास सम्मत जीवन मूल्यों में शाकुनतलम्	डॉ.पंपा सेन विश्वास, रांची वि.वि.
114. कालिदास की लालित्य योजना	डॉ.कविता सहाय, मगध वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

115.	नाट्य शास्त्रीय दृष्टिकोण से वेणीसंहार नाटक की समीक्षा	संगीता भास्कर, अकोला
116.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् में वर्णित कण्वोपदेश की वर्तमान संदर्भों में प्रासंगिकता	.....
117.	याज्ञवल्क्यस्मृति में महिला	श्रीमती प्रभा झा, मुजफ्फरपुर
118.	संस्कृत साहित्य में नारी चेतना के नवीन आयाम	मधु सत्यदेव, गोरखपुर वि.वि.
119.	मेघदूत में निरूपित नारी के विविध स्वरूप	डॉ.अंजना मेहता, अहमदाबाद
120.	मेघदूत में नारी	मोहिनी झा मुजफ्फरपुर
121.	अभिज्ञानशाकुन्तल में शकुन्तला का प्रकृति प्रेम	शंकर सिद्धार्थ, मुजफ्फरपुर
122.	संस्कृत वाङ्मय में आधुनिकता का प्रदूषण एवं उसके उपचार	देवेन्द्र झा, मधुबनी बिहार
123.	स्मृतिसाहित्य में वर्णित कर व्यवस्था,	डॉ.दीपिका कश्यप, दिल्ली
124.	कालिदास के नाटकों में राजधर्म,	डॉ.सुभाष कुमार सिंह, दिल्ली
125.	महाकवि कालिदास के काव्य में चारित्रिक लोकादर्श,	कुलदीपक शुक्ल, लखनऊ वि.वि.
126.	नैषधीयचरित में हंसविलाप,	नीरज कुमार, मुजफ्फरपुर

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

127. संस्कृत वाङ्मये मानवता, ...

128. संस्कृत साहित्य में लोकतत्व, डॉ.सुषमा चौधरी, नई दिल्ली

129. संस्कृत साहित्य में शकुन डॉ.अर्जुन प्रसाद चौधरी, नई दिल्ली

130. यशस्तिलक चम्पूकाव्य में वर्णित आयुर्वेद का वैशिष्ट्य डॉ.रजनीश शुक्ल, आर.एस.एस.नई दिल्ली

131. संस्कृत साहित्य में सामाजिक पर्यावरण का स्वरूप देवेन्द्र कुमार, अलीगढ़ वि.वि.

132. संस्कृत नाटकों में भरत वाक्य, प्रो.प्रभात सिंह, होशियारपुर

133. महाकवि कालिदास की शास्त्रीय निपुणता एक समालोचनात्मक अध्ययन, प्रो.अजय कुमार, पटना

134. वर्तमान परिवेश में मृच्छकटिक नाटक की प्रासंगिकता, कुंवर सिंह, आरा बिहार

135. वर्तमान समय में प्राचीन संस्कृत साहित्य की उपादेयता, डॉ.स्नेहलता पाण्डेय, प्रतापगढ़

136. संस्कृत साहित्यगत शूद्राधिकार के उदात्तस्वर, किशन लाल, कुरुक्षेत्र वि.वि.

137. बाणबट्ट की रचनाओं में प्रकृति चित्रण, पूजा मिश्रा, गोरखपुर वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

138. साहित्य की आत्मा आकर्षण शक्ति : एक मूल्यांकन — डॉ.विनोद कुमार, जालन्दर पंजाब

139. भोग तथा योग का परस्पर संबन्ध शकुन्तला तथा पार्वती के विवाह के परिप्रेक्ष्य में, — श्रीमती वन्दना एस.भान, दिल्ली

140. कालिदास की कृतियों में नामकरण संस्कार, — डॉ.समरेन्द्र कुमार सुधांशु दरभंगा

142. कालिदास की कृतियों में पर्यावरण संरक्षण — हेमवती नन्दन पनेरु, कुमाउं वि.वि. नैनीताल,

143. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मनुस्मृति की प्रासंगिकता, — लीना तिवारी, आर.एस.एस.भोपाल

144. उत्तररामचरित का तृतीय अंक और श्लोकचतुष्ट्य का एक अध्ययन, — प्रा.यशवंत महाले, कपड़वंज गुजरात

145. महाकवि बाणभट्ट के नारी संबन्धी विचारों की वर्तमान समाज में प्रासंगिकता — डॉ.दिव्या देशपाण्डे, सागर म.प्र.

146. संस्कृत नाटकों में वर्णित सूच्यांश एवं पाश्चात्यनाट्कों के सूच्यांश, — डॉ.मधुलिका वर्मा, रांची

147. कालिदास का पर्यावरण चिन्तन, — धनंजय कुमार मिश्र, दुमका झारखण्ड

148. मेधदूतटीकाओं की कुछ दुर्लभ मातृकाएं — प्रो.प्रभुनाथ द्विवेदी, वाराणसी

149. मुद्राराक्षस नट्कातील मननीय विचार, — पं.मधुकरशास्त्री आर्वीकर, नागपुर

150. कालिदास के काव्य में राष्ट्रीय भावना एवं सांस्कृतिक चेतना, — पिन्की, ...

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

151. अभिज्ञानशाकुन्तम् की सामाजिक पृष्ठभूमि, — डॉ.गायत्री गिरीशमिश्रा, देवरिया उ.प्र.

152. कुमारसंभव में नारी–भावना, — डॉ.राम संयोग राय, गोपालगंज बिहार

153. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक में चित्रित स्त्री पात्रों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण : वर्तमान समाजिक समस्याओं के समाधान के संदर्भ में, — डॉ.जयप्रकाश नारायण, आर.एस.एस.नइ दिल्ली

154. सर्व किल रमणीयकं वसन्ते, — श्रमती प्रेमशिला पाण्डेय

155 आधुनिक नाट्य साहित्य और मूल्य : परिवर्तित दिशाएं, — डॉ.विनोद कुमार, जालन्दर पंजाब

155. अभिज्ञानष्ठाकुन्तलम् में ज्योतिज़ ष्ठास्त्रीय तत्त्व — राजीव रंजन, ष्ठोधा–छात्र, संस्कृत विभाग, दिल्ली विष्ठवविद्यालय, दिल्ली

156. बाणभट्ट की कादम्बरी में विद्यमान विज्ञान — राघवेन्द्र ष्ठार्मा द्धसाहित्याचार्य, ष्ठोध छात्रऋ, लोहामण्डी, ग्वालियर (म.प्र.)

157. "महाकवि कालिदास की ष्ठास्त्रीय निपुणता: एक समालोचनात्मक अध्ययन — प्रो० अजय कुमार, संस्कृत विभाग, बी०डी० कॉलेज, पटना

158. विक्रमोर्वष्ठीय में राजधार्म — **Dr. Mina Shukla**, Assistant Professor, P.G. Deptt. of Sanskrit, Ranchi University, Ranchi

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

159-	विक्रमोर्वष्ठीयम् में मनोवैज्ञानिक तत्व	उज़्मा यादव ष्टोधाच्छात्र द्धजे0आर0एु0ऋ संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विष्ठवविद्यालय, इलाहाबाद
160	मेघदूत काव्येज्ञाब्दपरिपाक:	Dr. Yashpal Singh, Associate Professor I.G. Govt. P.G. College, Tohana (Ftb.) Haryana
161	कालिदासेन सुभाज्ञितम्	- लखनपाल डॉ॰ पूनम उपाचार्या अधयक्षाचसंस्कृतविभागे रघुनाथमहिलामहाविद्यालयस्यमयराज्ट्र द्धउ॰प्र॰ऋ
162.	''निर्याति नैव स्मृति:'' संज्ञके काव्ये निरूपितमाधुनिक जीवनं स्मृति निधिाच	सन्त प्रकाष्ठा तिवारी, ष्टोधाच्छात्र: संस्कृत तथा प्राकृत भाज़ा विभाग:, लखनऊ विष्ठवविद्यालय:, लखनऊ
163.	रामकथाप्रकाज़े महावीरचरितस्यावदानम	हेमन्तज़र्मा द्धज़ोधाच्छात्र:ऋ ग्वालियरम्द्धम.प्र.ऋ
164.	''बाणभट्टकृत कादम्बरी में ष्टुकनासोपदेष्ठा: वर्तमान संदर्भ में''	डॉ. कादम्बरी ष्टार्मा सहा. प्राधया. द्धसंस्कृतत्रऋ ष्टासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर द्धछ.ग.ऋ मो. 09770195343, 09425292336
165.	कालिदास एवं भवभूति का तुलनात्मक विवेचन	डॉ॰ बाल कृज़्ण ष्टार्मा मुजफ्फरपुर (बिहा
166.	कालिदास के नाटय् साहित्य में कला सं योजन	Mahendrakumar M. Raval Police Inspector Junagadh (Gujarat) Mo. No. 94272 03638

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

167.	''अभिज्ञानशाकुन्तलम् में वर्णित विध ाानों की आधुनिक परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता''	भाोध छात्रा (जहाँ आरा) अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी अलीगढ़
168.	संस्क त साहित्य में प्रसाधन कला	: प्रा.डो.चंद्रिका आर.ठाकर श्री महिला आटत्रस एन्ड कोमसत्र कोलेज जोषीपुरा – जूनागढ
169.	''यायावरीयम् गद्य काव्य की समीक्षा''	ड0 वाचस्पति भाुक्ल अध्यक्ष संस्कृत विभाग पी0जी0 कालेज पट्टी प्रतापगढ़
170.	उल्लाघराघव में प्रकृति-चित्रण सारांश	जितेन्द्र कुमार मिश्र असम राइफल्स पब्लिक स्कूल, लाइट्कोर, शिलांग -१०, मेघालय.
171.	महाकवि कालिदास की कृतियों में ा प्रेम	डॉ. दर्शना जैन व्याख्याता, संस्कृत राजकीय कन्या उच्चमाध्यमिक विद्यालय, रेजिडेंसी, मधुवन, उदयपुर (राजस्थान)
172.	कादम्बरी में मैत्री प्रेम	डॉ. महामाया प्रसाद चौबीसा व्याख्याता राजकीय महाराजा आचार्य संस्कृत कॉलेज, चाँदपोल, उदयपुर (राजस्थान)
173	The role of the courtesans in ancient Indian Music	Gopalchandra Misra (Kolkata)
174	Buddhivilasini Commentary of Lilavati	Anil Narayanan N (Calicut)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

175	Society as reflected in the Hitopadesa	Anindita Adhikari (Tripura)
176	Heretical Folks in Arthasastra: Nature, Engagements and Attitudes	Dr. P.V Narayanan (Kalady)
177	Some aspects relaing to science *(Vidyas)* and education as depicted in Kalidasa's poetry	Dr. Binima Buzarbaruah (Guwahati)
178	Significance of tress in human life as study based on Sanskrit anyoktis	Smitha (Kalada)
179	Agnivarna _ Individual and History	Sasi Kumar. K.R (kerala)
180	Women representation in Sanskrit	Sarika Sasi (Kalady)
181	The concept of Mind – A study in the light of Mandukya Karika	Veena Raj (Pune)
182	The Satirical Relevance of *Abhinavahitopadesa* of Prof. Ramkant Shukla	Dr, ajay Kumar Mishra (New Delhi)
183	Grhasthasrama as reflacted in lthe Dharmasastra	Arundhati Goswami (Assam)
184	Karusadhipati Dadhra of Harsacarita of Bana A critical Reviw	Dr. Sudarshan Kumar Sharma
185	Social Aspects in Upanishad	Rohini. A (kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

186	A little Known Vadhula Grhyasutra and the marriage rituals	Prafulla K Mishra (Bhubaneswar)
187	Image of women in Bhavabhuti's Dramas	Dr. S. Remadevi Amma (Kalady)
188	Technical Terms In Kutiyattam	K.K. Beena (Kerala)
189	The MUDRARAKSASA – A Drama of Tragic Flavour	Suparna Bandyppadhyay (Burdwan)
190	The Inseparability Of Drama And Poetry In The Sanskrit Literary Art And Criticism	Pratap Bandyopadhyay (Calcutta)
191	Panchtantra In Relation To Narrative Literature Of The World	Mr. Mohit Arora
192	Study Of Nal-Damyanti Katha By Somprabhacharya	Megha Kadhe (Pune)
193	Human Values As Reflected In The Upanisads	Dr. Ratul Bujar Baruah (Assam)
194	Kalidas's Sakuntala And Shakespeare'S Tragic Heroines: *A Comparative Interpretation*	Dr. Anjana Trivedi (Kanpur)
195	Spying in *Visakhadatta's* Drama *Mudrarakshasa* _ its form in present day	Aparna Nath (Tripura)
196	Contribution of Christian Missionaries To Sanskrit Literature	Sreeja. M.S (Kerala)
197	The Position of Common People In Sanskrit Drama	Balaram Sethi (Bhubaneswar)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

198	Dramatist Manika And His Bhairavananda Drama	Smt.Nanda JHA (Puri)
199	Influence Of Sanskrit Drama On Hindi Drama	Dr. Bhagirathi Biswas (Assam)
200	The Relation of Actor with the Character in Indian theatre and arts with reference to Kavalam Narayan Panikkar's Kalivesham	Dr.Sangeeta Gundecha (Bhopal)
201	The evolution of Navaratna concept in Gemmology: A ramble through Sanskrit lore	G Sudev Krishna Sharma (Kerala)
202	Food habits of South India as gleaned through classical Sanskrit	Sreeja.K.N (Kerala)
203	Concept And Process Of Education In Upanisads	Archana.P (Kalady)
204	Sanskrit And Human Value	Dr.Dolagobinda Mishra (Odisha)
205	"Importance of 'Curse' in the aesthetic development of Sanskrit Literary creation"	Dr. Kakali Ghosh (Kolkata)
206	Poetic Art in Prose Style with Special References to Banabhatta	Shyma Raj Cholokad (Kerala)
207	Ecological Awareness in Kalidasa's Dramas	Dr. Dhananjay Vasudeo Dwivedi (Ranchi)
208	Darmas of Kalidasa A Feminist Reading	Sheela S. (Kalady)
209	Virtue Ethics: The Gita	Dr. Shakuntala Guwahati

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

210	Women representation in Sanskrit	Sarika Sasi Kalady
211	Asvaghosa : As a preacher and A poet	Sri Soumya kumar Misra (Kolkata)
212	Kalidasa and Only Kalidasa	Dr. Krishna
213	Tragic Consciousness in Naganandam	Dr. U.G Shastri
214	Bhatti: the Founder of Gramamtiv Poetry	Dipti Ranjan Senapati (Pondicherry)
215	Some Notable Child characters in Sanskrit Literature	

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Islamic Studies Section--4

S.No	Title of Paper	Name of Author
1	Moral Values in Islam	Dr. Mohd. Nisar Ahamed Tirupati
2	Islam and Peace	Dr. M. Ameenulla (Tirupati)
3	Excellence of Recitation of the Holy Quran, Blessing of Bismillah, Surah Faithah & Other Surah, Ayatul Kursi, benefits of blessing Durood	Prof. Dr. Shaikh Sujauddin Nizamuddin (Nana Taiwad)
4	A Critical Evaluation of the letters of Syed Ali Hamadani	Prof. Mohammad Sidiq Nazmand (J.N.U, Delhi)
5	Mulla Muhammad Tahir Ghani Kashmiri Thought and Poetry	Ovais Ahmad (J.N.U, Delhi)
6	Glimpses of Sufi life during the Shahjahani era	Dr. Gulfishan Khan (A.M.U, Aligrah)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Arabic and Persian Section--5

S.No	Title of Paper	Name of Author
1	दारा शुकूह अनूदित श्रीमद्भगवद्-गीता का फारसी अनुवाद -एक समीक्षात्मक अध्ययन	चन्द्रगुप्त भारतीय, दिल्ली वि.वि
2	Persian Language its Structure and history	Ustad Shabeer Ahmad Bhat (Kashmir University)
3	Translation of Sanskrit work into Persian and others modern Indian Languages	Dr. Rani Majumdar Aligrah
4	Wilayat Ali Khan Wilayat Aziz Safipuri and his Persian Poetry	Prof. Umar Kamal uddin Lucknow
5	Depiction of Persian Culture in the Urdu novel: *Kar-e-Jahan Daraz Hai*	Md. Tarique Rasool J.N.U, New Delhi
6	Reception of Buddha in Khalili's Poetry	Khalid Ahmad J.N.U, Delhi
7	The state of the Art of Story writing of Sidique Hidayat in Boof-i-Koor	Nadeem Akhter J.N.U, Delhi

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

8	Mollah Asadullah Wajhi: Ā Persian poet at the Qotab Shahi Court	Mandana Mangeli (Iran)
9	Mirza ghalib and the British Legacy	Mr. Mahamood Alam (Hyderabad)
10	Progessivr thought of Iqbal in Urdu And Persian Poetry	Sana Khan J.N.U, Delhi
11	The Dynamic of Persian Poetry of Iqbal	Golam Moinuddin J.N.U, New Delhi
12	An Introduction Translation of Masnavi Maulana Roomi in Urdu Languages	Dr. Aleem Ashraf
13	Literatry interaction of Arnold with Ferdowsi	Dr. Syed Akhter Husain J.N.U, New Delhi
14	Mohammad Ali Eslami Noushan As a contemporary Persian travelogue writer	Sameeuddin J.N.U , New Delhi
15	Persian Prose and Poetry during the time of Aurangzeb	Dr. Nargess Jaberinasab (Tehran, Iran)
16	Influence of Persian on Indian Language	Mr. Vajeed Ahmad wani (Kashmir University)
18	Khwaza Azizuddin Aziz Lucknowi: The Last great Persian Poet of Lucknow	

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Pali and Buddhism Section--6

S.No	Title of Paper	Name of Delegate
1.	निर्वाणमोक्षयोः भेदाभेदविमर्शः	सेख आसरफअली, तिरुपति
2.	चुल्लवग्ग का सांस्कृतिक वैशिष्ट्य	डॉ.राघवेन्द्र प्रताप सिंह, बलिया,उ.प्र.
3.	वर्तमान समय में भगवान् बुद्ध की शिक्षाओं की प्रासंगिकता	डॉ.आभारानी, बोधगया
4.	बौद्धदर्शन में धारणी एवं तन्त्र मन्त्र की अवधारणा	संजय कुमार, कुरुक्षेत्र वि.वि.
5.	भगवान् बुद्ध एक वैज्ञानिक के रूप में	डॉ.कुष्णदेव प्रसाद वर्मा, बोधगया
6.	बौद्धकालीन वर्ण व्यवस्था	डॉ.गैतम जितेन्द्र, बगहा,चम्पारण
7.	बौद्धविहार की शिक्षण प्रणाली	डॉ.शत्रुघ्ण कुमार पाण्डेय, हजारीबाग, झारखण्ड
8.	आर्य सत्य की वर्तमानकालीन प्रासंगिकता	डॉ.संगीता शर्मा, हिसार
9.	दुःख आर्यसत्य	पुष्पलता वर्मा, आर.एस.एस.लखनऊ
10.	भगवान् बुद्ध के उपदेशों का समाजिक प्रभाव	डॉ.नीलिमा चौहान, आर.एस.एस.लखनऊ
11.	जातक कथाओं में वर्णित सामाजिक दोष	शारदा गौतम, जे.एन.यू.नई दिल्ली

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

12.	बौद्धधर्म एवं दर्शन में निर्वान का महत्व	सूर्यदेव नारायण, पटना
13.	बौद्धधर्म के मध्यम मार्ग की प्रासंगिकता	सुरेश कुमार, हिसार
14.	जातकमाला में बोधिसत्व की परोपकारिता	शिवानी गुप्ता, अलीगढ़
15.	बुद्ध का जीवनवृत बौद्ध संस्कृत ग्रन्थों के संदर्भ में	योग्यता रानी, अलीगढ़
16.	बौद्ध साहित्य और मानवाधिकार : स्त्रियों और भ्रुण हत्या के संदर्भ में	प्रो.सत्यदेव कौशिक, अलीगढ़
17.	बौद्धधर्म में मध्यममार्ग की उपयोगिता आधुनिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में	डॉ.देवीसिंह , चण्डीगढ
18.	संस्कृत बौद्ध साहित्य में बौद्ध भिक्षु और व्यापारिक आख्यान	डॉ.वाहिद नसरु, कश्मीर वि.वि.
19.	जातकमाला में वर्णित आचारशास्त्र एवं सदाचार	उन्नति बिरजु भावसार, अहतदाबाद
	भाष्य, टीका और अट्ठकथा : एक समीक्षण सारांश ैं(नउउंतल)	डॉ.आशा उदयराज अंबोरे सहाय्यक प्राध्यापक स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर
	Exploring Anti Realistic trends in Madhyamilka buddhism	Ratheesh D Kerala

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Youth and Drug Addiction: A Curse	Suresh Kumar (Jammu)
The History of Bhuddhism through Euthanasis: A case study of Vakhli, Channa, Godhika	Mr. Sunail Kumar University of Delhi
The Doctrinal Foundation of the Imagery of Pensive bodhisattvas of Northern Buddhism	Dr. Sushma Trivedi Lucknow
Grammatical and Scribal Peculiarities as found in the Supriya Sārthavāha Jātaka, a Buddhist Narrative text in Verse	Dr.(Mrs) Soma Basu Kolkata
Impact of Buddhism in yak□a-Yak□i□i Culture	Ajitha . V Kalady
Buddhist Ideals reflected in Modern Malayalam Literature	Dr. Ambika K.G Keralam, Kalady
Comparasion between concept of Pradnya & Upaya from Buddhism with concept of Shiva & Shakti from Shavism various viewpoints.	Madhav Puranik

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

12. बौद्धधर्म एवं दर्शन में निर्वान का महत्व	सूर्यदेव नारायण, पटना
13. बौद्धधर्म के मध्यम मार्ग की प्रासंगिकता	सुरेश कुमार, हिसार
14. जातकमाला में बोधिसत्व की परोपकारिता	शिवानी गुप्ता, अलीगढ़
15. बुद्ध का जीवनवृत बौद्ध संस्कृत ग्रन्थों के संदर्भ में	योग्यता रानी, अलीगढ़
16. बौद्ध साहित्य और मानवाधिकार : स्त्रियों और भ्रुण हत्या के संदर्भ में	प्रो.सत्यदेव कौशिक, अलीगढ़
17. बौद्धधर्म में मध्यममार्ग की उपयोगिता आधुनिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में	डॉ.देवीसिंह , चण्डीगढ
18. संस्कृत बौद्ध साहित्य में बौद्ध भिक्षु और व्यापारिक आख्यान	डॉ.वाहिद नसरु, कश्मीर वि.वि.
19. जातकमाला में वर्णित आचारशास्त्र एवं सदाचार	उन्नति बिरजु भावसार, अहतदाबाद
भाष्य, टीका और अट्ठकथा : एक समीक्षण सारांश "(नउउंतल)	डॉ.आशा उदयराज अंबोरे सहाय्यक प्राध्यापक स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग राष्ट्रसन्त तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर
Exploring Anti Realistic trends in Madhyamilka buddhism	Ratheesh D Kerala

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Youth and Drug Addiction: A Curse	Suresh Kumar (Jammu)
The History of Bhuddhism through Euthanasis: A case study of Vakhli, Channa, Godhika	Mr. Sunail Kumar University of Delhi
The Doctrinal Foundation of the Imagery of Pensive bodhisattvas of Northern Buddhism	Dr. Sushma Trivedi Lucknow
Grammatical and Scribal Peculiarities as found in the Supriya Sārthavāha Jātaka, a Buddhist Narrative text in Verse	Dr.(Mrs) Soma Basu Kolkata
Impact of Buddhism in yak□a-Yak□i□i Culture	Ajitha . V Kalady
Buddhist Ideals reflected in Modern Malayalam Literature	Dr. Ambika K.G Keralam, Kalady
Comparasion between concept of Pradnya & Upaya from Buddhism with concept of Shiva & Shakti from Shavism various viewpoints.	Madhav Puranik

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Prakrit and Jainism Section—7

S.No	Title of Paper	Name of Author
1.	कालिदासनाट्केषु प्राकृतभाषा–सन्निवेशप्रकारः	विजीश.बी.आर, केरल
2.		
3.	जैनदर्शन में मानववाद : एक अनुचिंतन	डॉ.विनोद कुमार सिंह, रामगढ़,बिहार
4.	जैन, बौद्ध और गीता के समत्वयोग का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ.संगीता विद्यालंकार, हरिद्वार
5.	जैन धर्म में श्रमण संस्कृति	आरती चौधरी, आरा
6.	जैनदर्शन में अनेकान्त	रामनरेश जैन, लाडनूं एवं संजीव जैन, जयपुर
7.	प्रश्नव्याकरण में ब्रह्मचर्य	रामनरेश जैन, लाडनू, एवं वीरेन्द्र जैन, बरा म.प्र.
8.	चितयरदुहिया कहा	डॉ.सलोनी जोशी, अहमदाबाद
9.	प्राकृत भाषा के विकास में डॉ नेमीचन्द्र शास्त्री का योगदान	डॉ.सत्यनारायण राम, आरा
10.	जैनशास्त्र में जीव (आत्मा) की सत्ता एवं सवरूप	अशोक कुमार, जे.एन.यू.नई दिल्ली

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

11. प्राचीन ग्रन्थों में मागधी के सन्दर्भ	डॉ.कुमार शिव शंकर, आरा,बिहार
12. मागधी की विशेषताएं	डॉ.सुदर्शन मिश्र, आर.एस.एस.जयपुर
13. नाट्यशास्त्र के प्राकृत-छन्द्	डॉ.रामजी राय, आरा,बिहार
14. जैन-आगमों में दास प्रथा	डॉ.नरेन्द्र कुमार पाण्डेय, आरा,बिहार
15. जैनदर्शन में व्यसन एवं उसके विविध प्रकार : एक अनुचिंतन	डॉ.मंजुबाला, वैशाली,बिहार
16. जैनदर्शन में द्यूत-व्यसन : एक अनुचिंतन	सुशील कुमार, आरा,बिहार
17. जैनदर्शन में रात्रि-भोजन-त्याग एक अनुचिंतन	डॉ.विश्वनाथ चौधरी, भोजपुर, बिहार
18. पुष्पदन्त कृत महापुराण का मूल्यांकन	कुमार रवि शंकर, आरा,बिहार
19. जैनागमों में नारी का आदर्श स्वरूप	सुप्रिया, आरा,बिहार
20. कविराज राजशेखर और उनकी कर्पूरमंजरी	जनेश्वर मौआर, म.वि.वि.बोधगया
21. सागार : परिभाषा एवं विश्लेषण	डॉ.जनक दुलारी सिंह, पटना

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

22.	आचार्य हरिभद्र के कथा साहित्य में प्रतिपादित लोक जीवन	गीता पाण्डेय, आरा,बिहार
23.	अचार्य शुभचन्द्र विरचित श्रेणिक चरित्र का सांस्कृतिक अध्ययन	देवाश्रय प्रसाद सिंह, आरा,बिहार
24.	जसहर चरिउ का आलोचलात्मक अध्ययन	कुमारी जयश्री, आरा,बिहार
25.	सेतुबंध एवं पउमचरियं का काव्य प्रवाह में प्रसंगों की संगति	डॉ.बजरंगी राय, पटना
26.	गुणभद्र कृत उत्तर पुराण की रामकथा में वर्णित सीता जन्म	डॉ.विरेन्द्र सिंह, नालन्दा,बिहार
27.	उत्तराध्ययन सूत्र में मानव मूल्य का वैशिष्ट्य	देवमणी पाण्डेय, आर.एस.एस.नई दिल्ली
28.	जैन ज्योतिष का विकास	डॉ.बबन चौबे, आरा,बिहार
29.	संस्कृत नाट्कों में प्रयुक्त प्राकृत-भाषा का विश्लेषण	प्रा.गिरा एम.त्रिपाठी, अहमदाबाद
30.	जैन धर्म में मोक्ष का स्वरुप	डॉ.रीना कुमारी, छपरा,बिहार
31.	मनोविकारों की निर्मुक्ति में जैन दर्शन का योगदान	डॉ.अनीता जैन, वनस्थली विद्यापीठ

32

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

३३.	प्राकृत व्याकरण परम्परा में डॉ.नेमिचन्द्र शास्त्री का योगदान	कु.संध्या, आरा,बिहार
३४.	प्राकृत आगम साहित्य एवं पर्यावरण	डॉ.सी.एस.डागा, जयपुर
३५.	जैनधर्म के परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण	डॉ.हरिप्रकाश शर्मा, यमुनानगर,हरियाणा
३६.	प्राकृत साहित्य में लोकजीवन	डॉ.पत्रिका जैन आर.एस.एस.लखनऊ
३७.	जिनेश्वरसूरिकृत कथाकोषप्रकरण का मूल्यांकन	कुणाल महेन्द्रभाई कपासी, पाटन,गुजरात
३८.	प्राकृत सुभाषित गाहारयण कोसो : एक समीक्षण	डॉ.सुमित कुमार जैन, ...
३९.	अपभ्रंश के चरित काव्य	डॉ.रामेश्वर शर्मा, भोजपुर,बिहार
४०.	अपभ्रंश–विमर्श	....
41	Changing Faces of Women In Buddhism	Latha A.P (Paalakkad)
	Ecological Aspects in Buddhism	Vrinda Venugopal (Calicut)
	Influence of Parasurama Myth and Decline of Buddhism in Kerala	Arun Jaganathan V R (Kerala)
	Buddhist Ideals Reflected in Modern Malayalam Literature	Dr. Ambika K.G (Kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Grammatical and Scribal Peculiarities as found in the Supriya Sarthavaha Jataka, a Buddhist Narrative Text in Verse	Dr. Soma Basu (Kolkata)
School of Buddhism	Dr. C.A Shaila (Kerala)
Practice of Tantra in Jainism	Dr. Lopamudra Bhattacharyya
Breathing Techniques In Early Buddsim And Hatha Yoga	Prasanna Venkatesh Upadhya
Pancaskandha In Buddhism	Johanson. A.J (Kerala)
Ahimsa In Jainism: Peace and Harmony in the context of Present Day Crisis	
The Con cept of An Ancient Language of Prakrit	Mr. Sukumar Shivajirao Jagtap
Jaina Sectarian Debate about Women	Sunail M. Raut (Maharastra)
A Literary Study of the Jaina Text	Dr. Himanshu Shekhar Acharya (Aligrah)
The Oragin and Development of Yaksi Cult in Jainism	Ms. Shipla Cheeda (Mumbai)
Concept of Jain Cosmogony, Cosmology and Devastation of the earth, Comprasian with Scientific Cosmology	D. Hansa Shah (Boravali west , Mumbai)
The Cncept of Demi Goddness in janisim	Dr. Kokila H Shah (Mumbai)
Sarvatobhadra Images from kankali Tila Mathura	Dr. Renuka Porwal (Mumbai)
Moral and Social Values in Saman-Suttam	Dr. Geeta Mehta (Mumbai)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Concept of Vaisramana with refrence to Jainism and Buddhism	Mrs. Ketaki Kedar Khole (Pune)
Jaina Doctrine of paramanu	Sapna Jain (J.N.U Delhi)
Jainism in the Buddhist Literature	Dr. Vimal A. Bafana (Pune)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

History Section--8

S.No	Title of Paper	Name of Author
1.	विश्वबन्धुत्वम्	डॉ.उदय कुमार झा, मधुबनी
2.	राष्ट्रीयैकतायाः कृते शिक्षा शिक्षकश्च	प्रतीक कुमार मिश्रः, तिरुपति
3.	श्रीराम कथा तिथि क्रमः	डॉ.शिवानी शर्मा, ...
4.	शिक्षाविद्महर्षिदयानंदसाहित्य, नारीजागरणम्	डॉ.अर्चना लालसिंह, अकोला महा रा.
5.	भारतीय लोकशाहीचे भविष्य	अनिल यशवंत सावंत, पुणे
6.	मद्यापानम् : एकं समीक्षणम्	अनादि चरण बेहेरा, बालेश्वर
7.	भ्रष्टाचारस्य उन्मूलनंप्राच्य विधाया-योगदानम्	डॉ.सच्चिदानन्द शर्मा, अभ्युदय नगर
8.	तत्कालीनसामाजिकस्थितिः पाणिनीये	डॉ.सी.एन.विजयकुमारी, तिरुवननतपुरम्
9.	ग्रंथ काशीतिहास	शामला दिलीप पान्से, पुणे
10.	काव्यक्षेत्रे सिंघलीय विदुषां योगदानम्	आचार्य दिवाकर मिश्रः, प्रतापगढ़ उ.प्र.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

12. मानवाधिकारदृष्ट्या दायविभाजनस्य औचित्यम् (या.स्मृति संदभे) — डॉ.मंजूषा कुलकर्णी, औरंगाबाद महा रा.

13. स्त्रीणां दायाधिकारः — डॉ.सुनीता महान्ति, आर.एस.एस.पुरी

14. श्रीकृष्ण एवं चाणक्य की विदेशनीति का तुलनात्मक अध्ययन – उपाय चतुष्ट्य के संदर्भ में, — डॉ.जीवानन्द झा, बरौनी बिहार

15. रंग भेद नीति से लोकतंत्र की ओर — कु. वीना, भभुआ कैमुर

16. हिन्दूस्तानी तुर्क अमीर खुसरो — डॉ.शिव कुमार दास, मधुबनी बिहार

17. महिला आन्दोलन और स्त्री सशक्तिकरन — सिन्धु सी.के., केरल

18. भारतीय संस्कृति में राष्ट्रीय चेतना एवं मानव कर्त्तव्य, — डॉ.संध्या, सांबा

19. भारतीय संस्कृति में बड़ों का आदर सतकार — डॉ.रणधीर कौशिक, संगरूर पंजाब

20. उत्कल में शक्ति पूजन की परमपरा — डॉ.अजय कुमार पटनायक, ...

21. नारी सशक्तिकरण की अवधारणा — डॉ.सुनीता मिश्रा, दरभंगा

22. हरियाणा के साहित्य में पं. लखमीचन्द का योगदान — संजय शास्त्री, भिवानी हरियाणा

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

23. हिन्दी की उर्दू शैली का काव्य — डॉ.राजु एस. बागलकोट, तिरुपति

24. वैश्वीकरण — नीरज कुमार, ...

25. प्राचीन भारतीय इतिहास में वैदिक साहित्य : आयुर्वेद के विशेष संदर्भ में — डॉ.अशोक कुमार मंडल, एवं डॉ.प्रीति आनन्द, हजारीबाग

26. सूर्योपासना की परम्परा एवं स्वास्थ्य-लाभानुशीलन — अनिल कुमार, जम्मू वि.वि.

27. कौटिल्य अर्थशास्त्रानुसार राजा के कर्तव्य व मर्यादा — डॉ.सुदेश कुमार शर्मा, ...

28. धार्मिक प्रभाव : स्त्री की जिन्दगी में — सिव्ना सी, कालटि

29. भारत-नेपाल आर्थिक संबंधों का मिथिला पर प्रभाव — डॉ.मुकेश कुमार झा, ...

30. आधुनिक समाज गीताके आलोक में — डॉ.सुधा वाजपेयी, लखनऊ वि.वि.

31. भारतीय समाज में स्त्रियों की स्थिति का मूल्यांकन — डॉ.देवेन्द्र प्रताप सिंह, सुल्तानपुर एवं डॉ.राधा सिंह, औरैया

32. बेरोजगारी समस्या या राजजैतिक व्यवस्था — सुनील कुमार वर्मा ...

33. प्रचीन भारत में राजनय — डॉ.सी.डी अमर, मुजं. बिहार

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

34. मुगलों की मनसबदारी प्रथा — डॉ.रेखा कुमारी झा, पटना

35. श्रीकृष्ण लीला एक चिंतन — डॉ.संयोगिता, लखनऊ वि.वि.

36. भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में झारखण्ड के जनजातीय विद्रोह — डॉ.अवधेश कुमार पाण्डेय, रांची

37. महाभारत में कुरुक्षेत्र का सांसकृतिक अध्ययन — प्रवीण बाला, जम्मू वि.वि.

38. गांधी और वर्तमान शिक्षा नीति — शालिनी गुप्ता, गोरखपुर वि.वि.

39. महात्मा गांधी के आर्थिक विचार में बलिया की भूमिका — वीरेन्द्र यादव, गोरखपुर वि.वि.

40. ....

41. 1942 के आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका — श्वेता, गोरखपुर वि.वि

42. भारत छोड़ो आन्दोलन में अरुणा आसफ अली की भूमिका — कु.प्रीति तिवारी, गोरखपुर वि.वि

43. सामाजिक संदर्भो में वैदिक नारी : एक विश्लेषण — नीरज कुमार, नैनीताल

44. वैदिक समाजतन्त्र का स्वरूप — डॉ.मुरारी मोहन झा, दरभंगा

45. वैदिक नारीभावना का विश्लेषण — डॉ.रामसती कुमारी, कुसौथर

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

46. वैदिक कालीन समाज में नारी की स्थिति	हरिनाम सिंह, लखनऊ वि.वि.
47. गांधी गीता (अहिंसा योग)	प्रो.पुष्पा अवस्थी, अलमोड़ा
48. अहो स्वातन्त्र्यम् एक अवलोकन	उर्वी परमानन्द दवे, अहमदाबाद
49. कल्हण की दृष्टि में काश्मीर का सांस्कृतिक स्वरूप,	डॉ.राजेन्द्र त्रिपाठी रसराज, इलाहाबाद
50. कुतुबमीनार (मेरूस्तम्भ) से कुतुबुद्दीन एबक का कोई कम्बंध नहीं : पंचसिद्धान्तिका के अनुसार ज्योतिषिय परिप्रेक्ष्य	जितेन्द्र व्यास, जोधपुर
51. प्राचीन भारत की आहार परम्परा	डॉ.आभा झा, दरभंगा
52. आचार्य कौटिल्य का मंत्रि परिषद	डॉ.सारिका वार्ष्णेय, अलीगढ़ उ.प्र.
53. कांग्रेस आन्दोलन में महाराज लक्ष्मीवर थ्संह का योगदान	सोनी झा, मुज. उ.प्र.
54. छठी शताब्दी ईशा पूर्व नारियों की स्थिति – एक लेख	प्रो.जयप्रकाश त्रिपाठी आरा बिहार
55. कौटिल्य का भ्रष्टाचार पर चिंतन (आधुनिक भ्रष्टाचार की विधाओं के परिप्रेक्ष्य में)	जयश्री अनि सकलकले अकोला म.रा.
56. कौटिलीय अर्थशास्त्र–नीतिशास्त्र के परिप्रेक्ष्य में	प्रो.जया तिवारी, नैनीताल

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

57. कल्हण की दृष्टि में काश्मीर का सांस्कृतिक स्वरूप — डॉ.राजेन्द्र त्रिपाठी, इलाहाबाद

58. अहिंसा संबंधी व्यावहारिक समसयाए समाधान तथा उपलब्धियां — समणी आगमप्रज्ञा, एवं डॉ.वन्दना मेहता, लाडनू

59. वास्तुशास्त्र का ऐतिहासिक एवं सहित्यिक विवेचन — डॉ.वीरेन्द्र झा, मुज. बिहार

60. कृष्णा सोबती की कहानियों का सच — रवि प्रकाश यादव, आरा, बिहार

61. बिहार में सामाजिक न्याय, मानवाधिकार और पुलिस प्रशासन का एक समिक्षात्मक अध्ययन — मन्जू यादव, बिहार

62. भारतीय राजनीति के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता — डॉ.अर्चना चौहान, आर.एस.एस. भोपाल

63. अहिंसा का महानतम सिद्धान्त — डॉ.हरि किशोर प्रसाद सिंह, मुज., बिहार

64. आधुनिक भारत में अति पिछड़ा वर्ग — रामप्रताप यादव, गोरखपुर वि.वि.

65. भारतीय सामाजिक परिवर्तन में स्त्री शिक्षा की भूमिका — प्रवीण कुमार, आर.एस.एस. लखनऊ

66. कालिदास के ग्रन्थों कश्मीर चित्रण — अनीश कुमार, जम्मू वि.वि.

67. मुद्राराक्षसगत चाणक्यनीतियों की उपादेयता — डॉ.शालिनी मिश्रा, लखनऊ वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

68. संस्कृत कथा परम्परा : आदि से 18वीं शताब्दी तक	प्रमोद कुमार वर्मा, बहराइच उ.प्र.
69. हिन्दू विधवा स्त्री पुनर्विवाह एवं विद्यमान विसंगति	डॉ.प्रीति कमल, हजारीबाग
70. झारखण्ड के जनजातियों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास	उमेश कुमार, धनबाग झारखण्ड
71. पर्वतों की रानी पचमढ़ी का एतिहासिक विश्लेषण	डॉ.श्रीमति रेखा राठोर, होशंगाबाद म.प्र.
72. कश्मीर में तीर्थ स्थानों का विवेचन,	जहिदा परवीन, कश्मीर वि.वि.
73. विल्हणकृत काश्मीर वर्णन की ऐतिहासिकता	डॉ.ऋचा तिवारी, लखनउ
74. डॉ. परमानन्द शास्त्री तथा डॉ. विद्याविास मिश्र के ललित निबन्दों का तुलनात्मक अध्ययन,	प्रो.कमलेश नागर, आगरा
75. आर्ष महाकाव्य में वर्णित किन्नर,	सिद्धेश्वरी, एच.पी.वि.वि.शिमला
76. संस्कृत वाङ्मय एवं नारी प्रतिष्ठा की सारांशिका,	कुमारी रूबी झा, बरौनी बेगुसराय
77. गुरुरामभद्राचार्य जी का व्यक्तित्व,	कुमुद रानी गर्ग, दिल्ली वि.वि.
78. धार्मिक राजनीति अैर भारतीय जनजातियां,	सौम्य अवर्चन, केरला
79. मानव जीवन के लिये श्रीकृष्ण के उपदेश	डॉ.कृष्ण प्रसाद,

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

की सार्थकता, | दरभंगा

की सार्थकता,	दरभंगा
८०. समकालीन ललित निबन्ध विधा : एक अध्ययन,	ट्पिंकल बंसल,एवं डॉ.लालाशंकर गयावाल ....
८१. अर्थो हि पुत्रः परकीय एव : एक विवेचना,	डॉ.मैत्रेयी कुमारी, नई दिल्ली
८२. महाभारत के परिप्रेक्ष्य में स्त्री शिक्षण एवं अर्थोपार्जन,	पटेल रूपा एन., अहमदाबाद
८३. पाश्चात्य जीवनशैली पर भारतीय संस्कृति का प्रभाव,	डॉ.नीरज शर्मा, जालन्धर पंजाब
८४. क्रोध से बचने के साधारण उपाय,	नेहा कुमारी, रांची
८५. जिन्दगी के मायने,	खुशबू कुमारी, रांची
८६. प्रशंसा मनुष्य की कार्यशक्तियों को पंगु बनाती है,	माधुरी देवी, रांची
८७. जीवन में मौन धारण करने का महत्व,	राजेन्द्र पाण्डेय, रांची
८८. अवतारवाद का प्राणीशास्त्रीय अवलोकन	डॉ.शीतांशु त्रिपाठी, सगर म.प्र.
८९. स्वातन्त्र्यसम्भवम् में समत्व की भावना	कमलेश रानी, दिल्ली वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

90	कालिदास के काव्य में राष्ट्रीय भावना एवं सांस्कृतिक चेतना–	Pinki tiwari C/o D.S.B Campus Nanital
91.	''भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम पर श्रीमद्भगवद्गीता का प्रभाव''	भरत कुमार संस्कृत विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद
92.	कम्बुज दे[illegible] की अर्थव्यवस्था	डा0 रोहित कुमार स्वतंत्र भाोध अध्येता राजेन्द्र रोड़, बरौनी बेगूसराय, बिहार
93.	रामसेतु : एक पौराणिक समाजशास्त्रीय एवं वैज्ञानिक विवेचन	डॉ० अनुराधा प्रवक्ता, समाजशास्त्र विभाग, महारानी बनारस महिला महाविद्यालय, रामनगर, वाराणसी
94.	कौटिल्य–'अर्थशास्त्र' में धर्म और राजनीति	डॉ० महन्थ मिथिलेश दास पी०जी०टी० (राजनीति [illegible]ास्त्र) राज कुमारी गणेश [illegible]र्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा पटोरी दरभंगा (बिहार)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy by - Kathmandu Collection

95.	देशोऽयं करूते प्रोन्नतिम् में वर्णित भ्र□टाचार	कु0 सुमन पाण्डेय □ोध –छात्रा डी0एस0बी0 परिसर कुमाऊँ विश्वविद्यालय–नैनीताल
96.	विभिन्न धार्मिक सम्प्रदायों में श्रीराधा का स्वरूप	भाोध–छात्रा संस्कृत विभाग, डी0 एस0 बी0 परिसर, कुमाऊँ वि□वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)
97.	कालिदास के कृतियों में नारी व प्रेम	अमरेश यादव (शोधच्छात्र) रा□ट्रिय संस्कृत संस्थान गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद
98.	संस्कृत साहित्य में रा□ट्रीय भावना	डॉ (श्रीमती) उ□ा टोप्पो स्नातकोत्तर संस्कृत–विभाग राँची विश्वविद्यालय, राँची

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

99. □ुक्रनीति में राजोचित धर्म : एक तुलनात्मक अध्ययन

— डॉ0 भारती द्विवेदी
सहायक प्राध्यापिका
संस्कृत विभाग
जगन्नाथनगर महा विद्यालय

100. कौटिल्य के धार्मिक विचार

डॉ॰ उ□ा किरण, वरीय व्याख्याता, द□न□ास्त्र विभाग
राँची विमेंस कॉलेज, राँची (झारखण्ड)

101. धर्म, संस्कृति एवं चिकित्सा विज्ञान का विकास

प्रो॰ डॉ॰ विवेक क□यप
प्राध्यापक, पी॰एस॰एम॰ विभाग,
राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान, राँची, झारखण्ड।

102. त्रंस्कृतवाङ्मये विवाहविषयकचिन्तनम्।

- प्रा. विभा क्षीरसागर

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर श्रीमद्भगवद्गीता का प्रभाव

भरत कुमार
भोधच्छात्र
संस्कृत विभाग,
इलाहाबाद, वि□वविद्यालय
इलाहाबाद

103. "वैदिक समय आर्यो का राजनीतिक शासन ।"

प्रस्तौता
तिवारी अमरेश रामललन।
(अनुस्नातक भवन)
शोध छात्र।
श्री सोमनाथ संस्कृत विमव0
वेरावल । गुजरात

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

104.	विश्व धर्म और स्वामी विवेकानन्द	आलेख प्रस्तुति – डॉ0 उमा कुमारी पदस्थापित – सहायक शिक्षिका (संस्कृत) राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय बरकट्ठा हजारीबाग (झारखण्ड)
105	महाकवि उदयराजकृत 'राजविनोदमहाकाव्यम्' में इतिहास	दीप्ति जोशी □ोध छात्रा, संस्कृत विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर (राज०)
107.	कादम्बरी में मैत्री प्रेम	डॉ. महामाया प्रसाद चौबीसा व्याख्याता राजकीय महाराजा आचार्य संस्कृत कॉलेज, चाँदपोल, उदयपुर (राजस्थान)
108	दक्षिणा–| एक निवेष्ठा	डॉ. उर्मिला रुस्तगी, दिल्ली विष्ठवविद्यालय
109.	नियोग प्रथा एवं इसकी ऐतिहासिकता (वेदों के संदर्भ में)	Tripti Sharma Delhi University
110.	चंपा के संस्कृत शिलालेख	डा0 कुमार यशोवर्धन स्वतंत्र भाोध अध्येता ग्रा0,पो0–अरनिया भाया–जन्दाहा जिला–वै□ाली

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

111	Contribution of the Asiatic Society Publication to the advancement of Sanskrit Studies{1788-1888}	Dr. Shakti Mukherji (West Bangal)
112	Participation of Women in Economics Activities; Glimpses in Arthasastra	Ajesh T.V (Kannur, Kerala)
113	Kerala's Contribution to Sanskrit Historical Mahakavyas	Jensi. M (Ernakulam, Kerala)
114	Justice Through Courts in Ancient India	Dr. P.V Rajee (Kerala)
115	Cyber Space of Education in Kerala	Raji. A.C (Kalady)
116	Some Extraordinary Weapons of the Epic Wars	Dr. Chandan Kumar Chakraborty (Tripura)
117	Faith and Rituals in the making of Food and Cuisine in Colonial Malabar	Deepa. G (Kerala)
118	Impact of Buddhist thought on Asoka and Its Results	Soumya. K (Kalady, Kerala)
119	Frauds in Public Sector Banks (with special reference to kautilya's	Dr.Sudhir Jain (Banasthali)
120	Printing The Nambudiri Identity	Sabu Samuel Kalady
121	Questioning And Resisting Gender Politics: A study On The Move Susanna	P. Vishnuraj (Kalady)
122	Social Aspects of Svami Tapovanam	Ramsakthi Calicut

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

123	Culture, Society And Artisan Community of Formation In Pre – Colonial Kerala	Ajesh A.M (Kerala)
124	IDUKKI: Spread of Agriculture and The Question of Migration	Suneesh K.K (Kalady)
125	Trade Relation Between Dutch And Konkanis	Prof. S.Razdan (Kashmir)
126	Dalit Social Movement in Kochi And Lincoln of Kerala	Vinayan M.C (kalady, Kerala)
127	Fish-culture as a source of Employment and Income in Assam	Dr. Majit Das (Assam)
128	The Origin and Development of Cochin Port- A look back	Zoujath K.Z (kalady, Kerala)
129	Social And Religious Renaisance in South India	Ashadvi.R (Kalady, Kerala)
130	AYYA VAIKUNTER – A Social Reformer Saint of South India	Dr. Anand Dilip Raj (Kerala)
131	Salient Features of Kerala School of Mathematics	Varinda P.M
132	Political Ideas in Dandin'S	Susmita Debnath (Tripura)
133	The Deviation of the plot From BRHATKTHA To NAGANADA	Aneesah K,C (Kalady)
134	Nationalism and Literary History of India	Ranjini A.M Kalady, Kerala
135	Agrarian Relations In 19th Century	Shiji K.S Kalady, Kerala
136	"Drupadi" Psychogical Analysis (Religion)	Dr. Rekha Sharma (Haryana)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

137	Women's position in Panchathanthra _ A study	Smitha K.P (Kerala)
138	'Name' The Aspect of Cultural studies	Sabeena Banu.M. (Kalady)
139	Arunachala Kavirayar's Ramanataka Keerthanas With Reference to Ramayana	Seema K. (Kerala)
140	Kusava's of Central Kerala: Transactions and Transformation	Sreekanth Sreedharan (Kerala)
141	Famous Centres of Higher Education During Buddhist Period	Mrs. Ritu Bhagat
142	Ancient Indian Vaterinary Science Literature with Special Reference to the Agnipurana.	Mausumi Goswami (Gauhati)
143	IDUKKI: Spread of Agriculture and The Question of Migration	Suneesh K.K (Kalady)
144	Dalit Social Movement in Kochi and Lincoln of Kerala	Vinayan M.C (Kerala)
145	Exploring the history of UNAKOTI: A place of archaeological interest in the state of Tripura	Sri Priyanku Chakraborty (Tripura)
146	Belief System Of The Araya Fishing Community In Kerala: *Life andloccupation of the fishermen in Thrissur District*	Rajasree E.R (Kerala)
147	Printing The Nambudiri Identity	
148	The Contribution of Sanskrit Literature in the Writing of Kerala History	Dr. Sheeha R.S (Kerala)
149	Kutilya's Concept of Public Welfare through Market Control	Dr. Simran Sarma Asaam

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

150	Socio- Economic Condition of the People During the Indus Civilization	Mr. Krishna Kanta Das Assam
151	Natural Disaster Pre4diction Methods in Ancient India	Praveshvyas New Delhi
152	History of Russia through Literature- An Alternative View : Analysis of testimonial Novels " Enchanted by Death" by Alexievich S	Sonu Saini New Delhi.
153	Karusadhipati Dadhra of harsacarita of bana A Critical Review	Dr. Sudarshan Kumar Sharma (Parwanoo)
154	The Concept of Morality-A Study	Dr. (Mrs) Indra Saika Bora (Punjabari)
155	The Impact of Policy Of Reservation on the Kurava community of Thriuvananthapurana District	Shyla.S
156	Sufisim In Kerala A Different Experience	Abdul Gafoor P Kreala
157	Bioographies of Social refpramers Depicted in Sanskrit Mahakvyas of Kerala	Dr. E. Suresh Babu Kerala
158	Freedom Movement Depicted in Navabharata	Srinivasan .P.K
159	The History and development of Sandeshhakavyas In Sanskrit	Sijadu A.U Kerala
160	Fragmented Nations and historical Constructs:- A Study of Salman Rushdie's Shame	Divya P Kerala
161	Food Culture in Kerala	Shamna A.N Kalady

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

162	Passing through the colour thread	Dr. Smt. V.D Shete Baroda
163	Asvaghosa: As A Preacher and A poet	Sri Soumya Kumar Misra Kolkata.
164	Belief System of the Arya Fishing Community in Kerala: life and Occupation of the Fisherman in Thrissur District	Rajshree E.R Kerala
165	Contribution of Orientalists in the Fort William College with special reference to Francis Gladwin	Mohammad Jafar New Delhi
166	Sheikh Ahmad Sirhindi: As a Socio-Religious Reformer of India	
167	Indian Jurisprudence: Ancient and Modern	Dr. Kaushik C. Raval Ahmadabad
168	Engaging with Modernity: The rawuthar Experience in 19th and 20th Century Keralam	Shameer P.N Kerala
169	Matrilineal System follows in medieval Kerala based on Sankarasmrti	Rateesh. M.M Kalady
170	Rādhā of Kathā Sarit Sāgara of Soman Deva an identification	Dr. Sudarshan Kumar Sharma
171	The Hammer Epic As History	Dr. P. S. Rajpurohit Jodhpur
172	Haryana: Through the History of Painted Art	Jasbeer Kaur Kurukshetra
173	The Politics of resistance: Role of Local History in Selected post Modern Novels in Malayalam	Divya C.K Kalady

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

174	Institution of marriage in Medieval kerala	Simitha K Kerala
175	Peasant Exploitation and mappila Uprising of Malabar in Ninteenth Century	Junais P Tamil Nadu
176	The upanshadic Concept of Ideal Governance	Aditya Angiras Punjab
177	The Contribution of Ramaryanakavi to the upanishads	Dr. Chilakamarthi Agra
178	T5he Position of Common people in Sanskrit Drama	Balaram Sethi Bhubaneswar
179	Various Aspect of a women's life: With Reference to the works of Kalidasa	Dr. Kamal Kishore Sharma (Delhi University)
180	Heretical folks in Arthasastra: Nature, Engagements and Attitudes	Dr. P.V. Narayana Keralam Kalady
181	Constuction of Social herarchies: castle, Class and Gender in the Panchatantras	Dany Poulose
182	The Necessity of the Fables from Pancatantra for the children of 21st Century	
183	Nationalism and literary History of India	Ranjini A Kalady
184	Agrarian relations in 19th Century Cochin	Shiji K.S Kalady
185	The deviation of the Plot from Brhatkatha to Nagananda	Aneesha K.C Kalady
186	Political Ideas in dandin's Dasakumaracarita	Susmita Debnath Tripura

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

187	Ayya Vaikunter- A Social reformers saint of South India	Dr. Anand Dilip Raj Kerala
188	Fish-Culture as a Source of Employment and Income in Assam	Bhabananda Bayan Assam
189	Some Extraordinary wepons of the Epics Wars	Dr. Chandan Kumar Chakraborty Tripura
190	Faith and Ritulas in the making of Food and Cuisine in Colonial Malabar	Deepa G Kerala
191	Impact of Buddhist Thought an Asoka and its results	Soumya K Kerala
192	Frauds in Public Sector banks (with special reference to Kautilya's Arthashastra)	Dr.Sudhir Jain Banasthali
193	Printing the Nambudiri Identity	Sabu Samuel Kalady
194	Questioning and Resisting gender Politics: A Study on the Move Susanna	P.Vishnuraj Kalady
195	Social aspect of Svami Tapovanam	Ramsakti-A
196	Culture, Society and Artisan Community Formation in Pre-Colonial Kerala	Ajesh A.M Kerala
197	Idukki: Spread of agriculture and the Question of migration	Suneesh K.K Kalady
198	Trade relation between Dutch and Konkanis: An Analysis	Anitha Chandran Kalady
199	Justic through Courts in Ancient India	Dr. P.V. Rajee Kerala

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

200	Sanskrit: The Media of Cultural Transmisssion in ancient kerala	Dr. P.S. Pratheep Kerala
201	Contribution of the Asiatic Society Publication to the advancement of Sanskrit Studies	Dr. Shakti Mukherji West Bengal
202	Participation of Women in Economic Activites; Glimpses in Arthasastra	Ajesh T.V Kerala
203	Kerala's Contribution to Sanskrit Historical Mahakavyas	Jensi. M Kerala

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Archaeology Section--9

S.No	Title of Paper	Name of Delegate
1	Exploring The History of UNAKOTI: A Place Of Archeological Interest In The State Of Tripura	Sri Priyanku Chakraborty (Tripura)
2	A Place Of Archeological Interest In The State Of Tripura	Sri Priyanku Chakraborty (Tripura)
3	Contribution of Sanskrit Inscription to Literature	Keyur R. karagudari
4	Symbol and Signifience : An Analysis of the Lconography of the Sapta- Matrka-s	Dr. Madhusudan Mishra (Odisha)
5	Marian Iconography	Dr. Joan Dias (Mumbai)
6	Exploring The History of UNAKOTI: A Place of Archeological Intrest in the state of Tripura	Sri Priyanku Chakraborty (Tripura University)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Indian Linguistics- Section—10

S.No. Title of Paper	Name of Author
1. निरुक्तेऽर्थार्जनम् एकं विवेचनम्	डॉ.मंजुकुमारीपाण्डेय, हरमू,झारखण्ड
2. पाणिनेः न्यूनतापूर्तये योगविभागः	शोभिकविश्वास, विजयनगर
3. महाभाष्ये लोकन्यायानामनुशीलनम् (नवाह्निकस्य विशेषसनदर्भे)	डॉ. तोयनिधि वैष्णव रायपुर
4. वैयाकरणभूषणसारे दर्शान्तरीयतत्त्वविमर्शः	डॉ. महेश कुमार द्विवेदी, मैनपुरी
5. अवधित्वं पंचम्यर्थः	डॉ. रामबदन पाण्डेय, मैनपुरी
6. व्याकरणशास्त्रे सम्प्रदानत्वसमीक्षा	डॉ. विमनेश झा, भागलपुर
7. आख्यातार्थविचारः	डॉ. अजयकुमारदाश, पुरी
8. प्रत्याहारसूत्राणां वैज्ञानिकत्वम्	डॉ. ब्रह्मदेव, हरिद्वार
9. पाणिनीयव्याकरणेलोकदृष्टिः	प्रो.जयप्रकाश नारायण द्विवेदी, द्वारका
10. श्री हरिनामामृतव्याकरणे प्रक्रियालाघव वैशिष्ट्यम्	डॉ सुनेली देई, कटक
11. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदिपर्यालोचना	डॉ. ब्रह्मानन्द शुक्ल, मिरजापुर,उ.प्र.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

12.	व्याकरणशास्त्रस्य प्रचारप्रसारयोर्बिहारस्य औरंगाबादमण्डलस्यावदानम्	डॉ. मधुसूदन पाण्डेय, औरंगाबाद,बिहार
13.	वाक्यार्थविवेचनायां भर्तृहरि–आनन्दवर्धनयोः सम्मत वैमत्यंच	निवेदितापति, उत्कल वि.वि.
14.	दुःस्पृष्टवर्णस्वरूपविवेचनम्	डॉ. गगन चन्द्र दे, पश्चिमबंगाल
15.	समर्थः पदविधिः इति सूत्रस्य विमर्शः	प्रतीख्य दाश, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
16.	संस्कृतव्याकरणे अव्ययानि एकमध्ययनम्	पूजारानी घोष, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
17.	अपाणिनीयतासमीक्षणम्	डॉ. रामेश्वरराय, विजयपुर, बिहार
18.	अधिकारप्रकारविवेचनम्	डॉ. श्रीप्रकाशपाण्डेय, मुजफरनगर, बिहार
19.	वाक्यपदीये भर्तृहरिकृतं स्फोटविवेचम्	डॉ.चितरंजनदयालसिंह, कुरुक्षेत्र
20.	स्वातन्त्र्योत्तरभारते भाषायाः स्वरूपं संस्कृतंच	डॉ. रणजीत बेहेरा, देहली
21.	व्याकरणशास्त्रकाव्येषु अर्जुनरावणीयस्य वैशिष्ट्यम्	विस्वाज एस. नायर, केरल
22.	पाणिनीय संज्ञासूत्र विभषा दिक्समासे बहुव्रीहौ	डॉ. राधेश्याम शर्मा, करनाल
23.	व्याकरणशास्त्राय महर्षिपतंजलेः अवदानम्	डॉ. बालकृष्ण शर्मा, ग्वालियर

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

24.	वैयाकरण सिद्धान्तकौमुद्यः षड्लिंगप्रकरणानां स्मीक्षणम्	डॉ. त्रिलोक झा, दरभंगा,बिहार
25.	समर्थः पदविधेः भाषावैज्ञानिकोपादेयतत्वम्	शश्मिता नायक, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
26.	शब्दब्रह्मस्वरूपविचारः	दामोदर शास्त्री, दरभंगा,बिहार
27.	संस्कृतव्याकरणे कातन्त्र व्याकरणस्य प्रभावम्	बिमल कुमार बेहरा, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
28.	पाणिनि धातुपाठस्य उपजीव्यरूपे वैदिक साहित्यम्	सत्येन्द्र शास्त्री, ग्वालियर
29.	अथ धात्वर्थ विचारः	रमा नाथ झा शशि, झंझारपुर, बिहार
30.	सनादिद्वादशप्रत्ययानामनुशीलनम्	डॉ.भगवान्नारायण मिश्र, मुज. बिहार
31.	कलापीयाधिकारसूत्राणां विमर्शः	डॉ.चिरंजीवी अधिकारि, कटडा
32.	निपातानां द्योतकत्वं वाचकत्वं	डॉ.अम्बुज कुमार चौधरी, मुज. बिहार
33.	संस्कृतभाषायाः संरक्षण उपायः च	जितेन्द्र भाई .....
34.	व्याकरणशास्त्र में अपाय की अवधारणा	डॉ.भीमसिंह, कुरुक्षेत्र वि.वि.
35	कारकचतुर्थी - विमर्श	डॉ.अरविन्द कुमार, कुरुक्षेत्र वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

36.	भाषा की उत्पत्ति विषयक विभिन्न सिद्धान्तों का एक शोधपरक दृष्टिकोण	डॉ.पर्णम शर्मा, मुज. बिहार
37.	पणिनीय सूत्र ङमो ह्रस्वादचि ङमुण् नित्यम् : एक अध्ययन	डॉ. श्रीकृष्ण शर्मा, कुरुक्षेत्र वि.वि.
38.	स्त्रियाम् सूत्र एक अनुशीलन	डॉ. रामकरण, जीन्द, हरियाणा
39.	व्याकरणदर्शन में अपादान कारक एक अनुशीलन	डॉ.अनिल कुमार, जीन्द, हरियाणा
40.	भोजदेव कृत सरस्वती कण्ठाभरण व्याकरण का वैशिष्ट्य	प्रो.पी.डी.सिंह, बी.एच.यू.,वाराणसी
41.	व्याकरण, मीमांसा तथा सामाजिक सन्दर्भ में अतिदेश की अवधारणा	धर्मेन्द्र कुमार, दिल्ली वि.वि.
42.	पाणिनि की असिद्धत्वयोजना	रविपाल,दिल्ली वि.वि.
43.	निघण्टु निरुक्त में विकास में देवराज यज्वा का योगदान	आरती बरनवाल, लखनऊ वि.वि.
44.	प्राचीन कोशों की रचना पद्धतिः अमरकोश के विशेष सन्दर्भ में	अविनाश पाण्डेय, जनकपुरी नई दिल्ली
45.	सुपद्मव्याकरण में समास विधान	हरीश चन्द्र, दिल्ली वि.वि.
46.	कैयट एवं हरदत्तमिश्र का यामर्थ्य ध्वषयक अवधान	मोनिका, दिल्ली
47.	ध्रुवमपायेऽपादानम् सूत्र का विशकलितार्थ	शशिभूषण कुमार, मुजफरपुर,बिहार

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

48.वाक्यार्थ बोध का स्वरूप, मीमांसा व व्याकरण के सन्दर्भ में	कुलदीप,दिल्ली वि.वि.
49. राजस्थानी भाषा में अरबी–इरानी शब्द प्रयोग, एवं प्रवाह	डॉ. सूरजमल राव, उदयपुर
50. नैषधीयचरित में लकारार्थ का विचार, प्रथम तीन सर्गों में	चमन कुमार, जे.एन.यु. नई दिल्ली
51. श्रीहरिनामामृत व्याकरण में वर्णित संज्ञाओं का वैशिष्ट्य	चित्रा भारद्वाज, दिल्ली वि.वि.
52. दलितों की भाषा : भाषा की पहली परम्परा	डॉ.ललित मोहन, नई दिल्ली
53. व्याकरणशास्त्र का दर्शनर्त्व	नीरजा कुमारी, जे.एन.यु. नई दिल्ली
54. विदेशी यात्रियों के काल में प्रचलित भारतीय संस्कृत एवं उसके वयाकरण का स्वरूप	अनिरुद्ध भारद्वाज, दिल्ली वि.वि.
55. पाणिनीय व्याकरण में प्रक्षिप्तांश सम्बन्धी विचार	प्रणव भारद्वाज, दिल्ली वि.वि.
56. वैयाकरणभूषणसार के अनुसार कर्म कारक : एक विवेचन	सीमा रानी, कुरुक्षेत्र वि.वि.
57. पाणिनीय व्याकरण में प्रयुक्त कृत्रिम तथा अकृत्रिम संज्ञाओं का विश्लेषण	वेदमित्र, दिल्ली
58. वैयाकरणों का शब्दब्रह्म- दार्शनिकों की कसौटी पर	रमिन्दर कौर, दिल्ली वि.वि.
59. स्थानिवद्भाव की अवधारणा	योगेश शर्मा, दिल्ली

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

60. पाणिनि के स्वरविधान का भाषावैज्ञानिक पक्ष : अष्टाध्यायी के अष्टम् अध्याय के विशेष सन्दर्भ में	ऋषिराज, दिल्ली
62. पाणिनि कालीन शिक्षा का मूल सवरूप	डॉ.रमेश चन्द्र मुरारी, गुजरात
63. उच्चारण के अध्यापक : पशु और पक्षी	डॉ.अमरनाथ ठाकुर, छपरा,बिहार
64. सार्वभौम व्याकरण को भर्तृहरि की देन	सत्यकेतु, लखनऊ वि.वि.
65. पाणिनि और अर्थविज्ञान	डॉ.रेखा अरोड़ा, दिल्ली वि.वि.
66. ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं	प्रिंस शर्मा, जम्मू वि.वि.
67. आधुनिक शब्दों का संस्कृत में रूपान्तरण-निरुक्तकार यास्क के संन्दर्भ में	रौनक कुमार, आर.एस.एस नई दिल्ली
68. सारस्वत के प्रत्याहार एवं उनका	डॉ.वर्षा शुक्ला,
69. निरूक्तेऽर्थार्जनम् ; एकं विवेचनम	डॉ0 मंजु कुमारी पाण्डेय हरमू, राँची (झारखण्ड)
70. आकाङ्क्षा : शाब्दबोध के साधन के रूप में	**REKHA SINGH** (Research Scholar) Department of Sanskrit University of Delhi

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

71.	"पाणिनि के स्वरविधान का भाज़ावैज्ञानिक पक्ष" (अज़्टाध्यायी के अज़्टम अध्याय के विष्ठोज़ सन्दर्भ में)	RISHIRAJ PATHAK (ऋज़िराज पाठक) (Research Scholar) Department of Sanskrit University of Delhi
72.	पाणिनीय-शिक्षा का महत्त्व एवं प्रतिपाद्य विज़य	डॉ॰ सीमा कुमारी, स्नातकोत्तर, संस्कृत-विभाग पटना विष्ठवविद्यालय, पटना

Sanskrit Section

73.	संज्ञासूत्राणां दृष्ट्या पाणिनेः भोजदेवस्य च सूत्रपाठयोः स्थितिः	कु. विदुषा कुरुक्षेत्रम्
74.	वैयाकरणानां मतेन कारकविमर्शः	डॉ0 केशवकुमारःरायः व्याकरणविभागः लक्ष्मी देवी □राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालयः, कालीराखा, वैद्यनाथ–देवघर, झारखण्ड
75	Digital preservation of Ayurvedic nighantu texts	Baldev Ram Khandoliyan (New Delhi)
76	The Tina concept and Malayalam Poetrty	Dr. M.S Paul (Kerala)
77	Some Glimpses on Kauhaliyasiksa	Anil Kumar Das (Madras)
78	Notion of Kriya According to Bhartrihari	Mr. Amar (New Delhi)
79	**The Concept of Nan- Samasa in Vrtti According to Bhartrhari**	**Dr. G. Gayathri Preetha**

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

80	"Katantra" a new way of writing	Varda Abhaykumar Vasa (Gujrat)
81	Etymology of Few Devengari Words through Analysis of Sindhu-Sarswati Seals	M.P. Bhide Pune
82	Sanskrit Participles	Dr. Nilotpala Ghandi (Ahmadabad)
83	Role and concept of Pratyaya in Indian Tradition of Epistemology	Bhaskarnath Bhattacharyy (Kolkata)
84	Contribution of taranath tarkvachaspati to Sanskrit Lexicography	Rani Jha (Delhi)
85	Syntax of the Particles	Dr. Sharda Chaturvedi (Varanasi)
86	Socio- Culture Aspects in Mahabhasya	Anita Kallyadan Thalassery Kerala
87	Vyakaranakrodapatra: An Analytical Survey	
88	The trem Pranjna: A Psycho-Lingustics Analysis	Divakar Mohanty (CASS, Pune University, Pune)
89	Religious Attitude of Sanskrit Grammarians with Special refrence to Vopadeva	Dr.(Mrs) Pradnya S. Deshpande (Maharashtra)
90	Influence of Sanskrit Language and Formation of Literary Language in Malayalam	Dr. V Rajeev (Kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

91	Classification of Samasa: By Panini and Post – Paninian Grammarians	Arundhati Das (Kolkata)
92	Vyakarana in the Original Prasnavyakarana	Jagat Ram Bhattacharyya (Rajasthan)
93	The Riphita in the Vedic Padapatha and Linguistics Ambiguity	Dr. Prasad P.Joshi (Pune)
94	The Theory of Speech In The Indian Tradition	Prof. Vanitha Ramaswamy (Bangalore)
95	Paniniyan Classification of Compounds	Dr. C.A.Shaila (Kerala)
96	*Vrttagajendramoksa:* A confluence of Metre And Bhakti	Kumuda Prasad Acharya (Chennai)
97	The influence of Sanskrit language on 'Bahasa Indonesia (The Indonesian language): A Historical Study	Kamaljitsinh Sindha (Gujarat)
98	New Orientation to research in Indian Languages	Dr. Vidyadhar
99	Identification And Study Of The Dravidian Languages	Sudha Mary Thomas (Kerala)
100	Position Of Women As Reflected In ASTADHYAYI	Chithra S. (Kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Phylosophy Section—11

S.No Title of Paper	Name of Delegate
1. न्यायमतानुसारं गुणस्वरूपविमर्शः	डॉ.शिवशंकर मिश्र, कोटद्वार,उ.ख.
2. न्यायदर्शने शब्द प्रमाणम्	विनती साहु, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
3. सांख्ययोगदिशा सृष्टितत्त्वं	शर्मीशा, हुगली,प.बं.
4. अद्वैतवेदान्ते बह्मस्वरूपविचारः	डॉ.वसन्त एम., ...
5. अद्वैतवेदान्ते मायास्वरूवविमर्शः	तृप्ति व्यानार्ज्जी, केलकाता,प.बं.
6. न्यायसारानुसारं प्रमाणत्रय विमर्शः	बि.उमामहेश्वरी, काशी हिन्दु,वि.वि.वाराणसी,
7. वेदान्तदर्शने तत्त्वमीमांसा ज्ञानमीमांसा चेति अद्वितीया	डॉ.सुनील नारायण तिवारी, बिहार
8. सांख्यदर्शने प्रमाणतत्त्वमीमांसा	डॉ.विद्याधर हरिचन्दनः, तिरुपतिः
9. सांख्यमते दुःखस्य पर्यालोचनम्	डॉ.सन्तोषकुमार आचार्यः, तिरुपतिः
10. योगदर्शनस्य प्रभावः तन्त्रशास्त्रे	अरुण कुमार बि., तृशूर-केरलम्

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

11.	गीतागूढार्थदीपिकायां यागविषयः	भजहरिदासः, तिरुपतिः
12.	दर्शनशास्त्रस्य प्रासंगिकता	डॉ.देवनारायण, दरभंगा
13.	न्यायवैशेषिकदर्शने ईश्वरसमीक्षा	चिन्मय मण्डलः, यादवपुर वि.वि.
14.	राधैव कृष्णस्य प्रियतमा,	नौनिहालगौतमः, सागर म.प्र.
15.	सृष्टिप्रक्रियासंदर्भे वेद, सांख्य एवं वेदान्तदर्शनंच	डॉ.रामप्यारे मिश्रः, हजारीबाग
16.	सांख्याद्वैतोक्तप्रकृतितत्त्वविवेचनम्	तपन कुमार घडाइ, तिरुपति
17.	अभिनवगुप्तकृतभाष्यदृशा श्रीमद्-भगवद्गीतायाः दार्शनिकं चिन्तनम्	हरीशकुमारः, दिल्ली वि.वि.
18.	सूर्यस्य आध्यात्मिक महत्त्वं	रिंकु गुइं, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
19.	प्राच्य-पाश्चात्यदर्शनेषु अवयव-पदार्थनुशीलनम्	श्रीशुभाशीष भट्टाचार्य, हावड़ा
20.	उदयनकृते न्यायकुसुमान्जलौ ईश्वरसाधक-हेतुनां समीक्षणम्	डॉ.चन्दन भट्टाचार्यः, मालदह,प.बं.
21.	म.म.श्रीहरिहरकृपालुद्विवेदीदृश्ट्या मीमांसा-भिमते आत्मतत्त्वविवेचनम्	रिंकुकौशिकः, दिल्ली वि.वि.
22.	विधिवादानुसारेण ब्रह्मणः स्वप्रकाशत्वस्थापनम्	श्रीदेवांजनदासः, कोलकाता

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

23.	न्यायदर्शने प्रमासमीक्षा	डॉ.तपनशंकर भट्टाचार्य, यादवपुर वि.वि.
24.	शिवलिंगोपासना रहस्य-विवेचन	वागीश आनन्द, बेगुसराय,बिहार
25.	कालज्ञाने प्रमाणविमर्शः	रविप्रभातः, दिल्ली वि.वि.
26.	राजयोगविचारः	डॉ.सत्य स्वरूप बाजपेयी, पुरी
27.	न्यायदृष्ट्याऽनुमानप्रमाणमीमांसा	डॉ.महेश झा, आर.एस.एस. पुरी
28.	शब्दब्रह्मणः समीक्षा	डॉ.उदयशंकर झा, चन्दौली, उ.प्र.
29.	आगमेषु उतसवः	डॉ.शीतल प्रसाद पाण्डेय, बी.एच.यू. वाराणसी
30.	प्रसारणाख्यव्याख्यानुसारेण विभुत्वचिारः	श्रुथि पी.ए. केरल
31.	योगदर्शने सिद्धयः	मुनीश भारती,
32.	तन्त्रागमपरम्परां लक्ष्मणजूमहोदयानां योगदानम्	नरेन्द्र भारती, ...
33.	वेदान्तदर्शने शिक्षा	डॉ.नीलाभ तिवारी,

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

	आर.एस.एस.भोपाल
34. व्याकरणे वाक्यपदीये वर्णितस्य शब्दतत्वस्य व्यवहारिक पक्षः	रामानुग्रह शर्मा, रांची
35. न्यायाभिमतमोक्षस्वरूपम्	डॉ.प्रियव्रत वेहेरा, वालेश्वरम्
36. निगमागमयोरन्तस्संबंधः शैवागमसन्दर्भे	प्रो.उमारानी त्रिपाठी, वाराणसी
37. भाट्टमीमांसायां तत्वचतुष्ट्यम्	सोमनाथ नेने काशी हिन्दू वि.वि.
38. पंचविंशति सदाशिवः	मनीष कुमार, दिल्ली
39. नारायणीये भक्तिदर्शनम्	....
40. उपनिषदों में मोक्ष की अवधारणा	डॉ.रत्ना पाण्डेय, कानपुर
41. उपनिषदों में योग तत्व विवेचन	डॉ.सत्यभामा श्रीवास्तवा, बहराइच
42. बृहदारण्यकोपनिषद् में माया (अविद्या)	सूरज भान, यमुनानगर
43. अखिल ब्रह्माण्ड में अद्वैत दर्शन	डॉ.उमाकान्त राय, बी.एच.यू.वाराणसी
44. मानमनोहर में वर्णित दार्शनिक ततवों की संक्षिप्त मीमांसा	डॉ.भूपेन्द्र कुमार राठोर, बड़वा,कोटा

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

45. आचार्य विनोबा भावे द्वारा अद्वैत का नाविन्यकरण	श्री नीतिन जोशी, मुंबई
46. मूलाचार में तत्वार्थसूत्र का अनुकरण न्हीं	पुष्पा कुमारी, आरा
47. प्रमुख उपनिषदों में ब्रह्म का स्वरूप : एक दृष्टि	डॉ.शशिप्रभा, पटना
48. श्रीकृष्ण का भक्ति योग	कल्याणी, दरभंगा
49. योग एवं अद्वैतवेदान्त दर्शन के अनुसार आगमवृत्ति की उपादेयता	उर्वशी श्रीवास्तव, काशी हिन्दू वि.वि.वाराणसी
50. प्रतिबिम्बवाद और अवच्छेदवाद में जीव एवं ईश्वर	दिव्याराय, काशी हिन्दू वि.विं.वाराणसी
51. ब्रह्मसूत्र के अपशूद्राधिकरण का आलोचनात्मक अध्ययन (ब्रह्मसूत्र पर रचित भाष्यों के परिप्रेक्ष्य में)	ज्योति, दिल्ली वि.वि.
52. सांख्य में द्वैतवाद	वसुधा, आरा,बिहार
53. योगदर्शन के अनुसार कैवल्य निरूपण	उषा शर्मा जम्मू वि.वि.
54. कालिदास का जीवन दर्शन,	अखिलेश्वर पाठक, हजारीबाग झारखण्ड
55. कास्मीर शैवागम में शिव-शक्ति का सामरस्य	शरद शुक्ला, गोरखपुर

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

56.	आचार्य शंकर की तर्क–विषयक अवधारणा	अवधेश प्रताप सिंह, दिल्ली वि.वि.
57.	सांख्यदर्शन में प्रमा एवं अप्रता	आशीष कुमार, काशी हिन्दू वि.वि.
58.	ईश्वर के त्रयीमय रूपों की अवधारणा – एक खोज	प्रो.धनजी तिवारी भोजपुर, आरा
59.	अद्वैतवेदान्त में तर्क की भूमिका	डॉ.मनीष पाण्डेय, बराबंकी,उ.प्र.
60.	भारतीय दर्शन के आधार पर प्रमाण का स्वरूप	कुन्ती देवी, जम्मू वि.वि.
61.	वैयाकरण दार्शनिक के रूप में हरदत मिश्र का मूल्याकंन	सुखराम, दिल्ली वि.वि.
62.	प्रवचनसार का दार्शनिक वैशिष्ट्य	डॉ श्वेता जैन, लाउनूं
63.	न्यायविद्या : स्वरूप एवं परम्परा	डॉ.योगेश कुमार जैन, लाउनूं
64.	भारतीय ज्ञान मीमांसा में पंचख्यातियों का योगदान	राहुल शर्मा, जम्मू वि.वि.
65.	योगदर्शन के नियमों की वर्तमानकालीन प्रासंगिकता	शालु शर्मा, जम्मू वि.वि.
66.	अद्वैत वेदान्त और जीवन दर्शन – एक दृष्टि	श्वेता सम्वयाल, जम्मू वि.वि.
67.	शांकरवेदान्त में अध्यासवाद	कपिल गौतम, जे.एन.यू. नई दिल्ली

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

68.सांख्य योग दर्शन की ज्ञानप्रक्रिया में अन्तःकरण की भूमिका	पूजा बुन्देल, नई दिल्ली
69. मिथिला एवं तन्त्रोक्त पंचमकारों का स्वरूप	डॉ.विघ्नेश चन्द्र झा, मधुबनी
70. सांख्तत्वकौमुदी की उपलब्द टीकाओं का सर्वेक्षण	अंकुर त्यागी, दिल्ली वि.वि.
71. वेदान्त दर्शन में हठयोग	पुनीत कुमार मिश्र .....
72. शुद्धाद्वैत मत में जीव का स्वरूप	डॉ.शशी शर्मा, मुजफ्फरपुर
73. पंचीकरण संकल्पना - वेदान्तसार और दासबोध के अनुसार	राधेश रंगनाथराव कुलकर्णी, पुणे वि.वि.
74. अद्वैत वेदान्त, पंचदशी तथा विद्यारण्य स्वामी	सुरेन्द्र कुमार तोसावड़ा, दिल्ली वि.वि.
75. उपनिषदों में ईश्वर का स्वरूप	रीमा देवी, कानपुर
76. द्वैत वेदान्त में व्याप्ति का स्वरूप	आशुतोष कुमार, दिल्ली वि.वि.
77. जैनशास्त्र में जीव (आत्मा) की सत्ता एवं स्वरूप	अशोक कुमार, जे.एन.यू. नई दिल्ली
78. योगदर्शन में मन की भूमिका	उमा मौर्या, जगन्नथपुर

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

79. काश्मीर शैवदर्शन में परमसत्ता	शिवानी वर्मा, जम्मू वि.वि.
80. शब्दार्थतर्कामृतम् में आलोचित न्याय –वैशेषिक दर्शन का द्रव्य पदार्थ	आशीष कुमार, इलाहाबाद
81. अद्वैत वेदान्त में पारमार्थिक प्रमा	डॉ.संतोष कुमार पाण्डेय, प्रतापगढ़
82. त्रिनाचिकेताग्नि का रहस्य	सौ सिशोरी अभ्यंकर, पुणे
83. प्रबोधचन्द्रोदय नाटक में ब्रह्म की अवधारणा	सूर्यभूषण दूबे, सिवान
84. कामायनी में दर्शन तत्व	सुधा कुमारी, ...
85. शांकरवेदान्तीय जगत् : एक तार्किक परीक्षण	सुरेश्वर मेहेर, जे.एन.यू. नई दिल्ली
86. मीमांसकों के अनुसार शाब्दबोध का स्वरूप	सोमवीर, दिल्ली वि.वि.
87. दशश्लोकी की टीका रत्नांजलि एवं रत्नमंजूषा की दृष्टि में जीव	शेफाली प्रियदर्शिनी, काशी हिन्दू वि.वि.
88. निरीश्वर सांख्य की अवधारणा का खण्डन	ममता सिंह, काशी हिन्दू वि.वि.
89. महाविद्या निरूपन एक दृष्टि	हरिचन्द्र ठाकुर, कुल्लू
90. मातृका से वर्णात्मक अण्ड–ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति	डॉ.ओम कुमार शर्मा, कुल्लू

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

91.	भारतीय दर्शन के अनुसार मोक्ष का स्वरूप	डॉ.रूचि मिश्रा, लखनऊ वि.वि.
92.	श्वेताश्वतरोपनिषद् मे सांख्य दर्शन का स्रोत	बबलू पाल, जे.एन.यू. नई दिल्ली
93.	काश्मीर शैवदर्शन में प्रकाश और विमर्श का अवधारणा	डॉ.दीप्तिशिखा श्रीवास्तव, लखनऊ
94.	अहिंसा तत्व का मनोवैज्ञानिक स्वरूप : एक विहंगावलोकन	हरेती लाल मीना, दिल्ली वि.वि.
95.	काल तत्व चिन्तन : वैशेषिकदर्शन के परिप्रेक्ष में	सुशीला कुमारी, दिल्ली वि.वि.
96.	प्रत्यक्ष प्रमाण का शास्त्रीय रूप एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आलोचन	डॉ.स्वाति गुप्ता, नैनीताल
97.	उपनिषदों का जीवन के प्रति दृष्टिकोण	डॉ.दीपक कुमार, आरा,बिहार
98.	दानतत्वविमर्श	संतोष कुमार मिश्रा, बेगूसराय
99.	महासरस्वतीतत्व-विमर्श	सविता सुमन, समस्तीपुर,बिहार
100.	आचार्य मधुसूदन सरस्वती सम्मत मिथ्यात्व	सुजीत कुमार पाण्डेय, दिल्ली वि.वि.
101.	वेदान्त दर्शन में माया की समीक्षा	अनामिका, आरा, बिहार
102.	वैशेषिक दर्शन के अनुसार पदार्थो की समीक्षा	खुशबू कुमारी, आरा, बिहार

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

103.	कबीर के समाज दर्शन की प्रासंगिकता	जयंतीमाला, दरभंगा
104.	आचार्य विज्ञानभिक्षु की दृष्टि में सांख्य-दर्शन में ईश्वर की अवधारणा	मनीषा कुमारी, जे.एन.यू.नई दिल्ली
105.	कठोपनिषद् में व्यक्त और अव्यक्त की अवधारणा	डॉ.सुधा पाण्डेय, इलाहाबाद
106.	शिक्षा दर्शन में स्वामी विवेकानन्द का योगदान	डॉ.नगेन्द्र नाथ झा, आर.एस.एस. जम्मू
107.	वैयाकरण दार्शनिक के रूप में हरदत्त मिश्र का मूल्यांकन	सुख राम, दिल्ली वि.वि.
108.	सामाजिक संरचना दर्शन की भूमिका : मूल्यों के संदर्भ में	डॉ.मिथिलेश कुमार, पटना
109.	आत्मा एवं पुनर्जन्म - एक अध्ययन	डॉ.नरेश प्रसाद यादव, पटना
110.	उपषिद् दर्शन एवं काश्मीर शैवदर्शन में प्रकाश की अवधारणा	प्रदीप, जे.एन.यू
111.	अद्वैत वेदान्त, पंचदशी तथा विद्यारण्य स्वामी	कुमार तोसावडा, दिल्ली वि.वि.
112.	पृथ्वी के आधारत्व का दार्शनिक अनुशीलन	आचार्य ध्रुवपति पाण्डेय, बलिया, उ.प्र.
113.	आराधना का स्वरूप	वीरेन्द्र जैन, बरा म.प्र. एवं रामनरेश जैन, लाडनूं

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

114.	प्रत्यभिज्ञादर्शन में आभास वाद : एक विमर्श	डॉ.इन्दु शर्मा, सहारनपुर, उ.प्र.
115.	सांख्य और वेदान्त में अतीन्द्रिय मन का इन्द्रियत्व	डॉ.विकास शुक्ल, गोहद, म.प्र.
116.	व्यक्तित्व के सर्वांगीन विकास के संदर्भ में महर्षि पतंजलि के अष्टांग योग दर्शन की प्रासंगिकता	डॉ.अमिता मिश्रा, प्रतापगढ़
117.	कबीर की भक्ति भावना	संतोष कुमार, दरभंगा
118.	तत्त्वार्थसूत्र में मूलाचार का अनुकरण	अमृता सिंह, आरा,बिहार
119.	चार्वाक सम्मत पुरुषार्थ	कर्मबीर सिंह सिहाग, हिसार
120.	शक्तिविशिष्टाद्वैत दर्शन में शक्ति(नारी) का स्वरूप	प्रवीण कुमार द्विवेदी जे.एन.यू.
121.	चार्वाक दर्शन के अनुसार व्याप्ति का खण्डन	डॉ.अनीता राजपाल, दिल्ली वि.वि.
122.	अष्टांगयोग में दूसरे अंग नियम की अनिवार्यता	जितेन्द्र ब्रह्मभट्ट, खेड़ा गुजरात
123.	आधुनिक हिन्दी के कवि श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के काव्य में दार्शनिकता	....
124.	कर्म एवं पुनर्जन्म – एक समीक्षा–त्मक दृष्टिकोण	डॉ.ब्रजेश्वर प्रसाद सिंह, पटना

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

125. महारामायण में अद्वैत का स्वरूप — डॉ.मोहम्मद शरीफ, अलीगढ़

126. श्रीमद्भगवद्गीता का कर्मयोग : एक दृष्टि — डॉ.अनुज रजक, आरा, बिहार

127. दुःखनिवृत्ति में गीता का योगदान — डॉ.सुचित्रा, हिसार

128. भारतीय दर्शन और महानुभाव दर्शन — ई.श्री.प्रेममुनी ऋषिराजशास्त्री पंजाबी, अहमद नगर

129. वर्तमान परिवेश में आर्य अष्टांगिक मार्ग — अमिताभ उपाध्याय, काशी हिन्दू वि.वि.

130. काश्मीर शैवागम एवं भर्तृहरि का कालदर्शन — अनिरुद्ध ओझा, दिल्ली वि.वि.

131. सूर की कृष्ण भावना — डॉ.सुभद्रा साहा, दरभंगा

132. वैशेषिकदर्शन में साधर्म्य का स्वरूप — अनिता मीना, जे.एन.यू.

133. हरिभद्रसूरिकृत षड्दर्शन समुच्चय में प्रमाण विचार — प्रदीप शर्मा लुइटेल, आर.एस.एस.लखनउ

134. मोक्षाकरगुप्तकृत तर्कभाषा में प्रमाण विचार — अतुल कुमार श्रीवास्तव, आर.एस.एस.लखनउ

135. कश्मीर सूफी काव्य को ललेश्वरी का दार्शनिक योगदान — नीलोफर हमीद, कश्मीर वि.वि.

136. योग और हम, — विश्वामित्र शास्त्री, भिवानी हरियाना

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

137. श्रीमद्भगवद् गीता में कर्मवाद — सुभाष शास्त्री, भिवानी हरियाना

138. वेद बाइबिल एवं कुरान शरीफ में सृष्टि उत्पत्ति, — इन्द्र राणा, कु.वि.वि. नैनीताल

139. तान्त्रिक साहित्य में गुरु शिष्य संबन्ध, — प्रो.रमाशंकर मिश्र, लखनउ

140. तान्त्रिक क्रियाओं में वर्ण व्यवस्था– एक तान्त्रिक दृष्टि — डॉ.ऋचा मिश्रा, लखनऊ

141. शिक्षक–शिक्षा के संदर्भ में वैदिक दर्शन की अवधारणा, — डॉ.गीता शुकला, एवं मनोज कुमार, प्रताप गढ़

142. प्रभाकरमीमांसा में ज्ञान का स्वरूप — ......

143. कुन्ती की चारित्रिक विशेषताएं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में — ......

144. सूर के इ�ट : परब्रह्म एवं लोक–उद्धारक — डॉ. (श्रीमती) पद्मा वशि�ठ, करनाल (हरियाणा)

145. प्रत्यभिज्ञा दर्शन म �ाक्तिपात — सलेन्द्र सिंह, सहायकाचार्य, रॉमहाविद्यालय नलवा (हिसार)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

146.	वल्लभाचार्य के मत में ब्रह्म का स्वरूप	**विनोद परमार** **संस्कृत विभाग** **नोर्थ विश्वविद्यालय गुजरात**
147.	महर्शि श्री अरविंद के प्रत्ययवाद का दार्षनिक विष्लेशण	प्रो0 सुनीता झा व्याख्याता,गृह विज्ञान विभाग अयाची मिथिला महिला महाविद्यालय बहेड़ा, बेनीपुर (दरभंगा)
148.	फविटगेन्स्टाइन का संषयवाद पर विचारय	संजीव वीर सिंह प्रियदर्षी एम.पिफल्. ;षोध्–छात्राद्ध दिल्ली विष्वविद्यालय दिल्ली
149.	षंखस्मृति में प्रतिपादित अध्यात्म–चिन्तन के मूल–तत्त्व	**सु□मा देवी □ोध–छात्राा** **संस्कृत–विभाग, दिल्ली** **विश्वविद्यालय,** **दिल्ली**
150.	आचार्य हरभिद्रसूरकृित षड्दर्शनसमुच्चय में 'ईश्वर' तत्त्व।	**Dr. Tarun Kumar Dwivedi** Unmesha research Institute of Indology, no- 113, Fort Mohalla, Mysore, Karnataka
151.	अखिल बठ्ठष्णाण्ड में अैत दर्शन	**डॉ० उमावझन्त राए** **ँ-३१/१३, ७-८,** **मालवीए वुंझ्ज, लंवझ,** **बी०एह्रा०ए., वाराणसी**

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

152	**भारतीय दर्शन में ाब्दतत्त्व की अवधारणा**	**डॉ0 महेश्वर मिश्र** सहायक प्रोफेसर, दर्षन विभाग कोषी कॉलेज, खगड़िया (तिलकामांझी भागलपुर विष्वविद्यालय)
153.	श्री कृश्ण का भक्ति योग	**झंसलंदप ;त्मेमंतबी ैबीवसंतद्ध** ैदोतपज क्मचंतजउमदज स्ण्छण्डण्न्ण्ए क्तइींदहं
154.	**व्याकरण–दर्शने भौवागमचिन्तनम**	डा. श्रीमती पूर्णिमा(पाठक) केळकर व्याख्यात्री संस्कृतविभागे इन्दिरा कला सङ्गीत विश्वविद्यालयः खैरागढ़म् (छत्तीसगढराज्यम्)
155.	**चित्त परिकर्म के रूप में ब्रह्म–विहार**	**सुनीता (कुरुक्षेत्र)**
156.	भारतीय दर्षन में निर्विकल्पक ज्ञान का स्वरूप : एक विष्लेशण	डॉ. अंजना षर्मा, सहायक आचार्य, संस्कृत, दर्षन एवं वैदिक अध्ययन विभाग, वनस्थली विद्यापीठ (राज.)
157.	''साहित्यषास्त्रो दर्षस्य अवदानम्।''	**डा0 त्रिलोक नाथ झा** **सहायक प्रोफेसर (साहित्य)** **राजकुमारी गणेष्ठा ष्टार्मा संस्कृत विद्यापीठ** **कोलहन्टा पटोरी दरभंगा (बिहा**
158.	''न्यायमते पदार्थविचारः''	नवोनाथ झा ग्राम–होरलपट्टी, पो०–आनन्दपुर, जिला–दरभंगा (बिहा
159.	''न्यायमते मोक्षस्वरुपविमर्षः''	ष्टाष्ठि नाथ झा ग्राम–होरलपट्टी, पो०–आनन्दपुर, जिला–दरभंगा (बिहा

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

160.	आचार्य भास्कर और उनका दर्शन	ब्रह्मदेव षोध–छात्र संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विष्वविद्यालय इलाहाबाद
161.	आत्मदर्शन : भारतीय संस्कृति का मूलाधार	डॉ. कादम्बरी षर्मा सहा. प्राध्या. (संस्कृत) षासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
162.	मोक्ष प्राप्ति में मन की प्रधनता	आभा द्बेवदी षोध्च्छात्रा, संस्कृत–विभाग, पटना विष्वविद्यालय, पटना
163.	" पण्डि में ब्रह्माण्ड समाया "	डॉ. दलिखुश यु. पटेल श्रीमती सी. आर. गार्डी आर्ट्स कोलेज, मुनपुर, तहसलि- कडाणा
164.	अद्वैतवेदान्ते जगत्कारणत्वनिरूपणम्	शकुन्तला भ
165	Tantric Practices of Pancha M_Karas and the Significance	Dr. Sumitra Purkayastha (Assam)
166	Subject and object in the Indian philosophies(visayi-Vusaya –Vicarah)	Prof. Shankarji Jha (Chandigarh)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

167	Generality – Adistinguished Category in the Vaisesika	Purnima Gosh (Kolkata)
168	Philosophy of sree Narayana Guru	Sarath. K.P (Kalady)
169	Grammatical and Philosophical aspects of the term Anusvara	Renil Dev M.R (Kalady)
170	Concept of purusa in samkhya philosophy	Sooraj. R.S (Kerala)
171	Krishna Madhav jha and his works	Dr. Davendra Pradhan (Baleshwar)
172	Contribution of K.M Jha to navya nyaya philosophy	Shree Omprakash Garg (Nagpur)
173	Divakara and Navya – nyaya: Acritical study	Chinmaya Biswal (Bhuvaneswar)
174	Spritualism versus Mysticism	Prof.Shakuntala Punjani (New Delhi)
175	Philosophical Foundation of Mental peace in Sankhya – yoga philosophy	Dr. Manoj Kuma (Muzaffarpur)
176	Stress management in patanjala yoga darshan An analytical study	Dr. Khagendra patra (Odisha)
177	Silence : Philosophers' last refuge	Debashis Ghosh (Kolkata)
178	Indian tradition reflected in Gandhian thought	Dr.M.S. Muraleedharan Pillai (Kalady)
179	The Upanisadic Concept of Upasana as conducive to Moksa and its connection to Bhakti : An Exposition.	Dr. Bagmita Sandilya (Assam)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

180	The concept of Akanksa in the light of MIMAMSA philosophy	Rashivi Devi (Assam)
181	Characteristics of Cinnaswami's Mimamsa explanation method	Asheesh Kumar (New Delhi)
182	Rabindranath Tagore's Philosophy and the Isopanisad	Dipali Misra (Kolkata)
183	Gandhi's concept of Non-violence and that of the Bhagvadgita	Anjali Bhattacharyya (Kolkata)
184	Pramanamimamsa in Samkhya philosophy	Akhil.K.R (Kalady)
185	A Philosophical study of Dream Analysis in prasnopanishad	Ancy.k.j (kerala)
186	Social Relavance of Eight limbs of Samyak Darshan	Dr. Samani Shashi Prajna (Rajastan)
187	Educational philosophy of Sri Narayana Guru	Abdul Laheef (Kalady)
188	Concept of Saksibhasyatva. The subtleness of experience	Dr. K. Muthulekshmi (Kerala)
189	Finding out an example of Laukika Nyaya	Dr. Mrs Ranjana Date (Pune)
190	Sanskrit Creations of Swami Vivekanand	Dr. Sharada R Gadge (Nagpur)
191	Sufism in Kerala A Different Experience	Abdul Gafoor P. (Kerala)
192	Jnanaprabodhamanjari : An unpublished text of Vedanta philosophy	Prof. somnath Sarkar (West Bengal)
193	Philosophy of Adi Shankara	Prajith K.P (Kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

194	Acaramimamsa in Samkhya philosophy	Geethu.S.Nath (Kerala)
195	Concept of Dharma in sri Narayana Guru's Philosophy	Dr. S. Sureshkumar (Kerala)
196	Siva is the supreme Brahma: Appayadiksita's Views	Dr. T. Ganesan (Pondicherry)
197	Treatment of Philosophy in Asvaghosha's Buddhacharita	Dr.K.K.Ambikadevi (Kerala)
198	Mahayoga : " Sa Vidya Ya Vimuktaye"	Mrs. Asmita Hemant Deshpande Mr. Hemant Digamber Deshpande
199	Historical Survey of Samkhya Philosophy	Priyadharsan I (Trivandrum)
200	Reformation in the philosophy of Sree Narayana Guru	Bineesh E.K (Kerala)
201	The concept of Death *in the philosophy of Sant Kabir*	Sudha Pandit (Pune)
202	Consciousness _ The rationalization of Multidimensional universe	Dr. K.V Suresh (Kalady)
203	Human Values in YOGA in relation to personality Development	Dr. (Mrs) Surekha Das (Odisha)
204	Significance of Murti Worship in Vaisnavism	Pranaw Kumar (Kalady)
205	The Philosophy of Madhvacarya	Divya Subran (Kalady)
206	Philosophy of Ramanuja	Santhini.V.M (Kalady)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

207	Concept of Soul in Indian Philosophy	Elizabeth.T.Jones (Kerala)
208	Early Phase in Vivarana School of Advaita Vedanta	Anu.K.S (Kalady)
209	Concept of Rebirth in Upanisads _ Special Reference in Brahadaranyaka Upanisad	Gish K Narayanan (Kalady)
210	Philosophy of Sri Ramakrsna Pramahamsa	Sheena C.V (Kalady)
211	A View of the Uncertanity Principal in Yogdarshan	Dr. D.G Adroja (Bharuch)
212	Human Values in YOGA in relation to personality development	Dr (Mrs) Surekha Das (Cuttack)
213	Concept of reflection (As used by Indian Philosophy]ical Systems)	Surabhi Verma (Chandigrah)
214	Karma in Hindu political Philosophy	Dr. Umesh Kumar (Ara Bihar)
215	The monism of Advaita and its approach to Human Life	Deonath Triphathi (CCAS, Pune)
216	Elements of Truth in Conventional Historiography: A Philosophical Overview	Jonshan kuruvila
217	The Awakening of the Soul	Vishwa Deepak Tamilnadu
218	The Oneness of Akasha and prana-In Vedanta, Seience	Kakali Sarkar Nadia W.B

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

219	Sabdanuvidham Jnanam A Theroy of Knowladge by Bharthari	Dr. Rajni Srivastava
220	Philisophical implications of Lingustic analysis in Pratyabhijna system of Kashmir	Dr. Meera Rastogi (Lucknow)
221	Gender Prespective in the Yogavasishtha	Dr. Deepali bhanot (Delhi)
222	The Concept of Mond- A Study in the Light of Mandukya Karika	Veena Raj (Pune, Maharashtra)
223	Mysicism in Virashaivism	Dr. V.K hampiholi (Kumta Karnatak)
224	Concept of soul in Indian philosophy	Elizabeth T.Jones (kerala)
225	Arjuna Visaada-Yoga--- A Foothold of personality	Archana M. Amalkar
226	Human Values in YOGA in relation to personality Development	Dr.(Mrs) Surekha Das (Athgrah,cuttak)
227	A glance at Aurobindo's philosophy	Samikshya Gohain (Dibrugrah University)
228	A revolutionary Exponent in the Field of Vedant	Acharya varadarjan.R (Vadodara)
229	Comprasion between Yoga of Patnajali and Shrimad Bhagavad Geeta	Neel Kulkarni
230	Yoga and its Therapeutic Value	Dr. Subhas Chandra tripathy (Odasha)
231	Concept of Jiva in Advaita Vedanta	Navaneeth k.K (Kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

232	An overview of Sankara's trantic Literary Works	Vishnu Anand N
233	Is there any Hierarchy (Tarantamyabhava) in the Ananda to Brahmananda?	Dr. Vijay Pandya
234	The Concept of Samkhya and Yoga Philosophy as reflected in the Visnupurana	Prof.Dr. (Mrs) Mukta Biswas (Gauhati)
235	Discrimination beteen Atman and Five Sheaths in Advaita Vedanta Philosophy	Divyank (Kalady)
236	The apt use of Upanisadic Quotation in Adi Sankarachayya's prakarana granth-Prabodhasudhakara	Mrs. Dhanashree D. Bhide
237	Concept of sakti in Veda & Vedanta	Dr. Shweta Avdhoot Jejurkar (Vadodara)
238	Influence of Spandasastra in Abhinavagupta's Philosophy	Nirmala.V (Kalady)
239	Commantaries of Samkhyakarika: An analytical survey	Annada Kumari Sadangi (Chennai)
240	A Brief Study of the relation between Logic and Natural Seiences	Dr. Shail Kumari (University of Kashmir)
241	Preception in Carvaka Philosophy	Dr. Asima Bhattacharjee (Carchar College, Slichar)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Religion Section--12

Title of Paper	Name of Author
1. दर्शपूर्णमासेष्टौ कामना	सपरे अकल्पिता, पुणे
2. वैदिक वाङ्मये धर्मविवेचनम्	डॉ.राकाश कुमार शर्मा, शिमला
3. धर्मशास्त्रदृष्ट्या बाल्यसंस्काराः	...
4. गीता में धर्म	अखिलेन्द्र कुमार झा, रांची
5. डॉ.भगवान दास की सार्वभौम धर्म सम्बन्धी अवधरणा	डॉ.मीरा देवी वर्मा, रांची वि.वि.
6. स्वामी विवेकानंद का सार्वभौम धर्म	डॉ.पुष्पा सिंह, रांची
7. प्रथम धर्म चक्र प्रवर्तन	डॉ.माधवी तिवारी, काशी. हिन्दू वि.वि.
8. ज्ञातृधर्म कथा में वर्णित नीति एवं आचार	प्रो. सुशील कुमार, रोहतास, बिहार
9. हिन्दू संस्कार की धार्मिक पृष्ठभूमि और भारतीय महिलाएँ	पूनम कुमारी, दरभंगा
10. बौद्ध धर्म विवेकानन्द की दृष्टि में	डॉ श्रीप्रकाशराय, आरा, बिहार
11. वैदिक धर्म की प्रकृति : एक विश्लेषण	डॉ.हरेन्द्र कुमार सिंह, आरा,बिहार

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

12. मनुस्मृति में ब्रह्मचर्याश्रम व्यवस्था	श्री मनोज कुमार पाण्डेय रांची
13. मुख्य स्मृतिग्रन्थों में विवाह संस्कार के प्रकार	पुरुषोतम दास, जम्मू वि.वि.
14. भारतीय धर्मशासत्रों में परुषार्थ चतुष्ट्य	डॉ.मारूफ उर रहमान, नई दिल्ली
15. नामकरण संस्कार : एक विमर्श	सत्यप्रिय आर्य, जम्मू वि.वि.
16. गोत्र मीमांसा : एक अध्ययन	डॉ.दूधनाथ चौधरी, आरा,बिहार
17. धर्म शास्त्रीय ग्रन्थों में धार्मिक–कृत्य	सन्दीपका भरान, जम्मू वि.वि.
18. धर्म के मूल तत्व	डॉ.बाबूराम, कुरुक्षेत्र वि.वि.
19. दिनकर के काव्य में राष्ट्र धर्म	डॉ.सतीश कुमार, दरभंगा
20. मनुसमृति में निहित आचार–विज्ञान : एक अनुशीलन	नेहा तिवारी, इलाहाबाद
21. पूर्वमध्यकालीन मिथिला में धर्म–दर्शन	सुशान्त कुमार, बेगूसराय,बिहार
22. वर्तमान दौर में धर्म और स्वत्वबोध	ज्योथि कृष्णन, केरल
23. धर्मशास्त्रों में प्रतिपादित धर्म का स्वरूप वर्तमान परिवेश में	डॉ.अतिया दानिश, ...
24. धर्म का उद्भव, विकाश, आवश्यक्ता और धार्मिक सहिष्णुता	चौधरी राजेन्द्र कुमार, पाण्डिच्चेरी वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

25. वर्तमान में धर्म की प्रासंगिकता	शास्त्री शक्ति धर, गांजबड़,हरियाना
26. संस्कृत साहित्य में धर्म भावना	डॉ.हरिसिंह शास्त्री, गुडगांव
27. बौद्ध तथा जैन धर्म का वैदिक परंपरा से साम्य,	डॉ.दीपा गुप्ता, हरदोई उ.प्र.
28. मानव धर्म और गीता दर्शन	....
29. विश्व के समस्त धर्मो में पुण्य का महत्व	डॉ.ब्रह्मा, हरदोई उ.प्र.
30. वैदिक धर्म में मिथिला का योगदान,	डॉ.अवनीन्द्र कुमार झा, दरभंगा
31. भागवत धर्म के संदर्भ में आलवार –भक्ति और औड़िशी भक्ति	डॉ.रवीन्द्रनाथ मिश्र, भुवनेश्वर
32. सर्वधर्म सहिष्णुता : एक विवेचन	डॉ.सुलेखा देवी, भागलपुर
33. वैदिक धर्म	रोली गुप्ता, कानपुर
34. वत्सगोत्रीय प्रवर विचार	डॉ.उदयनाथ झा अशोक आर.एस.एस.इलाहाबाद
35. वैदिक धर्माचरण की सर्वग्राह्यता में स्मृति–शास्त्रों की उपादेयता	डॉ.चन्द्रनाथ झा, दरभंगा
36. वैदिक, बौद्ध और पारसी धर्मो में भावी उद्धारक की अवधारणा : एक विमर्श	सोनल सिंह, आर.एस.एस.लखनऊ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

37. दलित अस्मिता हिन्दू धर्म में : दक्षिण तथा उत्तर का तुलनात्मक अध्ययन	रेष्मा प्रेमकुमार पि., कालटि
38. व्यास एवं धर्म का स्वरूप ,	किरण सिंह, आर.एस.एस.दिल्ली
39. आधुनिक परिस्थितियों में गीता का धर्म	डॉ.अभिमन्यु सिंह, लखनऊ वि.वि.
40. मतविलास प्रहसन में धार्मिक स्थिति	मंजु देवी, जम्मू वि.वि.
41. भारतीय संस्कृति में वैदिकधर्म की भूमिका	डॉ.सीमा राय, रुडकी
42. धर्म और विज्ञान	प्रो.अशोक शर्मा, ज्जानाबाद
43. धर्मशास्त्र में वर्णित जाति आधारित कर्म	उपाध्याय आशुतोष दतप्रसाद, एम.एस.वि.वि.बडोदा
44. धर्मशास्त्रों में वर्णित विवाह के आठ प्रकार	उपाध्याय पलक कुमार डी, एम.एस.वि.वि.बडोदा
45. सर्वधर्म सहिष्णुता : एक विवेचन, भागलपुर	डॉ.सुलेखी देवी,
46. वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में धर्म की प्रांसगिकता	डॉ0 कामना जैन एसिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, एस0एस0डी0पी0सी0 (पी0जी0) कालेज, रूड़की

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

47.	आचार्य वल्लभ का पुश्टिमार्ग	डॉ० गिरीष्ठा कुमार पी.जी.टी. (हिन्दी) राजकुमारी गणेष्ठा ष्टार्मा संस्कृत विद्यापीठ को.पटोरी, दरभंगा (बिहा
48.	खिस्तीय धर्मसिद्धान्त – साम्प्रतिक दृश्टि	श्रीमती दीपिका टोप्पो वरीय व्याख्याता, संस्कृत विभाग, डोरन्डा महाविद्यालय, राँची विष्वविद्यालय, राँची (झारखण्ड)
49.	मनुस्मृति में प्रतिफलित प्रबन्धन	डॉ.विजय शंकर द्विवेदी , ठलाहाबाद
50.	वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में धर्म की प्रांसगिकता	डॉ0 कामना जैन एसिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, एस0एस0डी0पी0सी0 (पी0जी0) कालेज, रूड़की
51	Different Religious Beliefs Depicted in The Harsacarita	Sanghita Chakravarty (Gauhati)
52	Sarna Religion : Love & Faith With Nature	Rashmi Munda (Ranchi)
53	Religions of 19th century A Study on Mahima Dharma in Odisha	Dr. Bishnu P. Panda (Odisha)
54	Mahalaksmi Vratas in Odisha	Basanta Manjari Dash (Odisha)
55	Moral Values In Islam	Dr. Nisar Ahamed (Tirupati)
56	Islam And Peace	Dr. M.Ameenulla (Tirupati,AP)
57	The place of reason in the religion of Swami Vivekananda	Pradeepkumar Mane, (Pune)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

58	The Religious Precodure of Merudanas in Dharamashastra	Prof. Brijesh Kumar Shukla (Lucknoe University, Lucknow)
59	Ritualistic Signifiance of Tulasi: A Study	Dr. Dhananjay Vasudeo Dwiviedi (Ranchi College, Ranchi)
60	Significance of Murti Worship in Vaisnavism	
61	Rajadharma In the Ramayana and its revelance to thr Contemporary Society	Dr. Kshitiswae Dash (Odisha)
62	Concept of Dharma in Vaisesika Philosophy	Dr. S. Sivakumar (Regional Centre, Thrissur)
63	Concept of Morality- A Study	Dr. Indra Saikia Bora (Assam)
64	Grhasthasrama As Reflected in the Dharmasastra	Arundhati Goswami (Guwahati)
65	Concept of God In Vedic Religion- A Brief Study	Barnali Deka (Gauhati , Assam)
66	Impact of Varnasrama-Dharma on Kalidasa	Sohini Deb (Nandi) (Tripura University)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Dravidic Studies Section—13

S.No	Title of the Paper	Name of Author
1	The contribution of Sanskrit Literature in the writing of Kerala history	Dr. Sheera R.S (Kerala)
2	Cyber Space of Education in Kerala	Raji. A.C
3	The Origin and Development of Cochin Port-A Look back	Zoujath K.Z Kalady
4	Kusava's of central Kerala: Transaction and Transformation	Sreekanth Sreedharan (Kerala)
5	Dalit Social Movement in Kochi and Lincoln of Kerala	Vinanyan M.C (Kerala)
6	Social and Religious Renaisance in South India	Ashadevi .R (Kerala)
7	Salient Features of kerala School Mathematics	Vrinda P.M (Calicut)
8	Christianity, Colonialism and Indigenous Communites in Kerala- A case study of Missionary Politics and Dalit Christans in Central Kerala	Jemin Joseph (Kerala)
9	Development Project and Regional response in Karanatka During Colonial period	Dr. Shankar Bhat Kumta
10	Dravidian words in Sanskrit: An attempt at Identification	Madhu Sharma
11	Foods habits of South india as gleaned through classical Sanskrit sources	Sreeja.K.N (Calicut, kerala)
12	Enactment of Bhasa's Plays in Kerala theatre	Dhanasurjith D (Kalady)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

13	Keralite Commenteries on Kumarasambhava	Prajitha P.V (Kerala)
14	An Abstract on Identification and study of the Dravidian Languages	Sudha Mary Thomas Kerala

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Technical Sciences and Fine Arts Section--14

S.No	Title of Paper	Name of Author
1.	कथकलिकायां नाट्यशास्त्रतत्वानि	डॉ.पी.एम.दामोदरण, केरल
2.	चिकित्साविज्ञाने वनस्पतिनां उपादेयता	भाग्यश्री रायः, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
3.	भगवद्गीतोपनिषत् नामकरणस्य वैज्ञानिकता	मोहिनी अरोरा, आर.एस.एस. भोपाल
4.	ज्योतिष शास्त्रेषु अरिष्ट विवेचनम्	डॉ.गोरी कान्त झा, ...
5.	संस्कृतसाहित्ये रसायनम्	डॉ.राजेन्द्र, अम्बाला
6.	जातकजीवने ग्रहप्रभावः	डॉ.भारतभूषण मिश्रः, कोटभलवालः जम्मू
7.	ज्योतिषशास्त्रस्य वैज्ञानिकता	श्रीनिवासपण्डा, तिरुपतिः
8.	निरुक्ते चिकित्साविवेचनम्	डॉ.सन्तोष कुमार पाण्डेय, रांची
9.	कीर्तनकला तथा नाट्यकला - साम्यभेदाः	कु.गौमती मनोहर दीक्षित औरंगाबाद महा.
10.	वेदाङ्गज्योतिषे नक्षत्राणां महात्म्यम्	नवीनकुमारः, तिरुपतिः
11.	नाट्यनृत्यनृत्तानां आन्तरिकवैरुद्ध्यम्	डॉ.के.टी.श्रीलता, ...

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

16. साम्प्रतियुगे पर्यावरणः तत् समाधानम्	निबेदिता समल, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
17. जन्मपत्रीमिलनाय वर्णोदयः	डॉ.लक्ष्मी नारायण शास्त्री, राजोरी
18. अग्निपुराणे नगरवास्तुविधानम्	प्रा. हेमु महेश राठोड, एन.एस.पटेल आर्ट्स का.आनन्द गुजरात
19. कल्हणस्य राजतरंगिण्यां निरूपिताः कलाः	डॉ.प्रज्ञा जोगेश जोशी, अहमदाबाद
20. भारतीयपरंपरायां देववाद्यं शंखः	डॉ.श्रीनिवासआचार्यः, पुरी
21. संस्कृत साहित्ये रसायण विज्ञानं रसवैषयिकज्ञानंच,	पतितपावन मिश्रा, आनन्दपुर ओडीसा
22. संस्कृतवाङ्मये योगविज्ञानस्य स्वरूपं	पण्डित रमाकान्त साहु, ओडीसा
23. यज्ञोत्पत्तिकारणविज्ञानम्	ऋतेशशर्मा, नई दिल्ली
24. प्रदूषण समस्या	जाहन्वी पाण्डेय रांची
25. सामाजिक संदर्भ में आधुनिक भारतीय कला का महत्व	मधुबाला, कुरुक्षेत्र वि.वि.
26. राजस्थान में शैव धर्म की मूर्तिकला परम्परा	डॉ.उमाशंकर, दिल्ली वि.वि.
27. भरतमुनि का चित्राभिनय एवं समकालीन प्रेक्षणीयक संदर्भ	डॉ.सविता ओझा, इलाहाबाद

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu. Collection

28. गति का नाट्याभिनय में योगदान	वेदांजलि काले अकोला महा.
29. वाचिक अभिनय : अनिवार्यता एवं उपयोगिता	श्री ब्रजेश रिछारिया, सागर
30. पद्माकर की चित्र योजना	डॉ.निहार रंजन सिन्हा, दरभंगा
31. संस्कृत रंगमंच एवं रूचसज्जा	रेखा रिछारिया, सागर म.प्र.
32. जन्मकुध्डली में केन्द्र एवं त्रिकोण स्थानों का विवेचन	प्रवीण कुमार दुबे, सं.सं.वि.वि.वाराणसी
33. प्राचीन भारतीय संगीत का एक अध्ययन	डॉ.उषा रानी सिन्हा, बी.आर.ए.बी. कैम्पस मुज.बिहार
34. वेदकालीन ललितकला का संक्षिप्त परिचय	डॉ.अलका आर.त्रिवेदी, बी.डी.आ.का. अहमदाबाद
35. सिद्धान्त ज्योतिष में देश की अवधारणा : एक वैज्ञानिक विश्लेषण	डॉ.अनिल कुमार पोरवाल, लखनऊ वि.वि.
36. राजस्थान के नाथ संप्रदाय द्वारा दृश्य कलाओं में अभिव्यंजित योगासन	रमाकान्त गौतम, जयपुर
37. श्रीकृष्ण और मेनेजमेन्ट	डॉ.रक्षा सी.त्रिवेदी, एल.डी.आ.का.नवरंगपुरा अहमदाबाद
38. समग्र पर्यावरण संरक्षण हेतु : आत्मानुशासन की भूमिका	डॉ.अजीत कुमार, शिक्षा महा वि. जम्मू

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

40. मनोभाषाविज्ञान और मनोविज्ञान	डॉ.सपना गुप्ता, आगरा
41. वैदिक कृषि तन्त्र का सामाजिक स्वरूप	जयमन्त कुमार मिश्र, मिथिला वि.वि. दरभंगा
42. वेदाङ्गज्योतिष में प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणियां	अर्चना कौशिक, दिल्ली वि.वि.
43. राग गायन का जाति गायन से संबंध,	प्रा.विश्वनाथ भार्गव गद्रे, अकोला
44. आधुनिक युग में ज्योतिष शास्त्र	महेश शर्मा, संस्कृत महा वि. जयपुर
45. ज्योतिष में सप्तम भाव	विकास शर्मा, मेगा
46. कृषिपराशर में वर्णित कृषिविज्ञान की आधुनिक काल में उपादेयता	डॉ.दयाशंकर तिवारी, राज.का. दिल्ली
47. संगीतशास्त्रीय परम्परा में नारदीय शिक्षा : एक सैद्धान्तिक आकलन	डॉ.भारतीय शर्मा, कुरुक्षेत्र वि.वि.
48. अपराजितपृच्छा भूमिचयन एवं परीक्षण संबन्धि सिद्धान्तों की मीमांसा	महेन्द्र कुमार, जम्मू वि.वि.
49. मानव का शरीरतन्त्र एवं संगीत का चिकित्सकीय प्रभाव	डॉ.अर्चना वर्मा, चोचहां मुज. बिहार
50. भारतीय कला का मूल तत्व	सरोज कुमार वर्मा, खबड़ा रोड वि.वि. मुज.बिहार
51. वर्णव्यवस्था का वैज्ञानिक स्वरूप पुरुषसूक्त के विशेष संदर्भ में	उमा आर्या जे.एन.यू.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

52. पाकशास्त्र विचार	मीरा मिश्रा, ...
53. मनुस्मृति में वर्णित समाजव्यवस्था : एक वैज्ञानिक अन्तर्दृष्टि	पूर्णेन्दु प्रताप सिंह, आर.एस.एस. इलाहाबाद
54. ज्योतिष की दृष्टि के मानसिक रोग एवं अस्थमा रोग	आचार्च राजनाथ झा, पटना
55. मौसम विज्ञान में डाक का अवदान	डॉ.श्रवण कुमार, दरभंगा
56. असाध्य रोगों में नाड़ी की गति एवं दशा का विवेचन	अरुण बोस, जम्मू वि.वि.
57. खगोल शास्त्र में नवग्रहों का विवेचन	जीवे कुमार, जम्मू वि.वि.
58. बाल्यकालीन अरिष्टों का अनुशीलन	हरि ओम शर्मा, जम्मू वि.वि.
59. पर्यावरण विचार	दिव्यांगना, दरभंगा
60. मेघगर्भ धारण विचार	राजनारायण चौधरी, दरभंगा
61. अद्भुतपंचताकाव्य में प्रतिपादित रोग व उनके निदान,	डॉ.लक्ष्मीकान्त औझा, दिल्ली वि.विं.
62. शुक्रनीति में प्रतिमा निर्माण प्रबन्धन	डॉ.श्वेता सिंह इलाहाबाद

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

63.सुवर्ण धातु का शोधन एवं भस्मीकरण	आरती गुप्ता, जम्मू वि.वि.
64. वास्तुविद्या एवं पर्यावरण में अन्तर्सबंध	रीता गुप्ता, जे.एन.यू.
65. मानसिक विकारोपचार में यज्ञ की उपादेयता	प्रो.शारदा शर्मा, दिल्ली वि.वि.
66. मल्टी–मीडिया तकनीक की उपादेयता : संस्कृत शिक्षा के संदर्भ में ,	अमित कुमार जौहरी, आगरा
68. गृह में शुभाशुभ मानवेतर प्राणी	डॉ.मोहिन्द्र नाथ शर्मा, महा वि.कठुआ
69. ज्योतिर्विज्ञान में वृष्टि विचार	प्रकाश शर्मा, जम्मू वि.वि.
70. संस्कृत वाङ्मय में पर्यावरण चेतना	डॉ.शिखा मिश्रा, इटावा
71. भाषा परमाणु का परिणाम है : एक वैज्ञानिक अनुशीलन	डॉ.भोला मिश्र, एस.के.एम.वि.वि.दुमका
72. संगीतशास्त्र में वीणावाद्य की परम्परा और उसकी उपयोगिता	डॉ.रेखा त्रिपाठी, इलाहाबाद
73. संगीत में राग सौन्दर्य : उत्तर भारतीय संगीत के परिप्रेक्ष्य	डॉ.सबीहा नाज, अल्मोड़ा उ.ख.
74. वैदिक कालीन समाज एवं संगीत	कु.निधि शर्मा, कुरुक्षेत्र वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu. Collection.

75. पहाड़ी चित्रकला में कृष्ण – एक अवलोकन	डॉ.राकेश कुमार सिंह, कुरुक्षेत्र वि.वि.
76. भारतीय संस्कृति में लोक कलाएं	कीर्ति शर्मा कुरुक्षेत्र वि.वि.
77. मधुबनी चित्रकारी और महिला सशक्तिकरण	अजय कुमार सिंह, डी.डी.यू.वि.वि.गोरखपुर
78. पुराणोक्त संगीत ग्रामपद्धतियों का तौलनिक अध्ययन	कु.प्रज्ञा देशपाण्डे, नांदेड
79.पुराणांतर्गत संगीतशास्त्र एवं पाश्चात्य संगीतशास्त्र का तौलनिक अध्ययन	मेधा श्रीकांत देशपाण्डे, नांदेड
80. मनोविज्ञान का संगीत से संबंध	सौ.पुष्पलता राम राठोड, अकोला महा.
81. वास्तुमण्डन में भूमि परीक्षण– एक विमर्श	अंजू बाला, जम्मू वि.वि.
82. आयुर्वेदानुसार विष का सामान्य परिचय	रंजना, जम्मू वि.वि.
83. भारती चित्रकला में लघुआलेखन की साहित्यक परंपरा	डॉ.उमेश कुमार, बहेड़ी दरभंगा
84. कालिदास कालीन कला	बिन्दु कुमारी, आरा बिहार
85. पुराणों में तंत्रीवाद्य का महत्व	डॉ.निशा पाठक,
86. रूपमण्डनम् में वर्णित देव–प्रतिमाओं का स्वरूप	कु.सविता सिंह, जम्मू वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

८७.	भारतीय पौर्वात्य ग्रन्थों में पर्यावरणीय शिक्षा तथा इसकी समकालीन प्रासंगिक्ता	मानिक्य श्रीवत्स, उधमपुर
८८.	वास्तुशास्त्र अनुसार स्त्री और पुरुष के याम	चैताली चानपुरा, बडौदा
८९.	ज्योतिषशास्त्र में अंक विद्या	स्नेहलता पवार, दिल्ली वि.वि.
९०.	संहिता ग्रन्थों में शल्य विचार	सुनीता, दिल्ली वि.वि.
९१.	संगीतशास्त्र में वीणावाद्य की परंपरा और उसकी उपयोगिता,	रसराज निवास, इलाहाबाद
९२.	सचित्र आदिपुराण का कलात्मक अध्ययन	प्रो.रागिनी राय, आगरा
९३.	कश्मीरी लोक संगीत	नीलोफर मंजूर, कश्मीर वि.वि.
94.	भारतीय संगीत की प्रासंगिकता और वैष्वीकरण	गम एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष जे0 डी0 वी0 एम0 पी0 जी0 कालेज, कानपुर (यू0 पी0) म;ड ।प्स्रू तपजंदपहंउ / हउंपसण्बवउ
95.	भानुदत्त कृत रस मंजरी की भारतीय चित्रकला को देन	डा. जीवन सोढी प्रो. फाईन आर्टस बी.बी.के. डी.ऐ.वी. कालेज, लड़कियाँ, अमृतसर (; पंजाब)
96.	महाभारतकालीन रासनृत्य से अनुप्राणित आधुनिक नृत्यषैलियाँ	डॉ. पुश्पा झा, पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष – संस्कृत विभाग, झा बिल्डिंग, ब्यौहारबाग, जबलपुर (म.प्र).

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

97.	कथकलिकलायां नाट्यशास्त्रतत्वानि	Dr . P .M. Damodharan, Pazhiyoor Mana, Thanneerkode (Post), Palakkad (District)- Kerala.
98.	।।विशिष्यतेऽभिधावृतिः साहित्यशास्त्रे।।	दिव्येश पाठकः शोधछात्रः (अनुस्नातक भवन) श्रीसोमनाथ संस्कृतयुनिवर्सिटी, वेरावलम्(गुजरातम्)
99	Some Notable Child Characters in Sanskrit Literature	Dr. H.Poornima Mohan) (Kerala)
100	Glimpses of Musical instruments in Rgveda	Prof. Sushma Kulshreshtha (Delhi)
101	References of Sanakrit in Music	Dr. R.N.S.Saileswari (Tirupati)
102	Technical Sciences and Fine Arts session(14)	Mitali Chatterjee (Kolkata)
103	Significance of Murti Worship in Vaisnavism	
104	Women consciousness as portrayed in shergil's paintings	Dr. Renu Sharma (Rajasthan)
105	Vastusastra and Iconography	Divya Vu (Kalady)
106	An Ayurvedic view on athma	
107	Glimpses of musical instruments in Rgveda	Prof. Sushma Kulshreshtha (Delhi)
108	Importance of science and Sanskrit	Alankriti
109	Ahana Chakraborty	Ahana Chakraborty (Kolkata)
110	No (Nos) Theatre and Kutiyattam – a comparison	Jyothiraj K.P (Kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

111	Arts and crafts of the vedic age AND Mahatma's cottage industries	Dr. Bani Bhattacharyya
112	Rajadharma in the Ramayana and Relevance to the contemporary society	Dr. Kshitiswar Dash (Odisha)
113	Temple architecture of Kerala	Dr. Jayan Erancheri Illam (Kerala)
114	Siva Idols according to Mayamata	Dr.T. Mini (Kerala)
115	Treatment of Snake bites _ an astrological perspective	Dr. E.Sreedharan
116	Idigenous Medical Ethnics of Hill Tribs in Travancore	Salmam.G.B (Kerala)
117	A Brief Discussion About The Style Of Construction Of Mayasabha	Tanmay Jayant Bhole (Pune)
118	Construction of Womenhood in Mohiniyattam	Anima V.P (Kalady)
119	Solution to current ecological and environmental problems through Indian knowledge system(Nakshtravan)	Subhash Badve
120	Pranayama and its effects according to the Yoga Upanisads	Anand.S (Kerala)
121	Significance of Vedangajyotisa	Sudhanjali.P.S (Kerala)
122	Fauna as depicted in abhijnanashakuntalam in the context of modern zoology	Swati Shukla (Jharkhand)
123	Ecological Imbalance : A threat to Future	Jekap Halam (Pune)
124	Electronic Communication utilities	Vachaspati (Muzaffarpur, Bihar)
125	Refrence on Temples in Carnatic Music Compositions	Sneha V.P (Kerala)
126	Vastuvidya and its contribution to Devalaya	P.K Vinod (Kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

127	A critical Study of wild animals (Lion) with sp. Refrence of 'mrigpakshishashtra'	Prof. Bhagyshree bhalwatkar (Jalgaon (MH))
128	Effect of Impurity in Semiconductor for	Jha Kanhaiya Kumar (Darbungha)
129	Instutional care for the sick: concept of Hospital in early india	Dr. Sukla Das. (Kolkata)
130	A Study based on the Mural Paintings of Balussery (Kotta, Calicut, Kerala)	Deepesh V.K (Kerala)
131	An Enquiry Converning the concept of tridosa in carakasamhita and Bhavaprakasa	Dr. Moumita Bhattacharya
132	Aspect of Bhakti in Krsnanattam Theatre	Anjaly Pankjakshn (Kerala I)
133	Sanskrit Sources of Scientific Signifience of Dome Structure in Temple Architecture	Manjunath S Amalkar
134	Enactment of bhasa's plays in Kerala Theatre	Dhanasurjiti. D (Kalady)
135	Qulaties of A Mathametical Discussed in Sanskrit mathematical texts	Mrs. Medha S. Limaye (Mumbai)
136	Teleogy in Ayurveda: Some Reflections on Swasthavrtta	Soumya Balan (Hyderabad)
137	Scientfic aspects of medition	Punita S. Bharadwaj (Gujrat)
138	Adhayanotsava: An interaction between Folk and Elite	Dr. Sushma Jatoo
139	Banking finance in the Period of Bhagwan Mahabir	Prof. Pranav Kumar (Patna)
140	Implication of Rasa on Indian Fine Arts	Dr. K.Leela Prakash Banglore
141	Qualities and attributes of Pilot in Arsa Samaskrt Literature	Brahaspati Bhattacharya (Varanasi UP)
142	Harmonizing tridosas by Sadrasas: Prepective of Kasyapa Samhita	Pramitha. D (Kalady, Kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

South East Asian & West Asian Studies Section---15, 16

Title of Paper	Name of Author
1. एशियाई विजयों से कर,	अजीत कुमार, एच.डी.जैन कालेज आरा बिहार
2 Trade & Commerce in South East Asia during the 16th century	Dr.Aditi Bajpai Lucknow

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Modern Sanskrit Section—17

S.No Title of Paper	Name of Author
1. अर्वाचीनसंस्कृतलघुकाव्यम्	डॉ.भारती जे. सोलंकी, जामनगर,गुजरात एवं डॉ.घनश्याम एन. गध्वी, वी.वी.नगर,गुजरात
2. आधुनिके प्रत्येकसतरच्छात्राणां संस्कृताधिगमे समस्याः	डॉ.डम्बरुधर पति, कोट भलवाल जम्मू
3. संस्कृत साहित्ये नूतनप्रकारः	डॉ.कृष्णशर्मा वे.जोशी, धारवाड,कर्नाटक
4. संस्कृतपत्रपत्रिकासु प्रकाशितानां मौलिक- रचनानां सूचीकरणमार्गे समस्याः तत्समाधानंच	डॉ.रमाकान्त शुक्लः, नई दिल्ली
5. विद्यामाधवस्य कृतीनां परिचयः	देवव्रत : वेरा, तिरुपति
6. आचार्यहरेकृष्णशतपथिविरकचते भारतायने काव्यसंम्पदा	डॉ.सत्यनारायण आचार्य, तिरुपति
7. साहित्यअकादमीपुरस्कृत्य गीति- काव्यत्रयस्य मूल्यांकनम्	डॉ.जनार्दन प्रसाद पाण्डेय मणि, इलाहाबाद
8. अर्वाचीनसंस्कृतवाङ्मये छन्दसां वैचित्र्यम्	शुभ्रजित सेनः, ...
9. संस्कृतशिक्षणे नवोत्साहदानाय संभाषण- संस्कृतम्	डॉ.के.उण्णिकृष्णन्, तिरुवनन्तपुरम्

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

10.	अर्वाचीनसंस्कृतमिति पत्रिकायां प्रकाशितं संस्कृतेनानूदितं साहित्यम् : एकः परिचयः	डॉ.अभिनवः शुकलः, वाणी विहारः नई दिल्ली
11.	आधुनिक संस्कृत साहित्य में प्रतिबिम्बित युगबोध	शीतल चन्द्र शर्मा, भिलाई नगर,छत्तीसगढ़
12.	विमानकाव्य विधा तथा भूलोक-विलोकनम्	मोहन लाल, सागर.म.प्र.
13.	संस्कृत पत्रकारिता और सागरिका	कु. दीक्षा देशपाण्डे, सागर.म.प्र.
14.	डॉ.हरिनारायण दीक्षितविरचित वाल्मीकि-सम्भवम्	प्रो.किरण टण्डण, नैनीताल
15.	आधुनिक संस्कृत साहित्य पर हिन्दी साहित्य का प्रभाव : एक समीक्षात्मक अध्ययन	अमीश विजयकुमार शाह, बडोदा,गुजरात
16.	डॉ.अमरनाथ पाण्डेय कृत मङ्गल्या में युगबोध विमर्श	डॉ.छाया रानी, गोरखपुर,उ.प्र.
17.	डॉ.गणेश दत्त शर्मा जी द्वारा रचित खण्ड-काव्य दर्शनानन्दचरितामृतम्-एक विवेचन	कु.भावना कोठारी, नैनीताल
18.	कविश्री सोमप्रभाचार्यकृत श्रृंगारवैराग्य-तरंगिणी में चमत्कृति	डॉ.सुरेजा पटेल, पासनपुर,गुजरात

CC-0 Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

19. आधुनिक संस्कृत नाटकों में प्रशान्त-राघवम् नाटक : एक मूल्यांकन	वीरेन्द्र कुमार, दिल्ली वि.वि.
20. पंडित क्षमाराव कृतकथाकावयों में समाजिक एचं राष्ट्रीय चेतना	हेमलता, दिल्ली वि.वि.
21. डॉ.जनार्दन मणि विरचित निस्यन्दिनी में लोक संवेदना	डॉ.मुरलीधर मिश्र, देवरिया
22. कविकृत भावगीतम् व कण्वचरितम्- एक परिचय	डॉ.अमिता शर्मा, दिल्ली वि.वि.
23. मदनलतिका उपन्यास में आधुनिकता-बोध	डॉ.श्रीमती शैली त्रिपाठी, सागर म.प्र.
24. आधुनिक काव्यशास्त्रीय हेतुविमर्श	डॉ अर्चना दुबे, वनस्थली विद्यापीठ रा.स्थान
25. स्वातन्त्र्योत्तर संस्कृत- काव्यशास्त्र में छन्दोलक्षण-विमर्श	डॉ.विनोद कुमार गुप्त, नई टिहरी उ.ख.
26. प्रेमपियूषम् नाटिका पर आधुनिक प्रभाव	सुरेन्द्र, दिल्ली वि.वि.
27. शिवचरित्र में डॉ.वर्णेकरजी का योगदान	डॉ.वृषाली भोसले, डे.का. पुणे
28. जीवनपर्व नाटक का परिशीलन (शुनःशेपाख्यान के विशेष संदर्भ में)	डॉ.दीपक कुमार, काशी वि. वाराणसी
29. श्री रेवा भद्रपीठम् काव्य में लोक-संस्कृति का निरूपन	डॉ.रेखा शुक्ला, कानपुर

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

30. अभिनवशुकसारिका : एक अध्ययन	राकेश कुमार, नई दिल्ली
31. आधुनिक वैश्वीकरण में संस्कृत और उसके साहित्य की प्रासंगिकता	डॉ.कौशल्या (कौशल पवार)) दिल्ली वि.वि.
32. श्रीहनुमद्दूतम् : एक पचियात्मक अध्ययन	हरीशदास, काशी हिन्दू वि.वि.
33. कालिदासायनम् का काव्य सौष्ठव	डॉ.ज्योत्स्ना त्रिपाठी, सुल्तानपूर उ.प्र.
34. आधुनिक संस्कृत प्रहसनों में उभयरूपकम् प्रहसन : एक मूल्यांकन	ठण्डीलाल मीणा, दिल्ली वि.वि.
35. डॉ.जनार्दन मणि के पारम्परिक छन्दों में लिखे संस्कृत गीत एक समालोचन	कपिलदेव पाण्डेय, इलाहाबाद
36. शिखाबन्धनम् नाटक की वास्तुयोजना	डॉ.श्याम सुन्दर पाण्डेय, पटना
37. आधुनिक संस्कृत उपन्यासों में राजनैतिक परिदृश्य	त्रिपुरारी मिश्र, ...
38. 20वीं शताब्दी के संस्कृत नाटकों में नयिका का महत्त्व	डॉ.गीतिका शर्मा, जम्मू वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

39. डॉ.शारदा गाडगे की कथाओं का अध्ययन	डॉ.सौ.चित्रा अशोक चवडे, ...
40. बीसवीं शताब्दी के संस्कृत महाकाव्यों में भक्ति का अवधारणा,	प्रो.मीरा शर्मा, आगरा
41. आधुनिक संस्कृत साहित्य में धूम्रपान एवं मद्यपान की समस्या	डॉ.कुमर पाल, आगरा
42. आधुनिक संस्कृत गीति काव्यों का शास्त्रीय अध्ययन	आशीष कुमार चतुर्वेदी, इलाहाबाद वि.वि.
43. प्रो. अभिराज राजेन्द्रमिश्र प्रणीत अभीष्टमुपायनम् एकांकी का समीक्षात्मक अध्ययन	डॉ.मुकेश कुमार शर्मा, शिमला
44. आधुनिक संस्कृत लघु कथा साहित्य में बाल अधिकार	निशा गौतम, गुड्गांव
45. आधुनिक संस्कृत उपन्यास : एक शास्त्रीय समीक्षण	डॉ. अभिषेक कुमार त्रिपाठी, इलाहाबाद
46. श्री जीवन्यायतीर्थ का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	अनीता भोज, नैनीताल
47. बीसवीं शताब्दी के संस्कृत महाकाव्यों में चित्रित स्वातन्त्र्य गाथा (पूर्वाद्ध के आलोक में)	पूजा सिंह, लखनऊ वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

48. डॉ.भास्कराचार्यत्रिपाठीविरचित साकेतसौरभम् एक अध्ययन	डॉ.लज्जापन्त, नैनीताल
49. अर्वाचीन संस्कृत पत्रिका में प्रकाशित कथा सात्यि की समीक्षा	कविता शर्मा, जनकपुरी नई दिल्ली
50. शतक काव्य मृत्कूटम् की समीक्षा	पारूल रस्तोगी, नैनीताल
51. राष्ट्रपिता महात्मागांधी आधुनिक संस्कृत साहित्य के संदर्भ में	निधि पाण्डेय, लखनऊ वि.वि.
52. समन्वयमहर्षि प्रज्ञाचक्षु श्री गुलाबराव महाराज विरचित संप्रदायकृसुममधु – समीक्षणात्मक अध्ययन	सौ.कविता होले, रामटेक वि.वि.
53. इन्दिरागान्धीचरितम् में प्रकृतिचित्रण	नीलम गुप्ता, जालन्धर
54. प्रफुल्लकुमार मिश्र रचित हाईकु एक : अवलोकनम्	डॉ.राधाभगिनी एम.पटेल, पालनपुर गुजरात
55. आचार्य रतिनाथ झा के काव्यों में समाजिक चेतना	अमित कुमार, काशी हिन्दू वि.वि.
56. गोविन्दचरणामृतम् एक समीक्षण	विष्णु कुमार झा, छपरा
57. नतितति नव प्रणयनोपक्रम	डॉ.वन्दना पाण्डेय,

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

वराणसी

58. साम्प्रतिकी समस्यापूर्त्यात्मिका रचना : एक अध्ययन — प्रो.मनलता शर्मा, काशी हिन्दू वि.वि.

59. डॉ. वेंकट राघवन रचित अनार्कली प्रकरण का रूपकगत सैद्धान्तिक और प्रायोगिक विश्लेषण — कल्पना शर्मा, दिल्ली वि.वि.

60. डॉ.रवीन्द्र कुमार पण्डा की कविताओं में मुक्तच्छन्द का अनुशासन — डॉ.सुदेश आहूजा, कोटा राज.

61. आधुनिक संस्कृत साहित्य और पण्डित चिरंजीव दास — ....

62. कुमारविजयमहाकाव्यम् एक परिचयात्मक वर्णन — डॉ.वन्दना पाण्डेय ...

63. इक्कीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक के संस्कृत उपन्यासों का सर्वेक्षण — शोध छात्र सुशील कुमार, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

64. प्रभुदत्त स्वामी द्वारा प्रणीत महाकाव्यों में ध्वनित राष्ट्रीय संचेतना — सचिन कुमार (शोधच्छात्र), संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

65.	डॉ. शारदा रमेश गाडगे की लघु-कथाओं में समाजशास्त्रीय अध्ययन	वन्दना रावल (शोधच्छात्रा) संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
66.	उमइउामत्र}सममडिमरुमब्मे भममाम}ङममडमूनङममट्ठ ळम्मङममेमपिमसमम	Rasmirekha Satapathy Research Scholar P.G. Dept. of Sanskrit Utkal University, Vani Vihar Bhubaneswar
67.	(A Commentary by हरयिशोमश्रि on वाक्यवाद of वंशमणी)	Banamali Biswal 57, Vasant Vihar, Jhusi Allahabad – 211019 (U.P.)
68.	पं. गिरिधरलाल शास्त्रीकृत 'चित्रकूटचरितम्' परिचय विमर्श	प्रो. हेमलता बोलिया पूर्वाध्यक्ष, संस्कृत विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर मो. 095716–45313

Sanskrit Section

		Dr. Bharti j. Solanki Shri V.M.Mheta mu. Art's & Comm. College. Jamnagar.
69.	अर्वाचीनसंस्कृतलघुकाव्यम्	Dr.Ghanshayam N. gadhvi Nalini Aravind and t.v. patel Art'sCollege, V.V.Nagar- Aananda (Gujrat)
69	Comparative Analysis of *Yogavasisthasara* and *Srimadbhagavadgita*	Tapas Pal (Kolkatta)
70	The Significance of Bakthi in Darsanamala	Rupa. V (Ernakulam)
71	Moral And Social Values in Saman - Suttam	Dr. Geeta Mehta (Mumbai)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

72	Literary Contributions of VeniduttaJha	
73	The influence of Kalidasa's writings on Rabindranatha's Writings With Special Reference To Peotry	Dr. Sipra Ray (Tripura)
74	The Contribution Of Ramarayakavi To The Upanishads	Dr. Ch. Durga Prasada Roa (Agra)
75	Materials For Chattanyadeva's Life In Murarigupta's Sanskrit Biographical Poem	Dr. Bulbul Chakraborty (Kolkata)
76	Social Contribution Of Cattampisvamikal	Muhammed Sadik A. (Kalady)
77	Introducing: vakyadipika (A commentary by Hariyashomishra On Vakyavada of vamshmani	Banamli Biswal
78	Sanskrit Studies in Tripura: Contribution of Prof. Biswapati Ray	Ranajoy Bhattacharjee (Suryamaninagar)
79	Some Peculiarities of Modern Sanskrit Literature	Ganesh Umakant Thite, Pune
80	Contributaion of Acharya Manoranjana Sastri to Sanskrit	Anjali Devi (Guwhati)
81	Sattvikasvapna and Prakrtasamvidhana: Two Khandakavyas on Indian freedom Movement.	Dr. Dharmaraj Adat (Kalady, kerala)
82	New Form of Creative Writings in Contemporary Sanskrit Literature	Archana R. Gamit Gujarat

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Manuscriptology Section---18

S.No. Title of Paper	Name of Author
1. एम.एस.2007 के एक्सेस प्रोग्राम का संस्कृत पाण्डुलिपिविज्ञान में विनियोग	डॉ.वसन्तकुमार म. भट्ट, गुजरात वि.वि.
2. हस्तलेखों की लेखन-विधा	डॉ.बीना मिश्रा, ठलाहाबाद
3. त्रिपुराराज्जयस्य ताम्रलेखेषु संस्कृतभाषायाः समुल्लेखः	डॉ.शिप्रा राय, त्रिपुरा वि.वि.
4. शारदा लिपि का मूलस्वरूप	संतोष पाण्डेय, ...
5. मेघदूत की अप्रकाशित जैनसंस्कृत टीका का आलोचनात्मक अभ्यास,	धर्मेन्द्र भट्ट, अहमदाबाद
6. प्राकृत पाण्डुलिपि महिवालकहा का प्रतिपरिचय एवं वैशिष्ट्य	डॉ.जिनेन्द्र कुमार जैन, उदयपुर राज.
7. अनुसन्धान का स्वरूप	डॉ.जगन्नाथ झा, दरभंगा
8. तेरापंथ में पाण्डुलिपि लेखन का उद्भव एवं विकास	डॉ.वन्दना मेहता, लाडनू
9. सम्यकदर्शनचंद्रिका स्वर्णांकित चित्र के संदर्भ में,	सृष्टि जैन, आगरा
10. लघूपसर्गदीपिका : पाण्डुलिपिविज्ञान दृष्ट्या अध्ययन,	डॉ.सुरेश पाण्डेय, आर.एस.एस.इलाहाबाद

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

11.	गंगा–सरस्वती–सिन्धु लिपि : एक संक्षिप्त अध्ययन,	डॉ.करुणा शंकर शुक्ल, उन्नाव उ.प्र.
12.	कलीलाह व दिमनाह सचित्र पाण्डु–लिपि के चित्रों का विश्लेषणात्मक अध्ययन	.....
13.	''जैन विद्या संस्थान'' भट्टारक जी की नसियां जयपुर में संगृहीत 'संग्रहणीसूत्र' की सचित्र पाण्डुलिपियाँ''	प्रो. कमला गर्ग ृाोध निर्देशिका चित्रकला विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर एवं राजकुमार जाँगिड ृाोधार्थी, चित्रकला विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)
14.	पाराशरस्मृति में शिक्षाविज्ञान	डॉ. राजेष कुमार षर्मा षोधार्थी, संस्कृत विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विष्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान) मो. 094144–26956
15.	सुदामा-शतकम् – पाण्डुलपि की समीक्षा	डॉ. सुरेश पाणडेय राषट्रयि ससेकृत संसथान मानेति-वशिववद्रियालय गगानाथ झो परसिर इलाहाबाद
16	Importance of Referencing During Manuscript Cataloguing	Shrabani Chakraborty (Kolkata, West -Bengal)
17	Manuscript of Ragamala: A Treasury of Indian Musicology	Bisakha Goswami (Kolkata)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

18	Maintaining Manuscripts	S V R Murthy (Puri, Odisha)
19	Editing of Paksatacintamanitippani by Kanada Tarkavagisa	Subuddhi Charan Goswani (Kolkata)
20	Preparing a Critical Edition of Dasaratra-prayoga on the Basis of Manuscripts	Nabanarayan Bandyopadhyay (Kolkata)
21	"Digitization": As a Facilitator for Preservation and Conservation of Manuscripts; A case study of VVBIS & IS, Hoshiarpur	Shiv Kumar verma (Hoshiarpur)
22	The Illustrated Giradhara-Ramayana Manuscript from Vodadara	Prof.Dr.M.I Wadekar (Gujarat)
23	Ramchandradashakam An Unpublished Work	Pandya Narandraprasad N. (Gujarat)
24	The Turaja Sahasranam strotrani An Unpublised work	Upadhyay Paxa (Gujarat)
25	A rare Manuscript with Gujarati Commentary by Purusottama on the Topic of Ratnapariksa	Dr. Milind S. Joshi (Gujarat)
26	The Rare Manuscript of the work kundarka by Mahesa from Vadadara	Prof. Vasant Juvekar (Gujarat)
27	The Pune Manuscript Version of The Camunda Sahasranama – A Study	Upadhyay Manoj Ajitchandra (Gujarat)
28	Origin And Development of Ancient Numerals	Dr.Meena P.Pathak (Gujarat)
29	Digital Accessibility to manuscripts: Some Initivatives in India	Dr. Shabir Ahmad Ghanie
30	Preparing a Critical Education of Dasaratra-Prayoga on the basis of Manuscript	Nabanarayan Bandyopadhyay (Kolkata)
31	Preservation Conservation of Library and Museum material: An Overview	Sonali H Paradkar Gandhinagar (Mumbai)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection.

32	Indus Script- Origin of Roman& Devnagari Scripts	Dvr. D.M.Kulkarni (Pune)
33	The Ramayana Manuscripts by Bhabaninath found in Tripura: An Introduction	Rajiv Chandra Pual (Tripura University)
34	Kavi Kanthabharanam of Krishna Kavi	Dr. (Mrs) Sundari Siddharatha (Chennai)
35	Preservation of Manuscript	Bharadwaj Rishabh (Rishan) Sagar M.P
36	History and Develpoment of granth Script	Kirin A.V (Tripathi,AP)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Epics and Puranas Section--19

S.No	Title of Paper	Name of Author
1.	पुराणेषु स्वाध्याय विचारः	डॉ.देवेन्द्र कुमार शर्मा, उज्जैन
2.	वाल्मीकिरामायणे वर्णितं मिथकबिम्बः	डॉ.गीता अग्रवाल, पूर्णिया,बिहार
3.	पुराणेषु श्रीक्षेत्रम्	डॉ.शिव प्रसाद वेहेरा, ओडीसा
4.	श्रीमद्भागवतस्य रासपंचाध्याय्याः स्मीक्षणम्	आर. शुभलक्ष्मी, बी.एच.यू.
5.	श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धे यमकालंकारस्य निरूपणम्	देवकी चाक्डा, तिरुपतिः
6.	महाभारते राष्ट्रीयचिन्तनम्	डॉ.रेणुका सिन्हा, दरभंगा
7.	भविष्यपुराणस्याख्यानेषु मानविकमूल्यबोधः (ब्रह्मपर्वणमाधारीकृत्य)	सूर्यकान्तिप्रधानः, उत्कल.वि.वि.
8.	आधुनिकयुगे महाभारतपुराणानां प्रसंगिकता	डॉ.अशोक कुमार कच्छवाह, ...
9.	पुराणसाहित्येषु परिवेशचिन्तनम्	अमल कुमार मण्डलः, कोलकाता
10.	योगभावनायाः आलोके महाभारतम्	शिउलि वसु, यादवपुर वि.वि.
11.	गीता विश्वमनीषिनः भारतीय–शाश्वत–संस्कृतेस्च निर्यासः	डॉ.अजीत कुमार मण्डलः, गौड़वंग वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

12. भगवतीभगवतोः विश्वरूपदर्शनम्	मनमोहनखटुआ, कटक
13. पुराणेषु दुर्गादेव्याः श्रेष्ठत्वम्	विरूपाक्षरायः, कटक
14. गरुडपुराणे नाडीविज्ञानं स्वरोदय-शास्त्रं च	डॉ.समिता चन्दशेखर कुलकर्णी,
15. श्रीहितहरिवंशमहाकवेः राधासुधानिधि-कावयस्य वैशिष्ट्यम्	डॉ.च.श्रीराम मूर्थी, गन्टूर, ए.पी.
16. वाल्मीकिरामायणे अतिथिधर्मः	डॉ.रूपाली कापरे, संगमनेरम्
17. श्रीमद्भागवतेऽवमारतत्वम्	डॉ.संजयकुमारमण्डलः, शान्तिनिकेतन
18 वाल्मीकिरामायणे नारीशिक्षा	डॉ.ज्ञान रंजन गंगेश, सीतामढी,बिहार
19. किरातार्जुनीयमहाकाव्यव्याख्याख्यानस्य विद्यामाधवीयाख्यस्य वैशिष्ट्यम्	वीरेन्द्रकुमारषडंगी, तिरुपति
20. वामनचरितमहाकाव्यस्य धार्मिकवैशिष्ट्यम्	महेशकुमार खोरवालः, तरुपतिः
21. लिंगपुराणे शिवस्वरूपस्य वर्णनम	पटेल जानकीबेन बाबुलाल, विसनगर ुजरात
22. श्रीसमर्थरामदासस्वामिनो लेखनशैली (रामेण रामदासेन लिखितवाल्मीकि रामायणे बालकांडमनुसृत्य)	डॉ.उर्मिलाअराणके, सतारा महा.
23. भागवतपुराणे वर्णितं आश्रमधर्मस्य वर्तमानकालीन उपादेयता	मंजुश्री श्रीपाद नेव्हल, यवतमाल महा.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

24.	महाभारतस्य शान्तिपर्वणि दृष्टान्त-कथासु जीवनदर्शनमम्	वैशाली बेडेकर (जोशी) यवतमाल महा.
25.	महाभारतस्य वनपर्वणि आचारमहत्वस्य प्रतिपादनम्	डॉ.वीना विश्नोई, हरिद्वार
26.	अर्वाचीन-पुराण समीक्षा	दीपक कर्मकारः, मलदा
27.	वाल्मीकिदृष्ट्या रामस्य चरित्र चित्रणम्	अंजनी कुमार झा, दरभंगा
28.	महाभारते वैश्विकं चिन्तनम्	प्रो.वेंकटरमण दीक्षित, ...
29.	रामेण रामदासेन लिखिते वाल्मीकि रामायण आदिकांडं च दाक्षिणात्यवाल्मीकीये रामायणे बालकांडं च द्वयोः तौलनिकाध्ययनम्	प्रा.नीलेश जोशी, सांगली महा.
30.	श्रीमद्भागवते पर्यावरणचेतना	पण्डित हरेकृष्ण धूपालः, भुवनेश्वर
31.	नीलाद्रिमहोदये श्रीजगन्नाथ चेतना,	डॉ.सीताराम दास शास्त्री, उत्कल वि.वि.
32.	आधुनिक राम काव्यों में युग के लिये दिया गया संदेश	भवेश कुमार, दरभंगा
33.	साकेत का महाकाव्यत्व	डॉ.आशा पाण्डेय, आरा,बिहार
34.	श्रीमद्भगवद्गीता में निरूपित आदर्श पुरुष	डॉ.सुरेश एस. पटेल, गुजराज
35.	वाल्मीकि-रामायण में राजनैतिक व्यवस्था	डॉ.श्रद्धा शुक्ला, ...

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

36.	श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञान योग का स्वरूप	सुशील कुमार झा, दरभंगा
37.	रामायण में संकलित दिव्यता एवं अलौकिकता	सन्तोष, रोहतक
38.	पुराण कथाएं – आज के परिप्रेक्ष्य में	निमिषा हेमन्तकुमार मिस्त्री, बडोदा
39.	श्रीमद्भागवत में चीर हरण प्रसंग क काव्यशास्त्री निरूपन	डॉ.विवेकमणि त्रिपाठी, बलरामपुर
40.	मधुरोपासना के परिप्रेक्ष्य में रासपंध्यायी का स्वरूप विवेचन	सच्चिदानन्द पाठक, बेगुसराय,बिहार
41.	वाल्मीकिरामायण की कैकेयी एक विवेचन	डॉ.बलविन्द्र कुमार , मोगा, पंजाब
42.	आधुनिक जीवन में गीता की प्रासंगिकता	उमेद सिंह शात्री हिसार,
43.	रामायण महाकाव्य में वर्णित मानव मूल्यों की उपादेयता	निशा वर्मा, लखनऊ वि.वि.
44.	रघुवंश महाकाव्य में सूर्य विवेचन	श्रमती तारा पाण्डेय, रांची
45.	देवीभागवत एवं मार्कण्डेय पुराणों में दर्गा–कथा	प्रमोदचन्द्र झा, भोजपुर,बिहार
46.	वाल्मीकिरामायणकालीन आहार विमर्श	डॉ.मधुलिका पाण्डेय, ...
47.	वाल्मीकिरामायण में विज्ञान	डॉ.नीलमणि कु. पाठक, ...

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

48. कुमारसंभव महाकाव्य में वर्णित पर्यावर्ण चिन्तन	डॉ.सन्तोष कुमार मिश्र, चायल-कौशाम्बी,उ.प्र
49. मत्स्यपुराण के पाठान्तरो में सामाजिक चेतनापरिवर्तन के संकेत	प्रो.कमलेशकुमार छ. चोकसी, ...
50. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में भागवत-वर्णित श्रीकृष्णलीला एवं भक्ति की प्रासंगिकता	डॉ.चन्द्रशेखर सिंह, काशी हिन्दू वि.वि.
51. पौराणिक महाकाव्य हरविजय का परिचय	डॉ.छाया आर. पालकर, एवं प्रा.राजेन्द्र आर. सातुरवार, यवतमाल
52. महर्षि वेदव्यास प्रणीत श्रीमद्भगवद्-गीता में चर्तुदशयज्ञ एक अनुशीलन	डॉ.रीना अस्थाना, हरदोई, उ.प्र.
53. श्रीमद्भगवद्गीता में भक्तियोग	गंगेशकुमार झा, दरभंगा
54. श्रीमद्भागवतमहात्म्य का आध्यात्मिक तात्पर्य	डॉ.जयशंकर झा, दरभंगा
55. श्रीमद्भागवत में भक्ति	डॉ.सोमेश्वर नाथ झा दधीचि, दरभंगा
56. श्रीमद्भगवद्गीता : आचार्य शंकर की दृष्टि में	आचार्य मुनीन्द्र मिश्र, दरभंगा
57. आनन्द रामायण में भरत का महत्व कम क्यों ?	आर.के.श्रीवास्तव, रायपुर
58. समर्थरामदास कृत रामायण में राष्ट्रीयता	डॉ.गोविन्द गन्धे, गवालियर

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

59. श्रीमद्भगवद्गीता में प्रतिपादित कर्मका स्वरूप एवं सिद्धान्त	डॉ.सनन्दन शर्मा, रोहतक
60. वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ.अर्चना शुक्ला सरोजनीनगर, लखनऊ
61. भीष्मचरितं महाकावय में निरूपित भीष्म का चरित्र	डॉ.वत्सला, झालावाड. राज.
62. वैश्विक समस्या के समाधान में श्रीमद्भगवद्गीता की प्रासंगिकता	डॉ.दिवांशु कुमार, छपरा,बिहार
63. वृक्ष–एक पौराणिक अनुशीलन	डॉ.रमन रानी, गजियाबाद,यू.पी.
64. वायुपुराण में भौगोलिक चिन्तन	डॉ.कल्पना द्विवेदी, मैनपुरी
65. श्रीमद्भागवत में वर्णित श्रीकृष्ण का बहुआयामी स्वरूप	डॉ.गीता झा दरभंगा
66. वाल्मीकिरामायण में जीवन दर्शन	डॉ.गीता परिहार, मुरादाबाद
67. रामकथा–साहित्य में सत्योपाख्यान	डॉ.शैलजा पाण्डेय, इलाहाबाद
68. गीता का कर्मयोग (श्रीधरी एवं नीलकण्ठी टीकाओं के आलोक में)	कु. शिखा, दिल्ली वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

69. गीता में त्रिविध नेत्र का स्वरूप — डॉ.ममता पाण्डेय, दरभंगा

70. किरातार्जुनीयमहाकाव्य में पर्यावरण चेतना — रामअचल यादव, काशी हिन्दू वि.वि.

71. मेघदूत का एक उत्स – वाल्मीकि रामायण — डॉ.रूपा चावड़ा, गान्धीनगर,गुजरात

72. वाल्मीकिरामायण में नारियों के विविध – रूप — कौशलेन्द्र दत्त मिश्रा, औरंगाबाद,बिहार

73. पुराणों में स्त्री — रविशंकर, काशी हिन्दू वि.वि.

74. महाभारत में गीता का महत्व — कु. पूनम, नैनीताल

75. महाभारत में गीता का सवरूप — दिवाकर कुमार ठाकुर, मुज.बिहार

76. महाभारत के शान्तिपर्व के प्रमुख आयामों की समीक्षा — डॉ. सुभाषचन्द्र सचदेवा, सोनीपत

77. वेदों में स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण व्यवस्था — अनुपमा कुमारी, कानपुर

78. श्रीरामचरितमानस : दार्शनिक विचारों और समन्वयवाद का महाकाव्य — डॉ.राजेन्द्र पाण्डेय एवं सुनैना देवी, आरा,बिहार

79. श्रीमद्भगवद्गीता और आधुनिक प्रबंधनशास्त्र — डॉ.दिलीप कुमार झा, दिल्ली वि.वि.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

८०. उत्कलीय पुराणसाहित्य में पादपीठ का रहस्य	पंडित वीर किशोर प्रधान, आडीसा
८१. पुराणों में दार्शनिक विचारधारा	डॉ.जगदीश भारद्वाज, कुल्लू
८२. हरविजयम् महाकाव्य का भाषा-शास्त्रीय अध्ययन	नीलम शर्मा,
८३. वाल्मीकि रामायण पंजाब के सांस्कृतिक अवचेतन के स्रोत के संदर्भ में	डॉ.प्रैटी सोढी, करतारपुर
८४. महाभारत में नारी की स्थिति	नम्रता सिंह, कानपुर
८५. वाल्मीकि रामायण में उल्लिखित वनस्पतियां	भारती रामचन्द्र केकने, अहमदनगर महा.
८६. श्रीहनुमान : भगवान् श्रीराम का दूत	डॉ.घनश्याम महतो, मधुबनी बिहार
८७. पुराणों में वनस्पतिविज्ञान विषयक विचार,	प्रो.दर्शना एस. श्याम, यवतमाल
८८. आतंकवाद मुक्ति में सहायक श्रीमद्-भगवद्गीता	डॉ.श्वेता शर्मा, हिसार

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

८९. रामेण रामदासेन लिखितं वाल्मीकि-रामायणम्	समर्थ भक्त शरद कुबेर, महाराष्ट्र
९०. वाल्मीकिरामायण के परिप्रेक्ष्य में कश्मीर	मंजुला सहदेव, ...
९१. रामायणाश्रित नाटकों में रामकथा का स्वरूप एवं विकास	सुषमा, जे.एन.यू.
९२. वाल्मीकिरामायण में अर्थ पुरुषार्थ	डॉ.उर्मिला श्रीवास्तव, इलाहाबाद
९३. महाभारत में प्रतिपादित विदुर नीति की वर्तमान में प्रासंगिकता	वन्दना सिंह, इलाहाबाद वि.वि.
९४. श्रीमद्भागवद् में अप्रस्तुत विधान	डॉ.शील निगम, कानपुर
९५. महाभारत में नारी के विविध रूप	डॉ.हेमलता बित्थरिया, ग्वालियर
९६. महाभारत में कुंती का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण	डॉ.देवेन्द्र ब्रैच, पंजाब
९७. वाल्मीकि का प्रकृति प्रेम	उमेश सिंह, आरा बिहार

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

९८.	रामकाव्य की व्यापपकता	कुमारी बीणा, आरा बिहार
९९.	श्रीमद्भागवद् में कालमान एवं खगोललीयविषयक विचार	चेतन पंडया, वडौदरा
100.	श्रीमद्भगवद्गीता पुष्पिका का वैशिष्ट्य	डॉ.शशिकान्त पाण्डेय, काशी हिन्दू वि.वि.
101.	श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग	रामकृष्ण राय, दरभंगा
102.	भीष्माचार्य के राजनैतिक विचारों की वर्तमानकालीन उपादेयता	.....
103.	लिंगपुराणे अष्टांगयोग वर्णनम्	....
104	महाभारत में सह अस्तित्व की संकल्पना	डा0 सुमन लता देवी वरिश्ठ प्रवक्ता, संस्कृत डॉ0 राममनोहर लोहिया पी0जी0 कॉलेज भैरवतालाब, राजातालाब, वाराणसी।
105	श्रीमद्मागवत के दशमस्कन्ध में रसपरिपाक	गौरव ार्मा, ाोधच्छात्र, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान (मा.वि.), जयपुर, राजस्थान
106	महाभारत के अनुशासनपर्वगत नाचिकेतोपाख्यान का तुलनात्मक अध्ययन	रीजा (कुरुक्षेत्र)
107	शिशुपालवधमहाकाव्ये आयुर्वेदः	SIBA PRASAD DAS RESEARCH SCHOLAR, DEPT. OF SANSKRIT, PONDICHERRY UNIVERSITY.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

108	संस्कृतमहाकाव्ये[illegible]ु निमित्तानिमित्तसूचकं भूकम्पवर्णनम्	डॉ॰ ललित कुमार गौडः आचार्यः, संस्कृत–पालि–प्राकृत विभागः, कुरुक्षेत्रविष्वविद्यालयः, कुरुक्षेत्रम्
109	शिशुपालवधम् मे व्याकरणशास्त्र	अरूण कुमार सिंह इलाहाबाद
110	[illegible] वषि्णुधर्मोत्तर पुराण में रसाध्याय [illegible]	डॉ. मन्जुला जे. वीरडयिा संस्कृतवभिागाधयक्षा आरटस एवं कॉमर्स कोलेज नरोडा, अहमदाबाद, गुजरात.
111	[illegible] मत्स्यपुरण में उपलब्ध पाठान्तरों के प्रकार और कारण [illegible]	डॉ. गोवदि जी. चौधरी संस्कृत वभिाग आर्ट्स एवं कॉमर्स कोलेज नरोडा, अहमदाबाद, गुजरात
112	महाभारत युद्ध के प्रमुख संचालक योद्धा	श्राजीव कुमार त्रिपाठी, इलाहाबाद
113	रामायण–गत ऋ[illegible]ि–परम्परा : एक ऐतिहासिक विवेचन	डा. रणवीर सिंह निदेषक, संस्कृत एवं प्राच्यविद्या संस्थान कुरुक्षेत्र विष्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
114	अग्निपुराण एवं ज्योतिषशास्त्र	डा0 मीतू गौड़ सहायक आचार्य (तदर्थ) कमला नेहरू महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
115	श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण में मानवीय मूल्य	डॉ. आषीश सिसोदिया सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विष्वविद्यालय, उदयपुर
116	मह[illegible]ि वाल्मीकि का पर्यावरण चिन्तन	डॉ. अंजना पालीवाल सह–आचार्य, संस्कृत विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विष्वविद्यालय, उदयपुर

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

117	भट्टलक्ष्मीधर कृत चक्रपाणिविजयमहाकाव्यम् का वैशि□ट्य	विकास ठाकुर ,षोधार्थी, संस्कृत विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विष्वविद्यालय,उदयपुर
118	वर्तमान युग के सन्दर्भ में पुराणों की प्रासंगिकता–	डॉ0 सुधीर पाठक प्रवक्ता–संस्कृत चौ0 चरण सिंह पी0जी0 कॉलेज, हैंवरा, इटावा।
119	महाभारत में खाण्डववनदहन की कारणमीमांसा	प्रा.डॉ.सौ. षैलजा मधुकर रानडे सेवानिवृत्त सहयोगी प्राध्यापिका (संस्कृत विभाग) बाबाजी दाते कला आणि वाणिज्य महाविद्यालय यवतमाळ (महाराश्ट्र)
120	ममि}रमसममचमह–अममतङमबमदमाम}मश्रङमे ममामत्र}मसिममामि+मब्मबमक	Sucheta Tripathy Research Scholar Dept. of Sanskrit Utkal University, Vanivihar Bhubaneswar
121	श्रीमद्भगवद्गीतायां राजनीतिः	जगदीश चन्द
122	Wealth Management In Puranas	Lasmidhar Malik (Bolpur)
123	"Relevance of the Bhagavadgita in Present times: An over view"	Chandana Das M.A (Assam)
124	Ecological Attentiveness in Epics	Anjana G.T (Kerala)
125	Types of State in Mahabharata	Priyanka Pandey (New Delhi)
126	Cosmology of Vishnupurana	K.Rehteesh (Kerala)
127	Wealth Management in Puranas	Laxmidhar Malik
128	The Concept of Prakrti in the Santhi Parva of Mahabharata	Shini M V (Kerala)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

129	Humnistic appeal through major characters of the Ramayana A Study	Dr. Sipra Paik (Assam)
130	Tantra, Mantra and Yantra Worship Depicted in Devi Bhagavata Purana	Dr. Mrs.Rajani Patki (Pune)
131	The Technique of Yogic Worship Prescribed by Devi Gita in Devi Bhagavata	Niranjan Manamadkar (Pune)
132	Common Identities in Yajnavalkyasmrti and Agnipurana: *A Glance Through Vyavaharadhyaya*	Dr. Ambika.K.R (Kerala)
133	Ecological Attentiveness in Epics _ Abstract	Anjana G.T (Kerala)
134	Influence of the Ramayana on folk songs of Assam	Prof. Shrutidhara Chakravarty (Gauhati)
135	The Social Dimension of Bhakti in the Bhagavata Purana	Dr. Lakshmi Sankar (Kerala)
136	The concept of "PRATYUTKRAMA" in samagana	Prof.Pankaj Mala Sharma (Chandigarh)
137	Treatment of Ayurveda topics in major Puranas	Jimnisha V.K (Kerala)
138	Draupadi Speech in the Kiratharjuniya Kavya	Dr.V.Girishchandra (Karnataka)
139	A note on Valmiki's method of writing the Ramayana	Priyanka (Tripura)
140	Utility of the Herbal life as reflected in the Visnudharmottarapurana	Dr.Reeta Bhattacharya (Kolkata)
141	Status of Women in Mahabharata	Dr. L.Sudharmany
142	Supermacy of Karna's Generosity	Dr. Sireesha (Tirupati)
143	Avataras in Puranas	Dr. P.Syamala Devi

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

144	Influence of the Puranas on Assamese literature	Dr. Kalyani Goswami (Assam)
145	Architectural evidences found in Visnudharmottarapurana(II)	Dr. Mrs. Anasuya Bhowmik
146	Unity and Diversity: A comparative Study of The Legends in the Ramayana and The Mahabharata	Partha Sarathi Sil & Anusrita Mandal (New Delhi)
147	Ramacharitamanasa, Telugu Ramayana and Kamba Ramayana A comparative Study	Rajesh C V (Kerala)
148	Ancient Indian Vaterinary Science Literature with Special Reference to The Agnipurana	Mausumi Goswani (Gauhati)
149	Ecological Cleanings from the Ramayanna	Niranjan Sabar (Pondicherry)
150	Rajadharma In The Mahabharata And Relevance In The Present Political System	Dr. Ripima Buzarbaruah (Assam)
151	Social Dimension of Bhakti in the Bhagvatapurana	Sethulakshmi. K.S (Kerala)
152	Comperative Study of righteous womanhood of Savitri, Damayanti and Deveyant in the Mahabharta.	Rasiklal A. Parikh (Surat,Gujarat)
153	Poetic value of the Saura Purā□a	Sushant Pradhan (Bhubanserwar)
154	Notes on Svar□ādrimahodaya	Prof. Gopal Krishna Dash (Bhubanserwar)
155	Puranic Concept of Kingship	Dr. Dhananjay Vasudeo Dwivedi (Ranchi)
156	Judical Procedure in Main Puranas	Prof. Ramnika Jalali (Jummu Univerasity)
157	Effect of the Puranas on the YUGAS	V.Balambica (Tamilnadu)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

158	The Township reflected and Valmix's	Acharya Dr. Gwanshu Kumar Singh (Nagaland)
159	The parctic of Rāmāyana in the early Assamese poetry	Dr. Jagdish Sarma (Assam)
160	Cosmology of Vishnupurana	K.Retheesh (thiruvananathapuram)
161	Bhagavatapurana and its impact on keralite Sanskrit Mahakavya's	Hridya M.S (Kerala)
162	Oaths In Mahabharata	Harish P.N (Kalady)
163	Huamnistic appeal through major characters of the Ramayana- A Study	Dr. Sipra Paik (Arya Vidyapethi College)
164	Contribution of Odisha to Purana	S. Jena (Bhubaneswar)
165	The legend of Kāmarūpa as reveled in the mahābhārārata	Mrs. Anakshi Bora (Gauhati)
166	Draupadi Speech in the Kiratharjuniya Kavya	Dr. V. Girishchandra (Dharwad)
167	Some translated Odiāmahākāvyas & Sanskrit : an overview	Dr. Debaraj Panigrahi (Tripura)
168	Concept of bhakti in the Saura Purana	Bibhatsa Bhanjan Muduli (Bhubaneswar)
169	Sectarian Synthesis in the vamana Mahapurana	Dr. Sudhir Lall

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Sanskrit and Computers Section--20

Title of Paper	Name of Delegate
1. पाणिनि प्रथमः तन्त्रांशजनकः	नन्दिनी दिलीप छाग, ठाणे महा.
2. लोके जनसंचारमाध्यमस्य समग्रप्रभावः	डॉ.शिवानी शर्मा, कुरुक्षेत्र वि.वि.
3. पाणिनीय वयाकरण में संगणकीय दृष्टि	डॉ.योगेश्वर शुक्ल, प्रतापगढ़ उ.प्र.
4 संगणकं ज्योति[illegible]ञ्च	डॉ० विन्ध्यनाथ मिश्र सहायक प्रोफेसर (ज्योतिश) राजकुमारी गणेष षर्मा संस्कृत विद्यापीठ को.पटोरी, दरभंगा (बिहार) 846003
5 Sanskrit As A Possible Computer Language	Ajay Kumar (Ara)
6 Sanskrit Is A Perfect Language For Computer Software Programming	Neelam Dubey (Ara)
7 Application of Computer in Sanskrit Language	Neerja Verma (Gwalior,M.P)
8 Pre-processing Methods for Sanskrit Text	Arun Kumar Gautam

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

9	Utilization of Sanskrit Computer	Komal Kislay
10	Concept of Natural Languages instead of Artificial Languages in Computers	Dr. Sujith.S (Kerala)
11	Pre-processing Methods for Sanskrit Text	
12	Sanskrit As A Possible Computer Language	Ajay Kumar (Ara)
14	Sanskrit Is A Perfect Language For Computer Software Programming	Neelam Dubey (Ara)
15	Application of Computer in Sanskrit Language	Neerja Verma (Gwalior,M.P)
16	Pre-processing Methods for Sanskrit Text	Arun Kumar Gautam
17	Utilization of Sanskrit Computer	Komal Kislay
18	Concept of Natural Languages instead of Artificial Languages in Computers	Dr. Sujith.S (Kerala)
19	Pre-processing Methods for Sanskrit Text	
20	Sanskrit the Perfect Languages for Present Computers Age	Joshi Mohini P. (jalgaon)M.H
21	Sanskrit as a possible Computers Language	Ajay Kumar (H.D. Jain College, Ara)
22	Sanskrit is a Perfect Languages for Computer Software Programming	Neelam Dubey (H.D. Jain College, Ara)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Indian Aesthetics and Poetics Section:21

S.No. Title of Paper	Name of Author
1. सचमत्कारकाव्यस्य काव्यत्वं तूपपद्यते	प्रो.रामप्रताप, जम्मू
2. शान्तिदूत काव्ये सामाजिकचेतना	डॉ.पार्थसारथी, वर्धमान
3. भक्तेः रसत्वप्रतिपादनम्	अशोक कुमार शतपथी, लखनऊ वि.वि.
4. भारतायनमहाकाव्यस्य आलंकारिक-विश्लेषणम्	डॉ.बुद्धेश्वरषडंगी, कोलकाता
5. अभिराजराजेन्द्रस्याचार्यत्वम् (काव्यभेदनियपणस्य संदर्भे)	डॉ.भारतेन्दुपाण्डेय, दिल्ली वि.वि.
6. संस्कृतसाहित्ये सौन्दर्यशास्त्रस्या-भिनवायामः	सन्तप्रकाश तिवारी, लखनऊ वि.वि.
7. कोऽयं रसः	मीरा द्विवेदी, दिल्ली वि.वि.
8. काव्यलक्षणसमीक्षा	राकेश कुमार, हनुमानघढ,बिहार
9. मेघदूतकाव्ये पर्णविन्यासवक्रतायाः प्रयोगः एकम् अध्ययनम्	महेश प्रसाद बेहरा, पाण्डिच्चेरी वि.वि.
10. रसवदलंकारः	लोकेशकुमार झा, दरभंगा
11. वानकीकाव्स्य आलंकारिकमध्ययनम्	प्रसन्नकुमारपण्डा, तिरुपति

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

12.	मिथिलांचलीय संस्कृतकाव्येषु ध्वनितत्त्वम्	प्रो.लक्ष्मीनाथ झा, दरभंगा
13.	रसकल्पद्रुमे रससमीक्षा	डॉ.शारदा सामन्तराय, पुरी
14.	पुष्पांजलिकाव्यसंग्रहे ध्वनितत्त्वम्	डॉ.नटवरजोशी, विद्याविहार,मुम्बई
15.	अप्रकाशित संस्कृतारत्याः रसग्रहणम्	सौ.प्रज्ञा शरद देशपांडे, नागपुर
16.	भामहस्य दृक्कोणतः नैषधीय शब्दानां शुद्धिसमीक्षा	साधनकुमारपात्रः, ...
17.	शंकरदेवरिचितेन अभिनवकाव्य शास्त्राधारेण औचित्य समीक्षासिद्धान्तश्च	अविनाशगायेन, तिरुपतिः
18.	प्राच्यपाश्चात्यसौन्दर्यशास्त्रपरम्परायामरस्तु	डॉ.श्वेतपद्माशतपथी, तिरुपतिः
19.	कालिदास साहित्ये वक्रोक्ति वैचित्र्यम्	पं.संजय कुमार पाण्डा, वालेश्वरम्
20.	व्यक्तिविवेकविवेचित दोषविवेचनम्	दिनेश चन्द्र पाण्डेय, ...
21.	नाट्यशास्त्रानुसारं आर्यावृतस्य स्वरूपं	संजय कुमार मलिक, पाण्डिच्चमरी वि.वि.
22.	आचार्याणां मते अलंकारस्वरुवः	डॉ.विजय कुमार पाण्डेय, वाराणसी

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

23. काव्य लक्षणम् (भामहाचार्य–पं.राज जगन्नाथ पर्यन्त) समीक्षात्मकं अनुशीलनम्	उमेश्वर प्रभात सिंह, ...
24. काव्यगुणविवेक	डॉ.रजनी, गाजियाबाद
25. कादम्बरी के पूर्व भाग में सौन्दर्य प्रसाधन	रजनी भारद्वाज, शिमला
26. आचार्य मम्मट का रीतिविषयक चिन्तन	विश्वजीत विद्यालंकार, दिल्ली वि.वि.
27. उत्तररामचरित में पदौचित्य विमर्श	प्रज्ञा दीक्षित, बी.एच.यू.वाराणसी
28. काव्य के उत्कर्षक और अपकर्षक तत्त्वों का अध्ययन	सुशील कुमारी, दिल्ली
29. भारवि की उपमा : एक समीक्षा	अखिलेश कुमार, मुजफ्फरपुर,बिहार
30. कालिदास के रूपकों में उत्प्रेक्षा चारुता	राजेश कुमार, लिच्छवी नगर,बिहार
31. रस की अभिव्यंजकता में अलंकारों की भूमिका	मंगलेश पाठक, मुजफ्फरपुर,बिहार
32. कर्णाभिजात्यम् नाटक में रसपरिपाक	प्रो.अरुणा शर्मा, कुरुक्षेत्र वि.वि.
33. वेदों में आलंकारिक शैली	डॉ.वीना अग्रवाल, हरिद्वार
34. उद्भट के अनुसार काव्य में गुण	विपिन द्विवेदी,

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

और अलंकार की स्थिति	प्रयाग,इलाहाबाद
35. कालिदास की रचनाओं में कवि प्रसिद्धियां	कीर्ति दीक्षित, काशी हिन्दु.वाराणसी
36. नैषधीयचरित महाकाव्य में समाजिक सन्दर्भ	विपुल कुमार शुक्ल, बी.एच.यू.वाराणसी
37. नारी सौन्दर्य का कालिदासीय मपदण्ड	डॉ.प्रेम कुमारी सिंह, इलाहाबाद वि.वि.
38. फजी सौन्दर्यशास्त्र की संकल्पना और कविता	डॉ.विक्रम सिंह, दिल्ली
39. आकांक्षा : शाब्दबोध के साधन के रूप में	रेभा सिंह, दिल्ली
40. संस्कृतकाव्यशास्त्र में साहित्यसुधासिन्धु का योगदान	जितेन्द्र कुमार, लखनऊ वि.वि.
41. औचित्य का महत्त्व आचार्यो की दृष्टि में	कुमारी आकांक्षाराय, ...
42. काश्मीरी काव्यशास्त्रीय आचार्य	डॉ.जे.के.गोदियाल, पौडी परिसर,उत्तराखण्ड
43. काव्यरचना में कन्पना अथवा बुद्धि तत्त्व	डॉ.निरुपमा त्रिपाठी, कानपुर
44. आधुनिक काव्यशास्त्र में कावयलक्षण विमर्श	बीनू सिंह, इलाहाबाद वि.वि.
45. अभिनवगुप्त एवं ध्वनि सिद्धान्त	आकांक्षा सिंह, इलाहाबाद वि.वि.
46. तुलसी की भाषा–शैली	डॉ.गणेश बी. पवार, गुलबर्गा,कर्नाटक

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

47. सम्बोधनवाचक शब्दों के प्रयोग का नाट्यशास्त्रीय सिद्धान्त एवं भवभूति के नाटकों में इनका प्रयोग	डॉ.अजय कुमार झा, दिल्ली
48. नायक का विवेचन	अर्पिता रंजन, काशी हिन्दु,वि.वि.वाराणसी,
49. नाट्यशास्त्र के टीकाकार के रूप में आचार्य उद्भट	डॉ.वेद प्रकाश डिंडोरिया, होशियारपुर,पंजाब
50. प्रहसन : एक सफर	डॉ.शालिमा तबस्सुम, अलमोड़ा,उ.ख.
51. भारतीय काव्यशास्त्र में रसानुभूति विमर्श	यशपाल शर्मा, जम्मू
52. रामचरित मानस में उत्प्रेक्षा अलंकार	डॉ.मीरा कुमारी, मुज.बिहार
53. रूपगोस्वामी और उनका भक्ति विषयक विचार	टेकचन्द मीना, दिल्ली वि.वि.
54. संस्कृत वाङ्मय में सौन्दर्यतत्व : एक काव्यशास्त्रीय परिशीलन	रविशेखर आजाद,देवघर एवं डॉ.भोला मिश्र,दुमका झारखण्ड
55. संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति एवं विकास	सोमनाथ तिवारी, बहराइच
56. नाट्यशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में कालिदास के रूपकों में नायक,	प्रो.कुसुम भूरिया दत्ता, सागर

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

57.	ध्वनिसिद्धान्त की व्यापकता में व्याकरण-शास्त्र का अवदान	कु.प्रियंका शर्मा, झांसी
58.	रामभद्रदीक्षित की काव्यशास्त्रीय अवधारणाएं	प्रो.प्रीति सिन्हा, लखनऊ वि.वि.
59.	काव्य प्रयोजन : प्राचीन व अर्वाचीन दृष्टि (डॉ.ब्रह्मानन्द शर्मा के परिप्रेक्ष्य में)	डॉ.डाली जैन, टोंक राज.
60.	संघरहित का काव्यशास्त्रीय योगदान	डॉ.सोम प्रकाश पाण्डेय, प्रतापगढ़ उ.प्र.
61.	वाग्भटालंकार तथा सिंहदेवगणिकृत संस्कृतटीका	सुषमा शर्मा, आर.एस.एस.भोपाल
62.	सूफी काव्य में राबिया बसरी का योगदान	रकीमा एजाज कयमीर वि.वि.
63.	18वीं शताब्दी के नाटकों में प्रकृतिनिरपेक्ष सौन्दर्य,	डॉ.कमल किशोर, जम्मू वि.वि.
64.	नाट्यदर्पण में निर्दिष्ट पात्रानुसार भाषा -विधान	डॉ.जिनेन्द्र कुमार जैन, उदयपुर राज.
65.	षड्दर्शनेषु उपमा	मुकेश कुमार गुप्ता शोधार्थी (नेट-जे.आर.एफ.) संस्कृत विभाग अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ (उ0प्र0)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

66. रस-स्वरूप एवं रस-सिद्धान्त

डॉ0 (श्रीमती) सुधा गुप्ता
एसो0 प्रोफेसर, संस्कृत विभाग
जुहारी देवी गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज,
कानपुर

67. धर्मसूरिविरचित_साहित्यरत्नाकर_में_नायक–निरूपण
ृोध–पत्र_सारांश

डॉ०_नीलम_रानी_श्रीवास्तव
रीडर,_संस्कृत_विभाग,
ए०पी०_सेन_मेमोरियल_गर्ल्स_
पी०जी०_कॉलेज,_
चारबाग,_लखनऊ

68. अलारों की ाब्दार्थगतताःएक विवेचन

पूर्णिमा पाण्डेय
षोधच्छात्रा
संस्कृत–विभाग
इलाहाबाद विष्वविद्यालय,
इलाहाबाद

69. रसौचित्य
(षोध–पत्र)

देवी प्रसाद गुप्ता
षोधच्छात्र इ0वि0वि

70. स्फोट और काव्यषास्त्र

डॉ0 नीलम श्रीवास्तव
एसो0 प्रोफेसर – संस्कृत
जे0डी0वी0एम0पी0जी0
कालेज
कानपुर।

71. ''मुरारिकृत अनर्घराघव का नाट्यशास्त्रीय अध्ययन''

डॉ. पूनम वार्ष्णेय
सहायक प्राध्यापक
संस्कृत विभाग
विजया राजे शासकीय
कन्या
स्नातकोत्तर
महाविद्यालय,
मुरार, ग्वालियर म.प्र.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

72. **सैषा सर्वैव वक्रोक्तिः**

डॉ.ललितः पटेलः
आसिस्टन्ट प्रोफेसर,
श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी
सञ्चालित-संस्कृतकोलेज,
वेरावलम्

73. गीतसीतावल्लभम्
(काव्यषास्त्रीयं चिन्तनम्)

(षोध लेखस्य सारसंक्षेपः)

डॉ. कुमारी कुमुद कान्हे
रायपुरम् (छत्तीसगढम्)

74. ।।विशिष्यतेऽभिधावृतिः साहित्यशास्त्रे।।

दिव्येश पाठकः
शोधछात्रः
(अनुस्नातक भवन)
श्रीसोमनाथ
संस्कृतयुनिवर्सिटी,
वेरावलम्(गुजरातम्)

75. अभिहितानभिहितविवेकः

म्क- ज्हेरह`हम्कक
किब्द
ल्कसोकफुोण/क
झिकपक;इ
,श्रघ योदखत्क
फोगकज
पकस्चस दकयुह
जक;खिजह्न—श–ह्म
नभजह्ककम्क

76 Soundharyalahari and Dhvani Theory

Anu P.S
(Kerala)

77 Implication of Rasa on Indian Fine Arts

Dr.K.Leela Prakash
(Bangalore)

78 Abhihitanvayavada Virsus Anvitabhidhanavada

Prof.Rajendra Nath
Sarma
(Assam)

79 Impersonality and Tradition in Poetry: T.Seliot and anandavardhana

Pratik Dutta
New Delhi

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

80	The view of Abhinavagupta on Rasautras	Soumya. S (Kerala)
81	*Visavegas* on Stage	Dr. Ajitha.T.S (Palakkad)
82	A Study of Varnavinyasavakrata In Meghadutam	Mahesh Prasad Behera (Pondicherry)
83	Aesthetic Concepts in Atharvaveda	Dr. T. Vasudevan (Kalady)
84	Contribution of Indrapati To Poetics	Maharudra Mishra, (Darbhanga)
85	Mulla Muhammad tahir ghani Kashmiri thought And Poetry	Ovais Ahmad (J.N.U) New Delhi
86	Ornament of Human and Rhetoric of literature May Not be Compared with Each Other	Sudip Chakravortti (Kolkata)
87	Sattvikas with Special Refrence to Rasakalpadruma	Dr. Smt. Kadambini Dash (Odisha)
88	Comparison between concept of Madhur Rasa by Shri Gowsami & Shringar Rasa by Shri Bharatmuni & others from various viewpoints including Rasasastra	Madhav Krishnaji Puranik, (1490, Sadasvhiv peth, Pune)
89	Contribution of rajacudamani Diksita to Poetics	Dr. Anand Kumar (Srivastava, Kenya)
90	Towards an Alternative Aesthestic: A Study of the Prahasana	M.G Hegde
91	The relevance of ethics in Aesthestic	Dr (Mrs) A.R Triphati (Indra Nagar Lucknow)
92	Influence of Sanskrit drama on Hindi Drama	Dr. Bhagirathi Biswas (Assam University, Silchar)
93	Chanda-s And Alamkara-s _ The string between Poet and Reader	Smt. Ebatri Ghosh (Kolkata)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

CELSO MARTINS DE FREITAS

BRAZIL PARATI #78
J.d COLONIAL
CARAPICUIBA - SÃO PAULO
CP: 06345-010

For Ringing bowl,

विश्वमोहन शर्माज्यू

D.D. in banu V.C 2400/= ten set

E-mail: rsks@nda.vsnl.net.in,
rskssala@yahoo.co.in

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

Department of Sanskrit
University of Kashmir

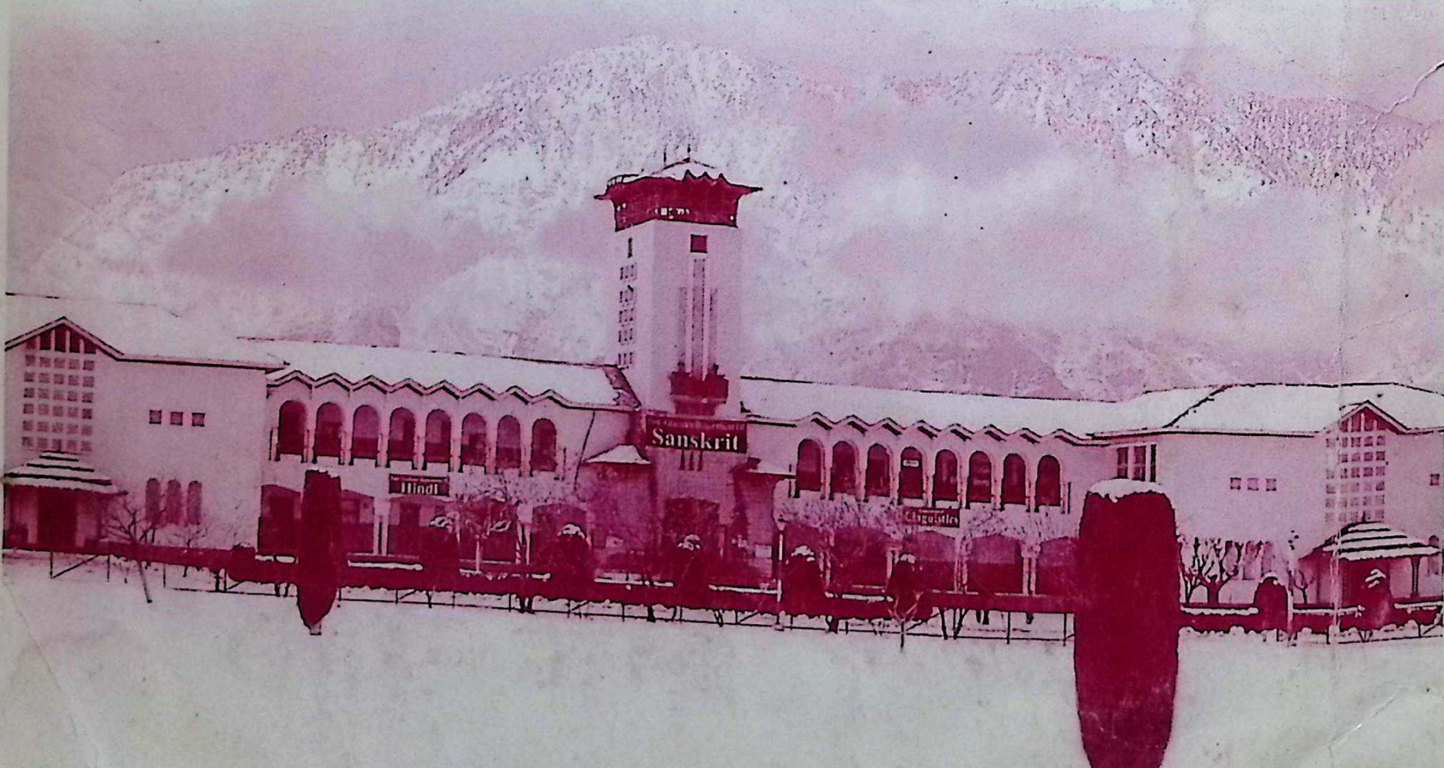

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection